Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 291 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, शनिवार 18 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

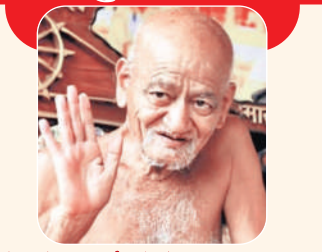

चार से बचो 1. दुर्व्यसनों से 2. अपनी प्रशंसा से 3. दूसरों की निंदा से 4. दूसरों के दोष से।

Be safe from these four 1. from badhabits, 2. from own admiration, 3. from others calumniation 4. from others faults.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस महिलाओं का नहीं करती सम्मान : राधिका खेड़ा

रायपुर (विसं)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व पदाधिकारी और मौजूदा वक़्त में भाजपा का दामन चुकी महिला नेत्री राधिका खेड़ा लगातार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर हमलावर हैं। खासकर सोशल मीडिया पर वह कभी राहुल गांधी तो कभी प्रियंका गांधी पर हमले कर रही हैं। नारी सम्मान के दावों पर खुद की मिसाल दे रही है। वही इस बीच उन्होंने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा समय में रायबरेली लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस पर्यवेक्षक भूपेश बघेल के खिलाफट्वीट किया हैं।

अनाधिकृत गायब रहने वाले शासकीय कर्मी होंगे बर्खास्त

रायपुर (विसं)। बिना सूचना के अनाधिकृत तरीके से कार्य पर अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की तैयारी है। सचिव जीएडी मुकेश बंसल ने सभी असीएस, पीएस सचिवो, विभागाध्यक्षों को पत्र भेजकर 31 मई तक ऐसे लोगों की छंटनी करने कहा है। तीन वर्ष से गैर हाजिर को बर्खास्त करने कहा है।

खनिजों के परिवहन के लिए फिर शुरु हुई ऑनलाइन ई-ट्रांजिट पास व्यवस्था

रायपुर विसं)। छत्तीसगढ़ में कोयला सहित अन्य खनिजों के परिवहन के लिए ऑनलाइन ई-ट्रांजिट पास व्यवस्था की फिर से शुरुआत हुई है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्वीटर पर लिखा है कि न कोई गड़बड़ न घोटाला छत्तीसगढ़ सरकार में ईमानदारी का बोलबाला. साय ने आगे लिखा है, हमारा छत्तीसगढ़ भ्रष्टाचार मुक्त बनेगा. कोयला सहित अन्य खनिजों के परिवहन के लिए ऑनलाइन ई-ट्रांजिट पास व्यवस्था की पुनः शुरुआत हुई है.

बाराबंकी में प्रधानमंत्री ने चुनावी जनसभा में विपक्षी दलों पर साधा जोरदार निशाना

पीएम पद को लेकर ये सब मुंगेरी लाल को भी पीछे छोड़ रहे हैं : नरेन्द्र मोदी

बाराबंकी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी दलों पर एक बार फिर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम पद को लेकर ये सब मुंगेरी लाल को भी पीछे छोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को बाराबंकी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम पद को लेकर ये सब मुंगेरी लाल को भी पीछे छोड़ रहे हैं। इनके सपनों की इंतहा देखिए, कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि रायबरेली के लोग प्रधानमंत्री चुनेंगे। ये सुनते ही समाजवादी शहजादे का दिल टूट गया, बस आंसू नहीं निकले, लेकिन दिल के सारे अरमान बह गए।

पीएम ने कहा कि आज एक तरफ देश हित के लिए समर्पित भाजपा-एनडीए गठबंधन है और दूसरी तरफ देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए इंडी गठबंधन मैदान में है। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहा है, ये इंडी वाले ताश के पत्तों की तरह बिखरने शुरू हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि 100 सीसी के इंजन से आप 1,000 सीसी की रफ्तार ले सकते हैं क्या? आपको विकास की तेज रफ्तार चाहिए तो वो सिर्फ दमदार सरकार ही दे सकती है। भाजपा सरकार ही दे सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि आपको काम करने वाले और आपका भला करने वाले सांसद चाहिए। पांच साल मोदी को गाली देने वाले नहीं, क्षेत्र का विकास करने वाले सांसद चाहिए। इसके लिए आपके पास एक ही विकल्प है - कमल का निशान।

उन्होंने तंज करते हुए कहा कि जो बबुआ जी यानी समाजवादी शहजादे हैं, अब उन्होंने एक नई बुआ की शरण ली है। उनकी ये नई बुआ बंगाल में हैं। उनकी बंगाल वाली बुआ जी ने इंडी गठबंधन वालों को कहा है कि मैं आपको बाहर से सपोर्ट करूंगी। इंडी गठबंधन की एक और पार्टी ने दूसरे को कह दिया कि खबरदार अगर हमारे खिलाफ पंजाब में बोला।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहली बार वोट करने वाले युवाओं को तो पता भी नहीं होगा कि 500 साल के इंतजार के बाद अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला विराजमान हुए हैं। ऐसा सिर्फ आपके एक वोट के कारण हुआ है।

उन्होंने कहा कि रामलला को टेंट में पहुंचाने वाले सपा-कांग्रेस वाले अब राम मंदिर के फैसले को पलटने की बात कह रहे हैं। वो राम मंदिर को बेकार बता रहे हैं। ऐसे लोगों को ऐसी सजा देनी चाहिए कि उनकी जमानत जब्त हो जाए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जून बहुत दूर नहीं है। आज पूरा देश और पूरी दुनिया जानती है कि मोदी सरकार की हैट्रिक बनने जा रही है। नई सरकार में मुझे गरीबों, युवाओं, महिलाओं, किसानों के लिए बहुत सारे बड़े फैसले लेने हैं। इसलिए मैं बाराबंकी और मोहनलालगंज के लोगों से आशीर्वाद मांगने आया हूं।

आज मैं आपको सपा और कांग्रेस से सावधान करने आया हूं : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमीरपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं आपको सपा और कांग्रेस से सावधान करने आया हूं। सपा, कांग्रेस आपका वोट तो ले लेते हैं लेकिन ये लोग सरकार में आते हैं तो सौगात उनको बांटते हैं जो उनके लिए वोट जिहाद करता है। सपा वाले तुष्टीकरण के लिए किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। कल्याण सिंह देश के इतने महान नेता थे उन्होंने पिछड़ों का इतना सम्मान बढ़ाया, उनका निधन हुआ तो सपा के मुखिया उन्हें श्रद्धांजलि देने तक नहीं गए, कारण यही है कि कल्याण सिंह राम भक्त थे... लेकिन जब उत्तर प्रदेश में एक माफिया की मौत होती है तो ये लोग उसके कब्र पर फ़ातिहा पढ़ने चले जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां आने से पहले मैंने स्वामी ब्रह्मानंद को प्रणाम किया, उनके जैसे महान राष्ट्रसंत का अमृत महोत्सव के दौरान हम सबने स्मरण किया था। हमारी सरकार ने उनके योगदान को इतिहास में दर्ज किया लेकिन पिछली सरकारों ने उन्हें कभी सम्मान नहीं दिया। वे सारा श्रेय केवल एक शाही परिवार को देना चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमीरपुर में चुनावी रैली में कहा- इन लोगों ने कर्नाटक में क्या किया। वहां के मुसलमानों को रातों-रात ओबीसी बना दिया। इसका असर ये हुआ कि वहां के पिछड़े आरक्षण से वंचित रह गए। मोदी ने कहा, अब ये लोग यही मॉडल पूरे देश में लागू करना चाहते हैं। क्या आप लोग सपा-कांग्रेस को ये पाप करने का मौका देना चाहते हैं।

जैसे आपने मुझे अपना माना वैसे ही आप राहुल को अपना मान कर रखना : सोनिया गांधी

- इंडिया की सरकार बनते ही 4 जुलाई को अकाउंट में पहुंच जाएंगे 8500 : राहुल गांधी
- जनता इन्हें खटाखट-खटाखट हटाने जा रही : अखिलेश यादव

रायबरेली (आरएनएस)। रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी के समर्थन में आईटीआई मैदान में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी ने लोगों को संबोधित किया।

सांसद सोनिया गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि आज काफी समय के बाद आपके बीच आने का मौका मिला है। मैं हृदय से आपकी आभारी हूं। आपके सामने मेरा सिर श्रद्धा से झुका हुआ है। 20 साल से एक सांसद के रूप में आपने मुझे सेवा का मौका दिया है। ये मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। मेरा आंचल आपके प्रेम और आर्शीवाद से जीवन भर भरा रहा। आपके प्रेम ने मुझे कभी भी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका दिया हुआ है। मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं, जैसे आपने मुझे अपना माना वैसे ही आपको राहुल को अपना मान कर रखना है, राहुल आपको निराश नहीं करेगा।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि नरेंद्र मोदी हर जगह से अपना एक झूठा रिश्ता निकाल लेते हैं।मोदी जी भी देख लें राहुल गांधी का रायबरेली से सच्चा रिश्ता है। रायबरेली में एक और एक ग्यारह हो गया है और बीजेपी %नौ दो ग्यारह% हो गई है।बीजेपी के लोग बड़े घबराए हुए हैं।बीजेपी वालों ने जब से सुना है कि इंडिया गठबंधन गरीबों के लिए काम करने जा रहा है।तब से वह राहुल गांधी के %खटाखट-खटाखट% की नकल करने लगे हैं। अखिलेश ने कहा कि राहुल गांधी देश की सबसे बड़ी जीत जीतने वाले हैं, रायबरेली की राय यही है कि भाजपा यहां से जाय।उन्होंने कहा कि एक देश के झूठे नेता हैं, जहां जाते हैं वो रिश्ता निकाल लेते हैं, उनको समझना चाहिए रायबरेली से राहुल का सच्चा रिश्ता है और रा से रायबरेली और रा से राहुल होता है।

राहुल गांधी ने इस रैली को संबोधित करते हुए कहा इंडिया की सरकार बनते ही, 4 जुलाई को लाखों परिवारों के बैंक अकाउंट में 8,500 रुपये पहुंच जाएंगे।नरेंद्र मोदी ने 22 अरबपति बनाए हैं, हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। वहीं उन्होंने कहा कि मैं आशा और आंगनवाड़ी महिलाओं से कहना चाहता हूं जितना भी आपको आज पैसा मिलता है, उससे दोगुना आपको इंडिया गठबंधन की सरकार देने जा रही है।राहुल गांधी ने महिलाओं और युवाओं के लिए किए गए अपने वादों को दोहराया। उन्होंने मनरेगा मज़दूरी 250 से बढ़ाकर 400 रुपये करने, आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की तनख्वाह दोगुनी करने का भी वादा किया। उन्होंने अग्निवीर योजना को ख़त्म करने का भी वादा किया। इसके साथ ही राहुल ने मोदी सरकार पर जमकर हमला किया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि 10 साल से देश की जनता प्रताड़ित हो रही है, न्याय के लिए पुकार रही है. लेकिन नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों, मजदूरों, महिलाओं, गरीबों की एक पुकार न सुनी। अब देश की पुकार है कि नरेंद्र मोदी की तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंका जाए।रायबरेली की जनता पूरे देश को ये संदेश दे कि हम एक स्वच्छ राजनीति चाहते हैं।

व्यापार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता नहीं करेगा भारत : जयशंकर

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को चीन का संदर्भ देते हुए कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को दाव पर किसी देश के साथ व्यापार को प्राथमिकता नहीं देगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2024 को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत ने चीन के साथ व्यापार से इनकार नहीं किया है, लेकिन हमें सावधानी बरतने की जरूरत है। कुछ देशों के साथ संबंधों को जारी रखने के लिए हमें हमें अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने चीन के संदर्भ में कहा कि हम अपने लोगों को आत्मनिर्भरता व स्वावलंबन के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे। हालांकि हमने लोगों को चीन के साथ काम करने से रोका नहीं है, लेकिन यदि कोई भारतीय विकल्प उपलब्ध है, तो आपको उसे प्राथमिकता देनी चाहिए।

सपा को बड़ा झटका : विधायक मनोज पांडेय बीजेपी में शामिल, अमित शाह ने दिलाई सदस्यता

लखनऊ (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव बीच शुक्रवार को समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। सपा विधायक मनोज पांडेय ने आज रायबरेली में अमित शाह की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने मनोज पांडेय को भाजपा में शामिल कराया।

भाजपा में शामिल होने के बाद सपा विधायक मनोज पांडे ने कहा कि राजनीति रहे न रहे लेकिन सनातन के साथ रहेंगे। गर्दन भले कट जाए लेकिन भगवान राम ही मेरे हैं। वहीं अमित शाह ने विपक्षी गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि यह लोग अगर आयेंगे तो राम मंदिर पर ताला लगाएंगे, बाबरी मस्जिद बनायेंगे। इस दौरान अमित

शाह ने कहा कि रायबरेली, अमेठी की यह सीट परिवार की सीट नहीं रहेगी, जो संकट में साथ देता है सीट उसकी होती है। यह बीजेपी के झोली में जा रही है। कांग्रेस सरकार में राहुल बाबा के दौरान कई करोड़ का घोटाला किया, वही मोदी के ऊपर चवन्नी का दाग नहीं है।

ओडिशा में बृजमोहन अग्रवाल और हिमन्त बिस्वा सरमा ने की जनसभा, विपक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

रायपुर (विश्व परिवार)। शुक्रवार को ओडिशा चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे छत्तीसगढ़ के मंत्री बृजमोहन अग्रवाल और असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिस्वा सरमा ने कांटाबांजी के बंगोमुंडा में आयोजित जनसभा में शामिल हुए और जनता से भाजपा को प्रचंड मतों से जिताने की अपील की।

सभा को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के लिए पहचाने जाने वाले ओडिशा को 25 सालों से पटनायक और पांडियन की जोड़ी ने लूटने का काम किया है। घमंड में चूर जोड़ी ने राज्य की भोली भाली जनता के साथ धोखा दिया है। केंद्र सरकार की जनता की हितकारी नीतियों को लागू नहीं किया। जिसका खामियाजा राज्य की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

पश्चिम ओडिशा में गरीबी और बेरोजगारी के कारण यहां की युवा शक्ति पलायन कर गई है। अग्रवाल ने कहा कि, भाजपा सरकार आने पर ओडिशा को एक बार फिर से इसका पुराना वैभव लौटाया जाएगा साथ ही युवा, किसान, गरीब और महिलाओं के हितों में काम किया जाएगा।

एनटीपीसी लारा में मनाया जा रहा है स्वच्छता पखवाड़ा

लारा (विश्व परिवार)। एनटीपीसी लारा में 16 से 31 मई 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया ज आ रहा है। इसके तहत दिनांक 17 मई 2024 को पास के गांव छपोरा, प्राइमरी स्कूल में सफाई अभियान चलाया गया। इसमें ग्रामीणों के साथ बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। पखवाड़े की शुरुआत 16 मई 2024 को परियोजना प्रमुख, अखिलेश सिंह द्वारा कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाने के साथ शुरू किया गया है। भारत सरकार से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरे देश में 16 से 31 मई 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान कर्मचारियों, सहयोगियों एवं आमजन द्वारा श्रमदान के माध्यम से विभिन्न सफाई गतिविधियां चलाया जाएगा। साथ साथ आम लोगों को जागरूक करने के लिए, आसपास की सफाई और स्वच्छता के साथ-साथ उनकी दैनिक गतिविधि में स्वच्छ संस्कृति विकसित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। स्वस्थ जीवन शैली के लिए साफ-सफाई और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए कर्मचारियों, गृहिणियों और बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इस अवसर पर राजीव राजन, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), जाकिर खान, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), विभागाध्यक्षगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सुयश हॉस्पिटल की अभूतपूर्व सफलता, 2 माह की बच्ची के पेट से निकाला स्क्रू

रायपुर (विश्व परिवार)। एक 2 महीने की बच्ची, जिसका वजन 4.5 किलो है, ने गलती से एक पेनेट्रेटिंग स्क्रू को निगल लिया, जिसे उसकी मां ने देखा। माता-पिता ने उसे तुरंत चिकित्सा के लिए बाल चिकित्सक के पास ले जाया। बाल चिकित्सक ने एक एक्स-रे कराया, जिसमें स्क्रू को पेट में पाया गया। इसके बाद, बच्ची को सुयश अस्पताल के लिए रेफर किया गया।

अस्पताल में, उपचार के लिए यूजीआई एंडोस्कोपी एनेस्थेजिया के तहत योजित की गई थी, लेकिन प्रक्रिया को 3 घंटे के लिए विलंबित करना पड़ा क्योंकि बच्ची ने भूखा नहीं रहा था। प्रतीक्षा काल के बाद, एंडोस्कोपी को पेडियाट्रिक अल्ट्रा स्लिम एंडोस्कोप (5.3 मिमी) का उपयोग करके किया गया। हालांकि, विदेशी वस्तु पेट से बाहर चली गई थी और ड्यूडेनम में नहीं मिली। 36 घंटे के लगातार फ्लुओरोस्कोपिक मॉनिटरिंग के बावजूद, स्क्रू पेट के हेपेटिक फ्लेक्चर में अटका रहा और आगे नहीं बढ़ा। पॉलिएथिलीन ग्लाइकॉल के साथ तैयारी के बाद, एक निर्णय लिया गया कि एक अडल्ट एंडोस्कोप का उपयोग करके कोलोनोस्कोपी की जाए। कोलोनोस्कोपी के दौरान, स्क्रू हेपेटिक फ्लेक्चर में पाया गया और रेट टूथ फोर्सेप्स का उपयोग करके सफलतापूर्वक निकाला गया।

प्रक्रिया में शामिल टीम में मनोज लाहोटी, अमित जोशी, अभिषेक चंदेल, अंकुर मरकम (एनेस्थेटिस्ट), एंडोस्कोपी तकनीशियन, रामनारायण, नरेंद्र, पूजा, चंचल, और प्रीति शामिल थे।

प्रदीप एस. हेड़ाऊ से छत्तीसगढ़ चेंबर एवं कैट के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात कर दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल एवं कैट सी.जी.चेप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, महामंत्री सुरिन्दर सिंह एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि आज दिनांक 17 मई 2024 को चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ चेंबर एवं कैट सी.जी.चेप्टर के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय श्री प्रदीप एस. हेड़ाऊ जी, (आई.आर.एस.), प्रधान आयकर आयुक्त से सौजन्य मुलाकात कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल, मंत्री-नीलेश मुंधड़ा, शंकर बजाज एवं कैट सी.जी.चेप्टर के प्रदेश चेयरमेन मगेलाल मालू, कार्यकारी अध्यक्ष परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री सुरिन्दर सिंह, एवं कार्यकारी महामंत्री भरत जैन प्रमुख रूप से

जिले में मनाया गया विश्व उच्च रक्तचाप दिवस, कलेक्टर सहित कर्मचारियों ने करवाई जांच

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज रक्त चाप का परीक्षण कर विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर के एल चौहान, जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी का रक्तचाप परीक्षण स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा किया गया। इस सम्बंध में सीएमएच ओ डॉ एम पी महिस्वर ने बताया कि इस अवसर पर जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथा स्वास्थ्य केंद्रों में लोगों के रक्तचाप का परीक्षण किया गया एवं आवश्यक होने पर दवाई दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि वास्तव में उच्च रक्तचाप वह स्थिति है जिसमें धमनियों में रक्त का प्रवाह बनाये रखने के लिए हृदय को अधिक काम करने की जरूरत पड़ती है। इसका कारण यह है कि, समय के साथ धमनियाँ कठोर और कड़ी हो जाती हैं जिसके फलस्वरूप हृदय कमज़ोर हो जाता है। दुनिया का लगभग हर तीसरा व्यक्ति इससे प्रभावित है। समान्य रूप से इसका माप 120/80 होता है जबकि एक बीस साल के व्यक्ति में 140/90 और एक पचास साल की उम्र के व्यक्ति में 160/95 उच्च रक्तचाप माना जाता है। मानसिक तनाव, अधिक नमक का सेवन, वजन की अधिकता, आनुवंशिकता, धूम्रपान, शराब और आलस्यपूर्ण जीवन शैली उच्च रक्तचाप के कारण हो सकते हैं। इसके कारण हृदय घात, मष्तिष्कघात, गुर्दे की समस्या या आंखों पर असर होता गई। गर्भवती महिला को इसका विशेष ध्यान रखना पड़ता है। उच्च रक्तचाप को एक साइलेंट किलर भी कहा जाता है।उच्च रक्त चाप होने पर दवाई जीवन भर खानी पड़ी सकती है। अतः बेहतर होगा अपनी जीवन शैली संतुलन रखी जाए। व्यायाम, योग, ध्यान तनाव मुक्त होकर, संतुलित खान-पान से इससे बचा जा सकता है। उच्च रक्तचाप की जांच और उपचार की व्यवस्था राष्ट्रीय गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। वर्तमान में जिले में 20 हज़ार 8 सौ 18 मरीज पंजीकृत होकर उच्च रक्तचाप का उपचार ले रहे हैं।

गणनी आर्यिका सृष्टिभूषण माताजी एवं आर्यिका विश्वयशमति माता जी के सानिध्य में श्री शांतिनाथ मंडल विधान हुआ आयोजित

बानपुर/ललितपुर (विश्व परिवार)। आचार्य श्री शांति सागर जी छाणी परंपरा में आचार्य श्री सुमतिसागर जी एवं विद्याभूषण आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज से दीक्षित आर्यिका श्री सृष्टिभूषण माताजी का इन दिनों बुंदेलखंड के सिद्ध क्षेत्र, अतिशय क्षेत्र में विहार चल रहा है। टीकमगढ़ से बिहार कर बानपुर अतिशय क्षेत्र में विगत दिनों प्रवेश हुआ। महेंद्र कुमार जैन अध्यक्ष ने बताया कि अतिशय क्षेत्र बानपुर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका संघ के सानिध्य में श्री शांतिनाथ मंडल विधान का आयोजन किया गया। मंडल विधान में चढ़ाए जाने वाले मंत्र, अर्घ्य का वाचन आर्यिका श्री सृष्टिभूषण माताजी एवं आर्यिका श्री विश्वयश मति माता जी ने किया। विधान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भक्ति के साथ भाग लेकर पुण्यार्जन किया।

अरिहंत भगवान, सिद्ध भगवान, आचार्य परमेष्ठी उपाध्याय परमेष्ठी और साधु परमेष्ठी का गुणानुवाद आर्यिका संघ ने द्रव्य समर्पण के दौरान किया। माताजी ने अपने उपदेश में बताया कि जिनालय में, अतिशय क्षेत्र, सिद्ध क्षेत्र में मंडल विधान, धार्मिक क्रियाओं से पुण्य का उपार्जन होकर कर्मो का क्षय होता है, भावों और परिणामो में विशुद्धि होती है।

डॉ सुनील संचय व राजेश पंचौलिया ने बताया कि आर्यिका संघ अभी बानपुर उत्तर प्रदेश में विराजित हैं। टीकमगढ़ समाज के निवेदन पर 60 वर्षीय परमपूज्य आर्यिका श्री सृष्टि भूषण माताजी का 31वा चातुर्मास टीकमगढ़ में होगा।

ललितपुर जैन पंचायत ने किया ललितपुर हेतु निवेदन : जगह-जगह से संघ को नगर प्रवेश हेतु श्रीफल भेंट कर निवेदन किया जा रहा है इसी क्रम में ललितपुर जैन समाज की ओर से पंचायत समिति के अध्यक्ष डॉ अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, अटा मंदिर प्रबंधक मनोज बबीना, त्यागी व्रती संयोजक अमित जैन आदि ने आर्यिका माताजी को ललितपुर प्रवेश हेतु निवेदन किया गया। माता जी ने मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

मोहान घाट पहुंचा प्रशासन की टीम, रेत निकासी के लिए बनाएं मार्ग को तोड़कर किया अवरुद्ध

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। पलारी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम मोहान में लगातार हो रहे अवैध रेत निकासी संबधी शिकायतों की जांच करने एसडीएम के नेतृत्व में प्रशासन की टीम मौके में पहुंची। जहां पर महानदी के भीतर एक अस्थाई मार्ग रेत द्वारा बनाया पाया गया। जिसे ग्राम वासियों, सरपंच, पंच, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सचिव, पटवारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति में जेसीबी बुलाकर तोड़ा गया है। साथ ही सरपंच द्वारा बताया गया की उक्त अवैध घाट से रेत निकालने का कार्य कोर्ट खान के द्वारा किया जा रहा है एवं इस कार्य में ग्राम बोदा एवं मोहान के कुछ ग्रामीणों द्वारा बढ़ावा एवं संरक्षण देने की बात कही है। नदी से रेत निकालने बकायदा पुल एवं सड़क का निर्माण कराया गया है। जिससे यह बात स्पष्ट होती है। नदी के तट पर 9 ट्रिप हाईवा भी डंप पाया गया है। जिसे सरपंच के सपुर्दगी में दिया गया है। साथ ही साथ एसडीएम के द्वारा सरपंच, उपसरपंच एवं सचिव,पटवारी को भी नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। उक्त कार्रवाई पलारी एसडीएम श्यामा पटेल के नेतृत्व में की गई। इस दौरान तहसीलदार देवेंद्र नेताम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का समापन 20 मई को

विदिशा (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री विनम्रसागर महाराज मुनि श्री निस्वार्थ सागर महाराज मुनि श्री निसंग सागर महाराज क्षुल्लक हीरक सागर महाराज के स संघ सानिध्य में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान विधानाचार्य अविनाश भैया भोपाल अनूप भैया विदिशा पं. महेंद्र के निर्देशन में दिनांक 14 मई से प्रारम्भ हुआ था जिसका समापन 20 मई को होगा। उपरोक्त विधान के पुण्यार्जक अभय वैद्य परिवार के साथ विदिशा नगर की जैन समाज के गणमान्य श्रद्धालुओं ने मुनिसंघ का आशीर्वाद लिया इस अवसर पर मुनि संघ की प्रेरणादायक उदवोधन से प्रभावित होकर शीतलधाम में बन रहे समवसरण मंदिर के लिये श्री जी एवं वेदी निर्माण के लिये अपने दान की घोषणा की गयी। इस अवसर पर मुनि श्री निस्वार्थ सागर जी महाराज ने आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के प्रारंभिक जीवन की शुरुआत बताते हुये कहा कि धर्म की रक्षा के लिये मुनिराज की बचन सिद्धि कार्य करती है।उन्होंने जीवन जीने की कला बताते हुये कहा कि सभी जीवों की रक्षा हो इस भावना से ही मुनिराजों का प्रयोजन रहता है। उपरोक्त जानकारी देते हुये प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया विधान के चतुर्थ दिवस128 अर्घ समर्पित किये गये। -**अविनाश जैन**

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत **कॉलोनी डूमरतराई फेस-1,** जिला रायपुर में स्थित ई.डब्ल्यू.एस. **फ्लैट क्रमांक**-111, ब्लॉक क्रमांक-07, तृतीय तल, **श्री तोषण चंद्राकर, पिता श्री चोवाराम चंद्राकर** को स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट की लीजडीड दिनांक **28/02/2012** पंजीकृत कराने के उपरांत फ्लैट की पूर्ण राशि जमा कर दिनांक **28/03/2014** को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में आबंटी **श्री तोषण चंद्राकर, पिता श्री चोवाराम चंद्राकर**, निवासी- अवंति हॉस्पिटल अवंति बाई चौक, पंडरी, जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा पूर्व में उक्त फ्लैट को **श्री दीपक अग्रवाल, पिता श्री बुधराम अग्रवाल** को विक्रय करने के लिए इस कार्यालय के पत्र क्रमांक **2953** दिनांक **01/05/2023** को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया था, परन्तु क्रेता-विक्रेता द्वारा आपस में विक्रय प्रपत्र नहीं किया गया है। एवं पुनः विक्रय अनापत्ति पत्र प्राप्त करने के लिए **श्री तोषण चंद्राकर, पिता श्री चोवाराम चंद्राकर** के द्वारा विक्रय अनापत्ति पत्र की मूल प्रति, आवेदन पत्र, एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट को **श्री दीपक अग्रवाल, पिता श्री बुधराम अग्रवाल**, निवासी- म.नं.-111, ब्लॉक नं.-07, हिमालयन हाईट्स, देवपुरी, जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिए इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) की मांग की गई है।

अतः उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./11573/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11573
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220D0020A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NARAYAN DAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O DHURIYAMAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. **श्री विजय पंजवानी- पिता स्व. श्री परमानंद पंजवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती 2. **श्री सुदामा मल पंजवानी- पिता स्व. श्री नारायण दास पंजवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./11492/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11492
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235C00068** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **J.K. JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HERA LAL JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री प्रेम रतन श्रीश्रीमाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- श्री प्रकाशचंद श्रीश्रीमाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11449/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11449
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227S00683** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BINOD KUMAR AGRAMODI** पिता/पति श्री/श्रीमती **BHAGIRATHI PRASAD AGRAMODI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती तारा देवी नत्थानी** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति- श्री मदन गोपाल जी नत्थानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11389/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11389
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227S00757** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ S/O SHANKAR PRASAD, PRAKASH S/O DINESH** पिता/पति श्री/श्रीमती **.........** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री मनोज गुप्ता** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता- स्व. श्री जगमोहन गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11451/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11451
वार्ड का नाम- 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR332A00080** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ATUL GUPTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **K.S. GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती विनिता जैन** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति- श्री स्नेह जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11392/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11392
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227R00114** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHATRUHAN SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **RAM KRISHNA SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **स्वीट होम थ्रो पार्टनर द्वारा भागीदार तापड़िया रियल्टर्स प्रा.लि. डायरेक्टर- श्री सुनील कुमार तापड़िया** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता- श्री सुरेश चंद्र माहेश्वरी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **बिक्रीनामा मलमा एवं शपथ संलग्न**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल आवास योजना **सेजबहार,** रायपुर में निर्मित **भवन क्र. एल.आई.जी.-933, श्री अरविंद शुक्ला पिता श्री दिनेश कुमार शुक्ला,** पता- करबला रोड, कुम्हारपारा, बिलासपुर (छ.ग.) के नाम पर भवन 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के आदेश क्र.-**1470** दिनांक **11.02.2015** द्वारा आबंटित है, उक्त भवन को **फ्री-होल्ड** के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका **फ्री-होल्ड** संपरिवर्तन किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को भवन का **फ्री-होल्ड** किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./11579/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11579
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F00613** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHARDA DHANGAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHESH DHANGAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ARCHANA BAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O CHAITANYA PRASAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./11533/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11533
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G01026** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **S.K. AHMED** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S.K. NIJAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **WAJID KHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SAJID KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./11495/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11495
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652H00239** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RINA OJHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GAUTAM KUMAR OJHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NIKHAT JAHAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O MOHAMMAD RIZWAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./11581/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11581
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652B00398** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BALI NAYAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. RAJESH NAYAK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NURUDDIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O NASIRUDDIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11316/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11316
वार्ड का नाम- 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331G00043** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. SUMAN MISHRA** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. DEVESH DUTT MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SATISH KUMAR MANDAL S/O PRAKASH MANDAL 2. SHILPY MANDAL W/O PRAKASH MANDAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **.........** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /11604/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 17-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11604
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C0767A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAURI TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMIT TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAMEER JOSHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHARAD JOSHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि मेरे पक्षकार गोटविन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा **डायरेक्टर विजय अहिरवार** उम्र 40 वर्ष, **पिता श्री नीलकंठ अहिरवार**, पता C2-101, ब्लॉक C, पहला माला, VIP करिश्मा खम्हारडीह रोड, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) ने **श्री दुर्गेश कुमार साहू**, निवासी मौली पारा तेलीबांधा रायपुर तहसील- रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.) के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि वाके मौजा ग्राम- बरौदा, रा.नि.मं. धरसींवा एक तहसील- रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.) जिसका खसरा नं 9/6 रकबा 0.3560 हेक्टेयर, खसरा नं 17/2 रकबा 1.0520 हेक्टेयर, खसरा नं 17/3 रकबा .0.5260 हेक्टेयर कुल खसरा- 3 कुल रकबा 1.9340 हेक्टेयर विक्रय अनुबंध पत्र के माध्यम से क्रय करने हेतु बयाना राशि अदा कर सौदा कर लिया है। उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, वित्तीय संस्थान, बैंक, सोसायटी, शासकीय अर्द्धशासकीय विभाग को कोई आपत्ति हो अथवा पूर्व में कोई अनुबंध पत्र निष्पादित हो तो वह इस प्रकाशन के पंद्रह (15) दिवस के अंदर मेरे निम्न पते पर लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ व्यक्तिगत रूप से अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत करें, अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त डुप्लेक्स का विक्रय पत्र अपने हक में पंजीकृत करवाने हेतु स्वतंत्र होगा व उक्त समयावधि के पश्चात कोई दावा, आपत्ति मान्य नहीं होगी।

अधिवक्ता राजेंद्र पटेल,
केनरा बैंक भवन, कांग्रेस भवन के सामने,
गाँधी मैदान, रायपुर (मोबाइल 99261-28407)

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि मेरे पक्षकार गोटविन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा **डायरेक्टर विजय अहिरवार** उम्र 40 वर्ष, पिता **श्री नीलकंठ अहिरवार,** पता C2-101, ब्लॉक C, पहला माला, VIP करिश्मा खम्हारडीह रोड, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) ने **श्रीमती सरस्वती साहू पति दुर्गेश कुमार साहू,** निवासी मौली पारा तेलीबांधा रायपुर तहसील- रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.) के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि वाके मौजा ग्राम- बरौदा, रा.नि.मं. धरसींवा एक तहसील- रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.) जिसका खसरा नं 9/4, कुल रकबा 0.1620 हेक्टेयर विक्रय अनुबंध पत्र के माध्यम से क्रय करने हेतु बयाना राशि अदा कर सौदा कर लिया है। उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, वित्तीय संस्थान, बैंक, सोसायटी, शासकीय अर्द्धशासकीय विभाग को कोई आपत्ति हो अथवा पूर्व में कोई अनुबंध पत्र निष्पादित हो तो वह इस प्रकाशन के पंद्रह (15) दिवस के अंदर मेरे निम्न पते पर लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ व्यक्तिगत रूप से अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत करें, अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त डुप्लेक्स का विक्रय पत्र अपने हक में पंजीकृत करवाने हेतु स्वतंत्र होगा व उक्त समयावधि के पश्चात कोई दावा, आपत्ति मान्य नहीं होगी।

अधिवक्ता राजेंद्र पटेल,
केनरा बैंक भवन, कांग्रेस भवन के सामने,
गाँधी मैदान, रायपुर (मोबाइल 99261-28407)

तीस साल का आपका साथ और यह तेरह दिन बहुत कठिन है जीवन की राह, कोई मंत्र दे दे उन्हें भूल जाएं

आपका अचानक जाना झकझोर गया मैंने पढ़ा है भोग भूमि में जीव झींक आने पर या जमहाई लेने पर पर्याय परिवर्तित कर देते है। वैसा ही मैंने आपके साथ देखा। दर्द हुआ भगवान का नाम लिया और चले गये। आपके जाने के बाद किसी ने कहा आपको नजर लग गई, कोई कह रहा उस दिन बहुत चल लिये कोई ने कहा बहुत बोल लिये, मेरे मन में भी बहुत उथल पुथल थी काश ऐसा होता तो ऐसा नहीं हो पाता।

वो बात नहीं करते वो चलते नहीं

फिर जैसे आपने मेरे कान में आकर कहा ध्यान करो वह दिन सुबह से बहुत प्रसन्न थे आपने सपने में आचार्य विद्यासागर जी की बहुत वैयावृत्ति की थी नजर तो सुबह से ही आचार्य श्री से मिल गई थी फिर तैयार होकर करगुवां जी चले गये। बड़े बाबा की शान्ति धारा देखी सामायिक करी नजर तो आपकी बड़े बाबा से मिल गई थी नजर आपको कैसे लग सकती थी। चले तो देवदर्शन को चले यह चरण तो आपके सार्थक हो गये। दिन भर बोले तो भी परोपकार की बात करें अतिथियों का सम्मान करा आपकी अन्तिम इच्छा बड़े बाबा का मंदिर चमक जाये। स्वाध्याय सभा रोज लगने लगी। जीयो तो हर पल ऐसे जियो जैसे कि आखिरी हो उस दिन आपका ऐसा ही दिन रहा। मुझसे भी बच्चों के भविष्य के बारे में अच्छी चर्चा करी। आपको जब भी समय मिलता आप यह गाना हमेशा सुनते थे-

''ओ नदिया चले चले रे धारा, चन्दा चले चले रे तारा, तुझको चलना होगा, तुझको चलना होगा''

आज यह बात समझ नहीं आ रही स्वयं सुनते थे या मुझे सुनाते थे कहते है कि व्यक्ति किस पर्याय से आया उसे किस पर्याय में जाना है उसकी चर्या से पता चलता है। आप बहुत ही अल्प आहारी संतोषी मृदुभाषी आपको यदि कोई बाहर का व्यक्ति भोजन परोसे तो आश्चर्य करता दो टाइम भोजन और इतना कम संतोषी इतने कि भोजन में नमक मिर्च ना डालने पर भी शान्ति से भोजन करना। जब स्वयं भोजन करते थे तो पता चलता था कि इन्होंने कैसे कर लिया मृदुभाषी वो ऐसे जो भी प्यार से मिला हम उसी के हो लिये। परिवार हो या समाज सभी को अपना बनाने की कला थी आपमें। अतिथि सत्कार में बहुत आनन्द आता था। आपकी वेशभूषा ऐसी साक्षात इन्द्रो जैसी मुकुट माला पगड़ी धोती अलग पहनावा आत्म विश्वास इतना कि हजार के बीच में भी अलग ड्रेस पहने तो यह ना सोचे कि कोई क्या कहेगा। आपके दिन का अधिकांश समय प्रवचन सुनने में निकलता। आप दो तीन घंटे प्रवचन सुनते तो आजूबाजू लोगों को कहना पड़ता आवाज कम कर लो या चैनल चैंज कर दो। जब भी रात में बारह एक बजे नींद खुलती तो देखती हॉल में प्रवचन सुन रहे हैं मैं कहती यह कौन सा समय है प्रवचन सुनने का। कहते दिन में टाइम नहीं मिल पाता है हमेशा यह कहना समय कम है काम अधिक है। स्वाध्याय उनका बहुत अच्छा था। उनका कहना था काल बहुत खराब है और अधिक निकृष्ट काल आने वाला अपना लोटा छानो और जल्दी से निकल लो। मैं आपकी बात का अर्थ नहीं समझ पाई जिन्दगी में सबसे बड़ी पूंजी उनके साथ उनका चरित्र था। उनके चरित्र के बारे में क्या लिखूं मैं निशब्द हूं। मेरे शब्द पंगू हो गये है। उस चरित्रवान व्यक्तित्व के लिये उनके चरणों में कोटि-कोटि बार नमन करती हूं, वन्दन करती हूं। मैं उनसे कहती भविष्य में मुझे दीक्षा लेना है तो वे हमेशा यह कहते दीक्षा तो जोड़ी से लेंगे आप जो कहते थे उसे पूरा भी करते थे इस भव में ना सही अगले भव में दीक्षा तो आपको मेरे साथ जोड़ी से ही लेनी पड़ेगी। मुझे ऐसा लगता था कि भगवान के इतने पास आ गये पारिवारिक जिम्मेदारी भी कुछ समय की है आज ऐसा लगा इससे भी बहुत उत्कृष्ट जगह आपका इन्तजार कर रही थी। आप 50-55 साल में भी 100 साल का काम कर गये। एक बार एक वैद्य जी को नाड़ी दिखाकर आपने पूछा ऐसा औषधि दो सुबह जल्दी उठ जाये उसने कहा आप स्वस्थ हो कोई औषधि की जरूरत नहीं लेकिन दस व्यक्ति का काम एक व्यक्ति करेगा तो आराम चाहिये मैंने उन्हें बारीकी से देखा है उनका पूरा जीवन सत्संगमय था।

गृहस्थाश्रम रहकर ऐसा जीवन घर में रहकर वैरागी थे वो मुझे विश्वास है आप इस समय नंदीश्वर दीप जिनालय में भक्ति कर रहे होंगे।

उच्च कुलों में पैदा होना
सुख साधन सब पा लेना
सुन्दर देह भाग्य ीी उत्तम
धन वैभव भी पा लेना
मोक्ष माग के लायक ये सब
पुण्य फलों को ना मानू
भक्ति करन का मन यदि होता
पुण्य फल रहा मैं जानूं

मैं हमेशा उन्हें कहती इतना अच्छा बोलते हो कुछ बोलना सिखा दो, इतना अच्छा लिखते हो, कुछ लिखना सीखा दो।

मौन रहकर हंसना उनकी आदत थी आज ऐसा लगा जैसे जाते-जाते कलम पकड़ा गये।

बच्चों की मां
''डॉ. राखी जैन''

श्री पद्मप्रभ भक्त परिवार, लाभांडी, रायपुर छत्तीसगढ़

विगत माह आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधि के उपरांत लाभांडी मंदिर रायपुर में श्रद्धांजलि सभा का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते हुए श्री प्रवीण जैन एवं अन्य गणमान्य समाजश्रेष्ठी जन।

श्रीमती देवी जैन (माताजी)
श्रीमती डॉ राखी जैन (धर्मपत्नी)
श्री प्रदीप कुमार जी जैन (भाई)
श्री आलोक कुमार जी जैन (भाई)
एवम् समस्त दैनिक विश्व परिवार झाँसी/रायपुर।

यह नियति अत्यंत कठोर एवम मानवीय संवेदनाओं से परे है,जीवन प्रकृति के नियमों के अधीन है व परिवर्तन संसार का नियम है । मृत्यु शाश्वत सत्य है यह जानते हुए भी हमें अपने प्रिय जनों के वियोग का दुख होता ही है। निश्चित ही अत्यंत पीड़ा दायी एवं दुखद क्षणों का अनुभव हुआ जब यह स्तब्ध कर देने वाला समाचार प्राप्त हुआ कि कर्मठ,धर्म परायण, संस्कारवान,देव शास्त्र गुरु के प्रति समर्पित निष्ठावान कीर्तिशेष श्री प्रवीण जैन,प्रधान संपादक, दैनिक विश्व परिवार,झांसी उ.प्र. का देवलोक गमन हो गया।संपूर्ण भारत की जैन एवं जैनेतर समाज के लिए यह अपूरणीय क्षति है।

स्व.श्री प्रवीण कुमार जी जैन आपके द्वारा परिवार,देश,धर्म तथा समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व एवम कर्तव्यों का पूरी निष्ठा एवं सजगता से आजीवन निर्वहन किया गया। पूज्य, आचार्य गुरुवर, साधु परमेष्ठी, आर्यिका माताजी के विहार, आवास ,चतुर्मास में सदैव अग्रणी रूप से सेवाएं देते रहे।आपके द्वारा झांसी के समीप साधूओं के विहार मार्ग पर वसतिका (विश्राम भवन) भी दान स्वरूप दिया गया। छत्तीसगढ़ रायपुर में निवासरत आपके भ्राता श्रीमान प्रदीप कुमार जी जैन के निवास,शंकर नगर,रायपुर में जब भी आपका आना हुआ आप हमेशा श्री पद्मप्रभ दिगंबर जैन मंदिर,लाभांडी,रायपुर में पधारकर हमेशा धार्मिक क्रियाओं शांति धारा, अभिषेक, विधान आदि में भाग लेते थे। गुरुओं के प्रवास के दौरान भी कई बार आपका साथ हम सभी को मिला। समाधिस्थ आचार्य 108 विद्यासागर जी महाराज के लाभांडी मी विनयांजलि कार्यक्रम में आपके द्वारा पूज्य आचार्य भगवन के चरणों में ओजस्वी वक्तव्य द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

आपके परिवार में आपके भतीजे चिरंजीव प्रसंग संग सौ. प्रतीक्षा के आदर्श पाणिग्रहण संस्कार चक्रवर्ती विवाह के समय आपके साथ व्यतीत क्षण आज भी हम सभी के मानस पटल पर अंकित हैं।

यद्यपि आज आप भौतिक रुप से हम सभी के बीच नहीं है फिर भी हम सभी के हृदय में आप सदैव जीवंत रहेंगे।

समाधिस्थ आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर जी महामुनि राज के मंगल आशीर्वाद से विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं जैसे श्री दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र करगुवां जी झांसी में ट्रस्टी के रूप में सेवाएं देते हुए जैन धर्म की अद्वितीय प्रभावना के पुरोधा रहे। अनेकानेक जैन साहित्य,शास्त्रों, ग्रंथों के प्रकाशन का सौभाग्य अर्जित कर आप श्री के द्वारा जिन धर्म का प्रचार प्रसार किया गया।आप श्री के धर्म के प्रति उत्कृष्ट आचरण,देश व समाज के प्रति विलक्षण प्रेम एवम समर्पण का उपकार हम सभी कभी भूल नही पाएंगे।

श्री पद्मप्रभ दिगंबर जैन मंदिर लाभांडी,रायपुर, पदमप्रभ भक्त परिवार लाभांडी रायपुर की ओर से दिवंगत भव्य आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जिनेंद्र भगवान से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत भव्य आत्मा का मोक्ष मार्ग प्रशस्त हो एवम श्री चरणों में स्थान प्राप्त हो। समस्त परिवार जन उनके द्वारा स्थापित आदर्शों एवं सिद्धांतों का जीवन पर्यंत अनुसरण करते हुए धर्म मार्ग पर अग्रसर हो और इस दुख की घड़ी में धैर्य संयम एवं समता से युक्त हो।

विनोद बड़जात्या
श्री पद्मप्रभ भक्त परिवार
लाभांडी, रायपुर (छ.ग.)

सफलता का राज

बात उस समय की है जब करगुवां जी में यति सम्मेलन युग प्रतिक्रमण के समय जिस दिन आचार्य विरागसागर और आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज की निरन्त राय आहार चर्या श्री कैलाश चन्द्र जी जैन जो श्रम जीवी पत्रकार युनियन उ.प्र. के अध्यक्ष रहे, के घर सम्पन्न हुई। तब हमने श्री प्रवीण कुमार जी जैन जीजा जी से कहा कि आपके जीवन में आपकी सफलता का राज क्या है? तब तब उन्होंने बड़ी ही सरल व मृदुभाषा में कहा कि जब हम कोई भी कार्य करने जाते है तब जिस मां की अंक शयया में लेट कर हमने दुग्ध का स्तनपान किया। उनके चरणों को मन मस्तिष्क में स्मरण कर नमन करते है तो हमारे समस्त कार्य खुद ब खुद सम्पन्न होते जाते है। इस संस्मरण के संबंध में किसी कवि की यह पंक्तियां उल्लेखनीय है-

अर्थ का अनर्थ करने पर सब व्यर्थ हो जाता है
स्वार्थ रहित पुरूषार्थ से असमर्थ समर्थ हो जाता है
साधन रहित साधना में कैसे भी कठिन परीक्षा हो
माता का नाम सुमरते ही अभ्यर्थ सिद्ध हो जाता है।

अनीता बहिनजी
ललितपुर

सुवह किया मेरा अभिनन्दन, शाम को कह दिया अलविदा!

दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक, समाज सेवी श्री प्रवीण कुमार जैन का आकस्मिक निधन दिनांक 05.05.2024 रविवार की रात्रि को हो गया।

निधन का समाचार सुनते ही सभी लोग स्तब्ध रह गए। अचानक यह निधन जैन समाज के लिए ही नहीं अपितु मानवता के लिए अपूर्तिनीय क्षति है। आप जैनेतर समाज में भी लोकप्रिय थे तथा अनेक संस्थाओं से जुड़े थे। आप बहुत ही विनम्र, मिलनसार, सरल स्वाभाव के धनी तथा देव-शास्त्र-गुरु में आस्था रखने वाले मुनि भक्त युग पुरुष थे। सभी वर्ग के लोगों के साथ मिल जुलकर चलना आपका स्वभाव था। आपने अपने जीवनकाल में सदैव धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। आपने अपने जीवन में कभी पीछे

मुड़कर नहीं देखा, **चलना ही जिंदगी है** को अपने जीवन में सार्थक किया। आपने अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ा है। आप श्री दिगम्बर जैन महासमिति छत्तीसगढ़ के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पत्रकार श्री प्रदीप कुमार जैन के अनुज थे। कुरगवां जैन मंदिर परिसर में आपने मेरा 5 मई को भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात आप अपने निवास पर ले गए। अपने आवास पर भी आपने स्नेह से परिपूर्ण भव्य स्वागत सत्कार किया, साथ बैठकर नास्ता किया। राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुझे नहीं पता था कि श्री प्रवीण कुमार जैन से मेरी यह अंतिम मुलाकात है। आपके अधूरे कार्यों, सपनों को हम तथा हमारी महासमिति पूरा करेगी तथा उन अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाएगी। मैं स्वयं तथा श्री दिगम्बर जैन महासमिति के समस्त पदाधिकारीगण, सदस्यगण आपके निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हैं तथा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा भगवान जिनेन्द्र देव से प्रार्थना करते हैं कि वह दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं शोक संतप्त परिवार को यह दारुण दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इस दु:ख की घड़ी में समस्त जैन परिवार आपके परिवार के साथ है।

-डॉ. मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिगम्बर जैन महासमिति।

विश्व परिवार मंदिर का कलशा चोरी हो गया
उसे चुराने वाले हे यमराज तुम्हीं तो नहीं हो ?

प्यारे बेटे प्रवीन, कभी कल्पना भी ना थी की तुम यूं चले जाओगे। मैं कहा करती थी अमित-अनु तो मोही है, तुम मेरी अच्छे से समाधि मरण करा देना। तुम कहते थे, चाची चिन्ता मत करो। मैं न जानती थी कि तुम इतने निर्मोही निकलोगे कि सभी से मोह तोड़ कर चले जाओगे। मेरे हर प्रश्नों का उत्तर देना, मुझे व्रतों के प्रति सावधान रखना, सभी समस्याओं के समाधान थे।

तुम कहीं भी जाओ, दिल से ना जा पाओगे।
हृदय मन्दिर के कलश हो, हृदय में ही समाओगे।।

तुम्हारी चाची-**पुष्पा**

अगर आसमां तक मेरे हाथ जाते तो हम अपने भाई को वापस ले आते

मेरे प्यारे भाई प्रवीण का अचानक चले जाना जैसे कि कोई भयानक सपना था जिसे मैं बार-बार सोच-सोच कर घबरा ही जाती हूं। जैसे विश्वास करूं इस अनहोनी पर यकीन ही नहीं आता कि जिस भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिये झांसी दौड़ी-दौड़ी चली आती थी। आज उससे अन्तिम विदाई देने के लिये दौड़ी चली जा रही हूं। चार दिन पहले की बात है मैं झांसी में उनसे मिलकर 10 दिन रहकर गई थी पर अचानक 5 तारीक को रात करीब 10 बजे एक फोन ने मेरी दुनिया ही जैसे समाप्त हो गयी हो। आपको नजर भर के देखने से जो सब मिलता था वो सुकुन दिल ढूंढता है। आपकी मुस्कान आपका हंसता हुआ जो चेहरा बहुत याद आता है।

आपका अपना मानकर सब कुछ समझाना बहुत ही शान्ति देता था हे ईश्वर हम सभी को परिवारजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें और भाई को सद्गति को पारस वावा से बारंबार प्रार्थना करती हूं।

''जैसा सोचो वैसा होता कहां है
जैसा चाहो वैसा मिलता कहां है
ये जिन्दगी की रीत है ये किस्मत का खेल है
इस पर जोर किसी का चलता कहां है''

भगवान सद्गति प्रदान करें।
भगवान से यही प्रार्थना के साथ

बड़ी बहिन- सरोज जैन

मेरे अनुजवत् प्रिय प्रवीण,

कहते हैं, मनुष्य को स्वस्थ्य रहने के लिए भोजन में सभी रसों की आवश्यकता होती है। मीठा, खट्टा, नमकीन, तीखा, कड़वा और कषायला। इनमें से एक भी रस भोजन में न हो तो भोजन रुचिकर नहीं रह जाता और ऐसे में मीठे रस का भोजन में पूर्णत: अभाव होने पर भोजन में रस ही कहां आता है। परिवार में भी ऐसे सभी रसों का स्वाद आता है। ऐसे ही मधुर स्वभाव के धनी, जो अपने व्यवहार पक्ष से सभी के मन को रस से भर देते थे, सौम्य मुस्कान से सबको अपना बनाने वाले परिवार के उस अंश का यूं ही अचानक विलुप्त हो जाने से सारे रस, नीरस से लगते हैं।

कर क्या सकते हैं, कर्मों का खेल ही ऐसा है किन्तु व्यक्ति का अभाव हो भी जाए तो भी उसके व्यक्तित्व की खुशबु सदैव मन को महकाती रहती है। वे कहीं भी रहे उनकी स्नेहिल स्मृति, उनके जीवन का उच्च आचरण, धर्म के प्रति आदर-सम्मान रुचि, कटि बद्धता हमेशा हमारे मन मस्तिष्क पर छाए रहेगी। उनके स्वभाव से ये अनुमान लगाया जा सकता है कि वे निश्चित ही उच्च गति में गतिमान हुए हैं। ऐसे व्यक्तित्व को खोने से परिवार में अपूर्ण क्षति हुई है जिसे कोई कभी पूरा नहीं कर सकता।

श्री सुरेश त्रिलोक चंद जैन (जीजा जी, नागपुर)

हमारे बड़े भाईसाहब बहुत ही धार्मिक निडर और सामाजिक कार्यों को करने में पहले नंबर पर रहते थे । उन्होंने काफी कम समय में अपनी पहचान बुंदेलखंड फिर अपने राज्य में और देश के विभिन्न जगहों से लोग उनको जानते थे और अनेक संस्थाओं में उनको जोड़ देते थे । लोग उनकी क्षमता को जानते थे वे कोई भी बड़ा से बड़ा काम अकेले बहुत आसानी से कर देते थे ।

घर का व्यक्ति हो चाहे बाहर का हो वे सबके बारे में सोचते थे किसी का काम नही चलता तो उनको सुझाव देते और उनकी मदद करते और कहीं फोन करना है तुरंत लोगों के काम करा देते थे।

उनको हमेशा ही किसी काम में व्यस्त देखने की आदत थी वे कभी भी खाली नहीं दिखतें थे थोड़ा भी समय मिलता तो स्वाध्याय करते मंत्र जाप करते रहते और जिनेन्द्र भगवान का स्मरण करते रहते।

उन्हें मुनियों एवम माताजी की सेवा करने में बड़ा ही आनंद आता था ओर घंटो तत्व चर्चा करते रहते।उन्हें कोई भी बड़ा से बड़ा नियम दिलाने पर आसानी से ले लिया करते थे। वे हमेशा ही धर्म के रास्ते पर चलने वाले थे।

अंत में ये ही कहूंगा उनके बारे में जितना भी बोले कम ही है उनके जैसा व्यक्तिव मिलना असंभव है उनके बताए हुए रास्ते पर हमेशा सभी चले और उनकी इच्छाओं को पूरा करने की कामना करते हैं।

-डॉ जयेश जैन- डॉ संचिता जैन

हमें छोटा ही रहने दो.... भैया आप लौट आओ

परिवार हो अथवा समाज कोई भी व्यक्तित्व जब इस संसार से विदा लेता था तो उसे आप अपनी कलम से जीवंत कर देते थे ।

आज जब आपके ही बारे में लिखने के लिए बैठा हूं तो शब्द बौने नजर आ रहे हैं। प्रिय भैया अब आपके बिना कैसे रह पाऊंगा, घर में छोटा रहा तो कभी किसी चीज की जिम्मेदारी का अहसास तक नहीं हुआ, पूज्य पापा जी के जाने के बाद आपने कभी उनकी कभी महसूस नहीं होने दी, छोटा कार्य हो अथवा बड़ा आप सहज भाव से कहते थे चिंता मत करो सब हो जाएगा।

पता नहीं क्या जल्दी थी आपको जाने की, जब आपको अस्पताल ले जा रहा था तो आप लगातार ओम ह्रीं अर्हम नम: का उच्चारण कर रहे थे तव मुझे तनिक भी एहसास नहीं था कि मैं आपको वापस नहीं ला पाऊंगा।

अब कैसे मानेगी बहनों की राखी जब हम सभी भाई एक साथ बैठकर

कलाइयों को राखी से सजवाते थे, कैसे बनेगी दिवाली जिसमें आप सबसे पहले पगड़ी पहन कर तैयार हुआ करते थे । कोई भी धार्मिक आयोजन आपके बिना सूना है। पूज्य शादी संतों के पास तो आपका नाम लेकर ही यथा योग्य अभिवादन कर हम अपनी पहचान कराते थे ।

आप तो अचानक देव लोग गमन कर गए और हम ना चाहते हुए भी बड़े हो गए। भैया हमें बड़ा नहीं होना आपके बिना नहीं रहना हमें छोटा ही रहने दो..

काश आपका जाना स्वप्न जैसा हो जाए और आप लौट आए काश....

आपका
-आलोक

हमेशा मेरी प्रेरणा रहेंगे आप

मौसाजी आपके के चले जाने से हम सबके दिल में एक खाली जगह रह गई हैं। मैं आपसे जब जब भी मिलती थी मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलता था चाहे वो धर्म के बारे में हो या जिंदगी के बारे में। आपने हमेशा हम सभी बच्चों को धर्म के मार्ग पर चलना सिखाया है। आप एक बहुत ही अच्छे और सच्चे पत्रकार थे ,और मैं चाहती हूं की मैं भी बड़े हों के आपके जैसे ही एक बहुत बड़ी पत्रकार बनू, मौसाजी आप मेरी प्रेरणा है, और हमेशा रहेंगे।

-आपकी पूर्वी

''चंदा मामा से प्यारे मेरे मामा''

जब मैं अपने मामा के लिए लिखने बैठी तो ऐसा लगा कि वर्णमाला के शब्द कोश, भी उनके गुणों का व्याख्यान नहीं कर सकते। इतने गुणी मामा पाकर मेरा जीवन धन्य हो गया था। सोचा न था कि मैं अपने प्यारे मामा अब कभी नहीं देख पाऊंगी, उनकी यादों और उनके प्यार को मै इस जन्म में तो क्या जन्मो-जन्मो तक भुला ना पाऊंगी। **आपकी भांजी- अर्चिता**

देव शास्त्र गुरू के उपासक एवं न्यायप्रिंय थे भतीजे प्रवीण

देवशास्त्र एवं गुरूओं के अगाध श्रद्धा एवं विश्वास रखने वाले विलक्षण, प्रतिभा, बहुआयामी व्यक्तित्व एवं दूर की सोच रखने वाले आत्मचिंतन, स्वाध्याय, में निरन्तर रत रहने वाले सभी भावनाओं के साधु संतों एवं मुनिराजो को सम्मान सजग रहते हुये समाज को भी इन कार्यों हेतु प्रेरित करने वाला निडर, निर्भीक, साहसी गंभीर एवं न्यायप्रिय गुणों के कारण, देवशास्त्र गुरू, समाज की सम्पत्ति अथवा आगम विरूद्ध कार्य करने वालो के प्रति कार्य करते हुये उनके विरूद्ध चट्टान की तरह खड़े रहने वाले अपनी वाक शक्ति विचारों एवं शब्दों के चयन से साधुओं, अधिकारियों एवं समाज के हर वर्ग को प्रभावित एवं मंत्रमुग्ध करने वाले अत्यन्त व्यस्त होते हुये भी अपने घर, परिवार, रिश्तेदारों के साथ ही जैन समाज, जैनेन्तर

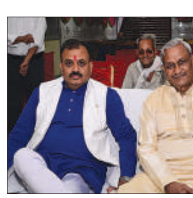

समाज, सामाजिक, वैवाहिक कार्यक्रमों में बढ-बढ़ कर सहभागिता करने वाले अपने इन्हीं गुणों के कारण उन्हें आचार्य श्री विद्यासागर जी, श्री विरागसागर जी, आ. श्री विशुद्धसागर जी, मुनि श्री सरल सागर जी, भटटारक जी, आर्यिकागणिनी ज्ञानमती माता जी, आर्यिका पूर्ण मति माता जी सहित देश के लगभग सभी संतों का आशीर्वाद प्राप्त था।

इनके आशीर्वाद से श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र करगुवां जी में आचार्य श्री विराग सागर जी के सान्निध्य में रहते यति सम्मेलन टोड़ी फत्तेहपुर, कारीटोरन, नवागढ़ आदि क्षेत्रों में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव कार्यक्रमों के अध्यक्ष एवं महामंत्री पदो पर रहकर वहां की समस्याओं, व्यवस्थाओं को कुशलता पूर्वक निराकरण किया।

श्री दि. जैन समाज झांसी की कमेटी मैं विभिन्न पदों पर रहकर साधु संतों के भव्य एवं प्रभावक चार्तुमास सम्पन्न कराने आर्यिका रत्न पूर्णमति माता जी के चार्तुमास के समय की करगुवां जी में 71 फिट ऊंचे मंदिर जी का निर्माण, पक्षियों का अस्पताल आदि कार्य कराये।

श्री श्री पावागिरि शिक्षण संस्थान, भगवान महावीर लोक कल्याण समिति के सहित अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी रहे।

उनके निरन्तर आत्म चिन्तन एवं धर्म में लीन रहने के कारण ही अन्त समय में हॉस्पिटल ले जाते समय वे लगातार मंत्रों को जाप करते रहें एवं जैसे ही मैं वहां पहुंचा बोले चाचा णमोकार मंत्र सुनाओं में चि. प्रियेश उन्हें णमोकार मंत्र सुनाते रहे। मंत्र को सुनते तथा स्वयं भी उनका उच्चारण करते हुये समाधि पूर्वक अपनी जीवन यात्रा पूर्ण की। ऐसी भव्य आत्मा को मेरा शत-शत् नमन।

-डा. जिनेन्द्र जैन (चाचा)

माँ की कलम से

"चिट्ठी न कोई संदेश जाने वो कौन सा देश, जहाँ तुम चले गये, इस दिल को लगा के ठेस जाने वो कौन सा देश जहाँ तुम चले गये"

बेटा दिन 5 मई का था जब सुबह से बैचेन हो रही थी कि बेटा से मिलने जाना है, ऐसा मन में बार-बार आ रहा था पर, पैरों ने साथ न दिया और जगह पर ही बैठी रह गयी, सोच रही थी कि कैसे जाऊँ। चार दिनों से मिली ही नहीं, सोचती ही रह गयी।

क्या पता था कि बेटे से मिलन अब न कर सकूंगी।

बस पूरे दिल से आशीर्वाद है कि मेरा बेटा जहाँ भी हो धर्म के मार्ग में आगे बढ़े और मोक्ष की प्राप्ति करें।

इन्हीं दुआओं के साथ

-श्रीमती देवी मात श्री

भाभी माँ की तरह परिवार में देते थे स्नेह

लगभग 40 वर्ष पीछे जाऊँ, तो उस दिन की अमिट यादें हमेशा ज़हन में रहती हैं जब इस घर में बड़ी बहू के रूप मैं मेरा प्रवेश हुआ था। बड़े लालाजी, बड़े चाचाजी के साथ बहुत ही ज़्यादा सम्मान और स्नेह के साथ अपनी भाभी के रूप में मुझे इस परिवार के लिए पसंद करके लाये थे। तबसे लेकर उनके अंतिम समय तक उन्होंने मुझे सिर्फ़ भाभी नहीं बल्कि भाभी माँ की तरह परिवार मैं स्थान दिया है।

मेरी शादी के समय तो वो मात्र 14-15 वर्ष के होंगे पर उनमें बड़प्पन की ज़रा भी कमी नहीं थी। हर सुख दुख मैं मेरा, बच्चों का और परिवार का ध्यान रखना और हमें धर्म से जोड़े रखना, ये उनका सर्वश्रेष्ठ गुण था। यूं तो मेरे लिये भाई बहन जैसे ही थे सारे देवर और नन्दें, पर लालाजी से कुछ अलग ही अपनापन था। उनसे हंसी मज़ाक़ में अपने मन की सारी बातें कहना बहुत ही सहज़ था, और तो और कभी अगर उनको मैं डाट भी देती थी तो कभी पलटकर जवाब देने की भावना से उन्होंने मुझसे बात नहीं की बल्कि हमेशा मेरी बातों का सम्मान रखा।

वो भावुक इतने थे कि मेरे घर से निकलते ही हमेशा आँखों मैं आँसू ले आते थे। हर बार की तरह 24 अप्रैल को भी जब हम लोग रायपुर के लिये रवाना होने लगे तब भी हम दोनों फूट फूटकर रो रहे थे। .इस बात का मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि मैं सिर्फ़ झाँसी से कुछ दिन के लिये विदा हो रही थी और वे हमारी दुनिया से ही विदाई लेने की तैयारी कर रहे थे।

कहने को बातें इतनी सारी हैं कि शायद अगले 40 वर्ष और देने होंगे पिछले 40 वर्षों के साथ को बताने के लिये।

ईश्वर करे ऐसे देवर सबको मिलें। ऐसी और भव्य आत्मा इस धरती पर आकर स्वपर कल्याण करें। भावनाएँ बहुत हैं, शब्द कम। उनके बिना परिवार सूना है।

और मुझसे बेहतर कोई नहीं जानता कि उनके बिना उनके बड़े भाई ठीक उसी तरह अधूरे हैं जैसे लक्ष्मण जी के बिना श्री राम।

अश्रुपूर्ण श्रद्धांजली

आपकी बड़ी भाभी

-मीना जैन

"जीवन में कभी जो उलझी।
उन्होंने हर उलझन सुलझाई थी।।
मेरे पिता की वो परछाई थे।
वो हमारे प्यारे प्रवीण भाई थे।।"

28 अप्रैल 2024 की बात है मम्मी से फोन पर बात की पूछा आप कैसी है, प्रवीण भईया कैसे है। उन्होंने कहा अब सभी अच्छे है, लो भईया से बात करो, जैसे ही उन्होंने फोन लिया तो पूछा कैसी हो चुनियाँ? मैंने कहा अच्छी हूं अब आपका स्वास्थ्य कैसा है? उन्होंने कहा अब हम पहले से अच्छा महसूस कर रहा हूं सभी बहने आयी है तुम भी आ जाओ मैंने कहा कि बस जल्दी ही आती हूं तो उन्होंने फिर कहा हॉ जल्दी आ जाओ। उनकी बात सुनकर मैं रो पड़ी ऐसी बात और ऐसा ऐहसास इसके पहले मैंने कभी अनुभव नहीं किया था। बस मैंने उनसे कहा आप अपना ध्यान रखना जल्दी ही आऊंगी, नहीं मालूम था कि ये बात मेरी प्रवीण भईया से आखरी बार हो रही है, मन बहुत दु:खी है। हमने अपने प्यारे भाई को असमय ही खो दिया। ये ऐसी अनहोनी तो कभी सपने में भी नहीं सोची जा सकती थी। जैसे ही अपने प्रिय भतीजे प्रियेश से सुना कि उन्होंने अन्त समय में प्रियेश को बुलाकर नमोकार मंत्र को सुना और स्वयं भी ऊँ अहमं नम: की ध्वनि लगातार बोलते रहे। ये सभी बातें सुनने के बाद ये तो स्पष्ट हो गया कि जिस तरह उन्होंने अपने जीवन को धर्ममय तरीके के साथ निर्वाह किया उसी तरह उन्होंने समाधिमरण के साथ अन्तिम सांसों को लिया और सद्गति की प्राप्ति की।

"सबसे सुंदर सुदृढ सुदीर्घ
रिश्ता है संसार का
कोई विकल्प कभी न मिलेगा
भाई-बहन के प्यार का"

आपकी छोटी बहन

-चुनियाँ (सुरूचि जैन, तुमसर)

एक पत्र world के best चाचा के नाम...

मेरे प्यारे और आदरणीय चाचा,

आशा ही नहीं बल्कि विश्वास है की आप कुशलता पूर्वक होंगे। विश्वास इसलिए है क्योंकि आप इस समय भी अपने सबसे प्रिय कार्य यानी गुरुओं की सेवा में लीन होंगे। आपने 5 मई की सुबह अपना स्वप्न चाची को बताया था कि आपने स्वयं को आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की वैयावृत्ति करते हुए देखा।

खुली आँखों से देखे हुए तो अपने ही नहीं बल्कि दूसरों के भी हज़ारों स्वप्न आपने साकार किए हैं, पर बंद आँखों से देखे हुए इस स्वप्न को पूरा करने के लिए आप इस लोक का ही त्याग कर देंगे, ये बात कुछ समझ सी नहीं आयी। हमें लगता है कि ऊपर भी कोई इतना महत्वपूर्ण कार्य चल रहा है, जिसे करने में शायद इंद्र, देव भी सक्षम नहीं हैं और वे जानते थे कि आचार्य श्री जी, किसी भी कार्य को सुव्यवस्थित तरह से अंजाम देने के लिये, झाँसी वाले 'प्रवीण जैन' पर पूर्णत: विश्वास दिखा सकते हैं। इससे बेहतर क्या मौक़ा मिलता आपको देव, शास्त्र, गुरु के प्रति अपना समर्पण दिखाने का। आप अपनी यात्रा पर निकल गये, बिना कुछ कहे। हम जानते हैं आप सकुशल हैं और प्रिय दादाजी एवं मौली बिटिया से मिलकर भी फूले नहीं समा रहे होंगे। इस दुनिया की तन, मन, धन से सेवा करने के बाद अब आप परलोक में भी अपने प्रियजनों एवं आराध्य की सेवा करके पुण्य का संचय कर रहे होंगे। पर क्या वहाँ से आपको हमारी तरफ़ देखने का थोड़ा भी समय मिला? क्या आप देख पा रहे हैं

कि जो इंसान कभी किसी का दिल नहीं दुखाता था आज वो हज़ारों लोगों को रोता और असहाय छोड़ गया है। काल का प्रभाव ना होता तो श्री राम की तरह पापा भी आपकी देह को महीनों तक गले से लगाकर रख लेते। इतना गाढ़ा स्नेह था आप भाइयों के बीच।

हम सब ठगा सा महसूस कर रहे हैं इन दिनों। आपसे ढेरों शिकायतें करने को जी चाहता है, पर ये सोचकर चुप हैं कि आप तो अपना कल्याण कर गये, हम अपने मोह में आपको दोष भी देंगे तो भी अपनी छोटी सी दुनिया में, आपको वापस नहीं ला पायेंगे। आपकी बड़ी बड़ी उपलब्धियों के बारे में कुछ कह पाऊँ तो स्याही और काग़ज़ कम पढ़ जाए। चाचा, मेरे मन को तो आपकी छोटी से छोटी बात भी छू जाती थी। आपकी लोकप्रियता इसलिये ख़ास थी क्योंकि लोकप्रिय होने से पहले आप परिवार प्रिय थे। और परिवार प्रिय होने के लिए एक अलग सा हुनर चाहिए। 'वो मेरे ख़ास थे' ऐसा हर व्यक्ति आपके लिए बोल सकता है क्योंकि हर किसी को जो अपनापन आपसे मिलता था वो अतुलनीय था। बचपन से ही मिल जुलकर रहने वाला माहोल घर में था, जिस तरह से आपने पापा मम्मी का हमेशा सम्मान किया, हमेशा हम बच्चों का ख्याल रखा, specially मुझे तो आप हर जगह अपने साथ ले जाया करते थे। मेरी शादी के बाद मेरे हाथों में शास्त्र जी और जिनवाणी देकर आपने बिना बोले ही मुझे अनेकों निर्देश दे दिये थे। आपके लिय ये सब स्वाभाविक था पर मेरे मन में एक गहरा प्रभाव छोड़ गया।

मुझे याद नहीं की मैंने कभी भी आपकी कोई भी बात टाली हो क्योंकि मम्मी हमेशा एक बात ज़रूर सिखाती थी कि बेटा, चाचा कभी भी तुम्हारा बुरा नहीं चाहेंगे। इस वाक्य को हम ज़हन में रखते थे तो अपने पराये का अंतर ही ख़त्म हो जाता था।

बहुत दुखी होता है मन, ये सोचकर की कैसे 24 अप्रैल की रात आप हाथ के इशारे से और कुछ बुदबुदाते हुए कहते रहे कि बिट्टू आज और रुक जाओ, और मैं खुदको यह कहकर तसल्ली देती रही कि चाचा, जल्दी ही वापस आऊँगी। हर किसी को आपने इशारा दिया था। पर हम सब इतने नादान निकले, आपसे दूर हो जाएँगे इस बात को गलती से भी मन में नहीं ला पाये। और सोचते भी क्यों ऐसा? अभी तो आपसे हमें कितना कुछ सीखना बाक़ी था। कितनी सारी बातें बाक़ी थी। अभी तो समाज से थोड़ा वक़्त निकाल कर घर को देना था। अभी तो हमें नए घर में नयी भाभियों का स्वागत करते समय आपको खुश होते देखना था, अभी तो ना जाने आपको कितनों के काम आना था, ना जाने कितने और नये इतिहास रचाना था।

मैंने देखा था चाचा, आपकी अंतिम यात्रा के समय, कैसे अभी आपके सर पर सुशोभित पगड़ी को बार-बार अपने हाथों से ठीक कर रहा था, मानो आपसे वादा कर रहा हो, की पापा सदैव आपकी पगड़ी की शान रखूँगा। यश से एक रोज़ जब बात हुई तो बोल पड़ा की दीदी पता ही नहीं पापा कितने कितने काम कर गये हैं। तुरंत ही मैंने जवाब में कह दिया कि यश एक बार अपनी पहचान छिपाकर बुंदेलखंड ही नहीं बल्कि देश कि किसी भी तीर्थ पर जाकर या मुनियों के बीच पहुँचकर बस प्रवीण जैन नाम का उपयोग करना, वो तुम्हें उनके बारे में इतना कुछ बतायेंगे कि तुम स्वयं पर गर्व किए बिना नहीं रह पाओगे। स्तुति भी आपका खूब नाम रोशन करेगी और हम सब भी जीवन में यदि कुछ अच्छे कार्य कर पाये तो भले ही आप सुनने को पास ना हो, पर आशा है, दूर रहकर भी आप हमें आशीष ज़रूर देंगे। इन सांसारिक रस्मों कि बाद हम बेटियाँ अधूरी सी अपने अपने घरों को चली जायेंगी, और मायके लौटेंगी भी तो, कान आपको सुनने को तरस रहे होंगे, मन और आँखें दोनों आपको ढूँढ रही होंगी, कभी आपके ऑफिस में, कभी आपकी किताबों में, कभी पापा चाचा की हंसी वाली बातों में, कभी चाची और दादी के सुनाये हुए क़िस्सों में, कभी आपकी रखी हुई ढेरों पगड़ियों में, कभी किसी सभा में द्वद्वद्व पर गूंजती आवाज़ में या फिर शायद किसी के लिये लिखे हुए श्रद्धांजलि लेख में।

आपके वश मैं होता तो आप इस पत्र का जवाब मुझे इतनी ख़ूबसूरती से देते की रोम-रोम पुलकित हो जाता पर ज़्यादा की इच्छा नहीं है, ख़त का जवाब ना सही, आप आशीष तो अपनी दुनिया से भी भेज ही सकते हैं।

हम आपकी तरह विशाल और शुद्ध हृदय पा सकें, धर्म ध्वजा को लहरा सकें और मानवता के काम आ सकें, इतनी सी इच्छा है।

आपकी प्यारी

-बिट्टू (कृति, जबलपुर)

आदरणीय प्रवीण 'पप्पू' चाचा-यथा नाम तथा गुण

जैसा आपका नाम वैसे ही आपके हर कार्य मे प्रवीणता थी। हाँ।

आप हर कार्य मे प्रवीण थे।

गुरुओं की सेवा, आहार, विहार मे आप प्रवीण थे।

धार्मिक कार्यों मे आप प्रवीण थे।

सामाजिक कार्यों मे आप प्रवीण थे।

पत्रकारिता मे आप प्रवीण थे।

व्यवहारिक कार्यों मे आप प्रवीण थे।

प्रशासनिक कार्यों को कराने मे आप प्रवीण थे।

आपकी लेखनी कला, वाक्य कला एवं कार्य शैली की प्रवणीता जग जाहिर है।

आपके विचारो मे इतनी सरलता, सहजता एवं सौम्यता थी की छोटे बच्चों से लेकर बूढ़े बुजुर्ग को आप आसानी से मोह लिया करते थे।

विवाह के पूर्व जब आप प्रतीक्षा को संबंध हेतु देखने गए थे तो उसको याद है की आपने सिर्फ एक ही प्रश्न पूछा था दो टाइम का खाना बना लोगी? क्योंकि आपका नियम था की आप दिन मे सिर्फ दो बार ही भोजन ग्रहण करते थे।

मैं और प्रतीक्षा विवाह के उपरांत रायपुर से प्रथम बार झांसी पहुंचा तब रात मे शायद दो बजे होंगे तब आपने कहा की इतनी रात को ढोल नही बज पा रहे है। इसलिए अगले दिन जब हम सुबह अतिशय क्षेत्र विशुद्धोदय तीर्थ श्री प्यावल जी पहुंचे तब वहां आपने पहले से ही ढोल वालों को तैयार करवा दिया था। जो कमी आपको रात के कारण महसूस हुई उसको अपने इस तरह पूर्ण कर दिया था।

24 अप्रैल को जब झांसी से रायपुर के लिए निकल रहे थे तब आंखे नम थी। तब आपने कहा की तुम 2021 मे भी आ गए थे और यश के साथ चिकित्सा हेतु दिल्ली ले गए थे मेरा बेहद ख्यालरखकर स्वस्थ कर दिया था। पर मुझे ये ज्ञात ना था कि आपके साथ मेरी ये आखिरी मुलाकात थी। काश आपको एक बार और दिल्ली ले जाकर आपका सम्पूर्ण चिकित्सीय परीक्षण करवा देते तो शायद आज आप हमारे साथ होते। पर होनी को कुछ और ही मंजूर था इसलिए तब ये खयाल ना आया।

बड़े भाई प्रियेश एवं सिल्की भाभी 5/5/2024 को ही झांसी आपसे मिलने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि अंत समय मे आप सिर्फ अरिहंत एवं सिद्ध प्रभु का नाम ही स्मरण कर रहे थे और उन से बोल रहे थे की उन्हें सिर्फ णमोकार मंत्र ही सुनाए। ये कहना अतिशयोक्ति ना होगी की जिस कुशलता के साथ आपने जीवन जिया उसका ही प्रतिफल है की जीवन के अंत समय मे भी आप **प्रवीण भाव** के साथ शांत हो गए।

रहने को सदा दहर में आता नहीं कोई।
आप जैसे गए ऐसे भी जाता नहीं कोई।।

विनम्र श्रद्धांजलि सहित

प्रतीक्षा-प्रसंग जैन

"दुनियां को देखा, दुनियां के लोगों को देखा पर देखा नहीं कहीं भाई कोई तेरे जैसा"

पप्पू तुम मेरे भाई ही नहीं बल्कि मेरे सबसे अच्छे दोस्त भी थे। बचपन से अब तक का सफर हम सभी भाई बहिनों ने साथ में किया। साथ में बाजार से सामान लाना, टी.बी. देखना। मेरे साथ भाई को कहीं जाना होता था तो मैं शाम का खाना 4 बजे खिला दिया करती थी। क्यूंकि हम सभी भाई बहिनों ने बचपन से ही रात में खाना नहीं खाया था। एक बार तो मैंने और पप्पू भइया ने पैसा जोड़कर मम्मी के चाँदी की माला बनवाई थी। ना जाने ऐसा क्या हुआ कि वह इतनी जल्दी हमसे दूर चला गया। वह मुझसे दो साल छोटे थे। आज तक जो भी काम किया पप्पू से पूछ कर ही किया चाहे शादी हो या कोई भी काम को कहा उसने कभी मना नहीं किया। मुझे तो आज भी विश्वास नहीं हो रहा कि तुम हमारे बीच नहीं हो। बचपन हमारे जिंदगी के उन सबसे खुबसूरत पलों में से एक होता है। जिसे हम जीवन भर नहीं भुला पाते। जब भी झांसी आती रात को 2-2 बजे तक साथ बैठते और बीते दिनों को याद करके हम हंसतें थे। अब में किससे बात करूंगी कुछ समझ नहीं आ रहा। मैं अब किसे पप्पू कहकर बुलाऊंगी। जब पापा की डेथ हुई तो मुझसे बोलीी चुप हो जाओ हम तो हैं। मेरा भाई पूरे विश्व परिवार की आन, वान, शान था। घर का ताज था। कभी भी कोई भी काम हो हमेशा पप्पू से पूछकर ही करती थी। मिनी की शादी के समय दिल में कई सवाल थे कि कैसे होगा कैसे करूंगी, पर तुमने कहा सब हो जायेगा।

चिंता मत करो और पता ही नहीं चला सब कुछ सरलता पूर्वक हो गया था और जब आदेश की शादी हुई तो मैंने एक फोन किया कि आना हैं। वह दूसरे दिन आ गये और बोले सासो माँ को बधाई हो, और बहुत खुश हुये। मैंने भी कहा मामा जी को भी बहुत-बहुत बधाई, तो वह हंसने लगे। आदेश को वह बहुत प्यार करते थे। अभी 22 अप्रैल को मैं झांसी तुम्हें देखने के लिये आई थी। तभी इंदौर से आदेश आयुशी, ऐशु सभी मामा जी को देखने आ गये थी। छोटा बेटा डा. सर्वज्ञ जैन भी तुम्हें देखने मिलने आया तो ऐसा लगा जैसे तुम उसे ही याद कर रहे हो। बोले अनु किधर है। उसने मामा जी से बात कि तो बताया कि किधर-किधर दर्द है। सर्वज्ञ ने कहा मामा जी जल्दी स्वस्थ हो जाओगे। चिंता मत करो बस 1 माह आपको पूर्ण आराम करना है। उनके हाथ में बहुत दर्द था तो बोले कि मैं हाथ से लाइट भी नहीं खोल पाता। सर्वज्ञ ने देखा और हाथ का इलाज किया तो बोले अनु का हाथ बहुत अच्छा है। मैंने कहा आप सभी का आशीर्वाद है। उनका सौभाग्य था कि तीन दिन मामा की सेवा करने का अवसर मिला। 25 मई को हम सभी भाई बहिन झांसी में बैठे थे तो पप्पू ने मुझसे कहा नीलम तुम महरौनी मत जाना यहीं रूकना। मुझे खुशी है कि उन्हीं दिनों में मैंने 5 दिन अपने हाथों से खाना बनाकर खिलाया तो बोले बहुत साल बाद तुम्हारे हाथ की पपड़ी खाना खाया। 28 को जब मैं महरौनी जाने लगी तो मैंने कहा कि मैं जा रही हूं तो आंखें बंद करे हुये ही कहा कि जा रही हो, जाओ-जाओ- उस समय मुझे ऐसा लगा कि तुम कह रहे कि तुम मत जाओ मेरे पास रहो। लेकिन पता नहीं फिर भी मैं चली तो गई, लेकिन मन अन्दर से बहुत अशान्त था। कि मैं क्यूं पप्पू को छोड़कर आ गई। मन में कई तरह के विचार आ रहे थे कि पप्पू ने आज तक कभी भी ऐसे नहीं रोका। जब भी गई तो गाड़ी तक छोड़ने आते थे। ऐसे कैसे हो गया मैं अपने भाई को क्यूं नहीं समझ पाई और रूक क्यूं नहीं गई। घर मैं आदेश आयुशी सभी से कहती कि मैं कहरौनी क्यूं आ गई। बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा। मन बड़ा उदास था। सोचा कि चलो 10 मई को जाऊंगी फिर कुछ दिन साथ रहूंगी, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। 4 मई की रात तुम मेरे सपने में कुर्ता पजामा पहने 2 बजे रात में आये। और मैं और तुम दोनों शिखर जी जाने के लिये ट्रेन में बैठ गये लेकिन पता नहीं नहीं चला कि ट्रेन कहां गायब हो गई और तुम भी चले गये। मैं देख रही थी कि मेरा भाई किधर चला गया। मैं आवाज लगा रही थी। मुझे नहीं पता था कि तुम यह संकेत देने आये हो कि तुमसे आखरी बार मिलने आया हूं। रात बीती सुबह 5 मई को मैंने फोन किया तो अभी ने बताया कि बुआ पापा तो करगुंवा जी दर्शन करने गये थे। तो मैंने कहा कि बेटा पापा को आराम की जरूरत है। लेकिन फिर 5 मई की सुबह वह फिर करगुवां जी गये। शान्ति धारा कराई, स्वाध्याय किया सामयिक की। वह देवाशाक्य गुरू के सच्चे भक्त थे। वह अन्त समय तक भगवान का नाम लेते रहे। 5 मई रात में मेरी बेटी समृद्धि उस समय झांसी में थी, उसका फोन 11 बजे आया कि पप्पू मामा को हॉस्पिटल ले गये तबियत खराब है वह शान्त हो गये। सुनकर ऐसा लगा कि सब कुछ खत्म हो गया ऐसा कैसे हो सकता है। बस पत्थर बनकर रह गई।

जानती हूं कि बीता हुआ पल वापस नहीं आता। बस यादों में रहा करता है।

"यारो का यार था वह, भाइयों का अभिमान था वह,
हम बहिनों की जान था वह, बस नहीं पता कि इतने ही दिन का मेहमान था वह"

आज भले ही तुम हम सभी के बीच नहीं हो पर तुम्हारी यादें हमेशा दिलों में जिन्दा रहेगी।

"मेरी आंखों में तुम्हारी यादों की नमी है, जिंदगी चाहे जितनी भी अच्छी हो, बस इसमें भाई तुम्हारी ही कमी है। सदा रहेगी।

तुम्हारी बहिन

नीलम धन्यकुमार जैन, महरौनी

महानुभाव बड़े दुख के साथ लिख रहा हूं कि आज हमारे बीच हम सबके प्रिय श्री प्रवीण जी नहीं रहे। हमने उनके साथ करीब 36 वर्ष बिताये आप एक अच्छे समाजसेवी एवं राजनीतिज्ञ, संत धार्मिक व्यक्ति थे। हमेशा मुनियों की सेवा में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते थे। लेकिन सत्य ही कहा है कि जो आया है सो जायेगा। महानुभाव जिसका मरण शान्ति पूर्वक हो उसी का नाम समाधिमरण है-

"मणि मंत्र तंत्र बहु होई" मरते न बचावे कोई।।

चार लाइनो के माध्यम से अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता है-

अशरण जग में शरण एक शुद्ध आतक आई
धरो विवेक हदय में आशा पर की दुखदाई
पाप उदय ये नहीं सहाय का,निमित बने भाई
पुण्य उदय में नहीं दण्ड का भी निमित हाई
पाप हदय की चाह व्यर्थ है, नही चाहने पर भी हो
पुण्य हदय की चाह व्यर्थ है, नहीं चाहने पर भी हो।

-धन्य कुमार पवैया नीलम
महरौनी

हाइकू

भाई साहब थे, है, रहेंगे सदा यादों में मेरी

50 वाक्यों में कैसे लिख दूँ सब कुछ, उस व्यक्ति के बारे में, जिसके साथ 50 वर्ष बिताये हों। कितना भी लिख दूं मैं प्रवीण भाई साहब के बारे में, फिर भी बहुत कुछ अनलिखा रह जाएगा। जब कभी अपना लिखा ही पढ़ूंगा तो याद आएगा कि यह तो लिख ही नहीं पाया भाई साहब के बारे में।

कहाँ से शुरू करूँ और कहां खत्म - यह समझ ही नहीं आ रहा। वैसे शुरु तो कहीं से भी किया जा सकता है लेकिन खत्म नहीं। भाई सहाब खत्म हुये हैं, उनकी यादे नहीं। वो हमें छोडकर गये है लेकिन हमने उन्हें नही छोड़ा। वो आज भी हमारे साथ है और कलं भी रहेंगें। जीवन के अंत तक रहेंगें वो हमारी यादों में।

मेरा बचपन मेरे अपने सभी भाई बहिनों के साथ खेल-खेल में बीता। बचपन से ही प्रेस पर जाना और दिन भर खेलना।

मुझे पप्पू भईया की सारी Activities बहुत अच्छे से याद हैं फिर चाहे वह विपिन विहारी महाविद्यालय का चुनाव हो या फिर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में कुलपति महोदया के विरुद्ध धरना प्रदर्शन। नगर पालिका का चुनाव हो या फिर पंचायत का चुनाव।

पंचायत में रहकर यति सम्मेलन, पंचकल्याणक महोत्सव कराना व करगुवांजी में विशाल मंदिर का निर्माण करवाना, यह सारे कार्य उनकी इच्छा शक्ति को बताते हैं भाई साहब ने हमेशा सिद्धांतों का जीवन जिया है। उनका व्यक्तित्व इतना विशाल था कि हर कोई उन्हें पाना चाहता था। वह बहुमुखी प्रतिभा की धनी थे। धार्मिक सामाजिक क्षेत्र के साथ-साथ राजनैतिक क्षेत्र में भी सक्रिय थे। जैन समाज के लगभ सभी आचार्य महाराज उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते थे और सभी का आशीर्वाद भी उन्हे मिलता रहता था।

भाई साहब ने अपना जीवन हमेशा लोगों की भलाई करने मे ही बिताया। उनके पास आने वाले 10 लोगों मे से 5 लोग अपनी समस्या लेकर आते थे और भाई साहब उनकी यथा संभव मदद करते थे। उन्हें अपने काम की चिंता कम व लोगों की चिंता ज्यादा होती थी। वो निस्वार्थ भावना से लोगो की सहायता करते थे। स्वाध्याय करने मे भाई साहब की विशेष रुचि थी। कभी-कभी पीड़ा व्यक्त करते थे कि लोगो के साथ इतना समय चला गया कि स्वाध्याय ही सही से नहीं कर पाया।

मेरे पिताजी का स्वर्गवास 2004 में हो गया था। उस समय मैं अपने आप को बहुत अकेला महसूस करता था। पप्पू भाई साहब कहते थे कि परेशान मत होना मैं हूँ, सब अच्छा होगा। धीरे-धीरे मैं पप्पू भईया के और करीब होता चला गया। अपने मन की सारी बातें उन्हें बताने लगा,जिस प्रकार मेरे पिताजी पर मेरे ताऊजी की छत्रछाया थी, वैसी ही भाई साहब की छत्रछाया मुझे महसूस होने लगी। भाई साहब के होने पर कभी ऐसा विचार मन में माता ही नही था कि मुझे भी बहुत कुछ बनना है। जब भी भाई साहब मान-सम्मान होता था तो मुझे बहुत खुशी होती थी और लगता था कि यह पूरे परिवार का सम्मान है। उनसे अलग होने की तो कल्पना हो नही की जा सकती। मैं भाई सब से कितना जुड़ा था यह लिखना संभव नहीं। पिता-पुत्र के बीच तो कभी मनमुटाव या तेज स्वर में वार्तालाप हो सकता है, लेकिन मैंने आज तक भाई साहब से ऊँचे स्वर कोई बात नहीं की। उन्हीने जो कह दिया वही मान लिया।

भाई साहब के जाने के बाद किस से कहूंगा मैं अपने मन की व्यथा। सुनने वाले तो बहुत मिल जाएंगे लेकिन समझने वाला कौन ? अंत मे भाई सहाब की मनमोहक वाणी को याद करता हुआ समाप्त करता हूं। भाई साहब जब बोलते थे तो लोग बड़ी तन्मयता से सुनते थे और कहते थे कि यही तो मैं बोलना चाहता था।

अंत में एक हाइकू -

भाई साहब
थे, है, रहेंगे सदा
यादों में मेरी

आपका

-अमित (पिंटू)

मेरा प्यारा भैया

कैसे दें श्रद्धांजलि आपको ,आंखें भर भर आती है
मेरे प्यारे राजा भैया याद तुम्हारी बहुत आती है
सुना हुआ घर आंगन भैया, तुमसे ही घर की शान थी
कैसे भूल सकेंगे तुमको ,तुमसे ही हम सब की पहचान थी
इतनी जल्दी बिछड़ जाओगे ऐसा कभी सोचा ना था
बचपन के मेरे साथी भैया, भला कोई ऐसे भी जाता।

भाई प्रवीण यकीन नहीं होता कि तुम हमारे बीच नहीं हो बचपन से लेकर अभी तक तुम्हारे साथ ही साथ तो रहे है 10-5 दिन मुलाकात नहीं होती तो ऐसा लगता था की बहुत दिन बीत गए। अभी भी निगाहें ढूंढ रही है तुम कहां हो।

हर भाई दूज पर तुम्हारा मुझ से टीका लगवाना और टिका लगाते वक्त मेरा भगवान से तुम्हारी लंबी आयु और खुशियों के लिए दुआ मांगना। शायद मेरी दुआओं में कुछ कमी रह गई।

तुम्हारी बहन-अंजू

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर, शनिवार 18 मई 2024

श्री प्रवीण जैन झांसी को श्रद्धांजलि : सेवा, समर्पण और पत्रकारिता में 'प्रवीण' आवाज हुई मौन

सुबह-सुबह (6 मई 2024) खबर पढ़ी कि देव, शास्त्र, गुरु के अनन्य उपासक, वरिष्ठ पत्रकार, वरिष्ठ समाजसेवी, अनेक संस्थाओं में विभिन्न पदों पर पदासीन रहकर निरंतर समाजसेवा और प्रभावना में संलग्न, बेहद सरल, आकर्षक, विद्वतापूर्ण प्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी, हर पल समाज और देश की सेवा में तत्पर रहने वाले, भाईसाब प्रवीण जी जैन झांसी का असामयिक निधन हो गया है। देह परिवर्तन की इस सूचना को पढ़कर विश्वास ही नहीं हुआ, तुरंत मैंने उनके बड़े भाईसाब प्रदीप जी जैन रायपुर (संपादक दैनिक विश्व परिवार रायपुर) को खबर की पुष्टि के लिए फोन लगाया, वे रायपुर से झांसी के लिए पहुँचने के लिए रास्ते में थे उन्होंने बताया हाँ, प्रवीण भैया अब हम सबके बीच नहीं हैं, यह सुनकर मैं स्तब्ध रह गया। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों हुए एक्सीडेंट के बाद वे लगभग ठीक हो गए थे, हां डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी थी। कल 5 मई को करगुवा जी में बाहर से आए कुछ वरिष्ठ समाज के गणमान्य लोगों से उन्होंने मुलाकात भी की थी। लेकिन शाम को उनकी अचानक तबियत बिगड़ने लगी और फिर यह दु:खद खबर सुनने को मिली।

दुनिया में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो इस दुनिया से जाने के बाद भी अपनी अमिट छाप छोड़ जाते हैं और देह से जाने के बाद भी लोगों के मन-मस्तिष्क में सदैव स्मरणीय रहते हैं, उनके कार्य उन्हें सदैव जीवंतता बनाए रखते हैं। ऐसे ही एक विशिष्ट महनीय व्यक्तित्व थे भाईसाब प्रवीण जैन जी झांसी। वे अपने कार्यों से झांसी में जैन समाज तक सीमित नहीं थे बल्कि अपने अनूठे सेवा कार्यों, समाजसेवा, पत्रकारिता के कारण पूरी झांसी में लोकप्रिय थे।समाज में सेवा, समर्पण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर उनकी एक अलग पहचान थी, वे कर्मठता से कार्य करने के लिए जाने जाते थे।

उनके निधन का समाचार एक अव्यक्त रिक्तता के वास्तविक आभास जैसा है। वे अभी लगभग 55 बचपन वर्ष के थे यह समय उनके जाने का नहीं था। अभी आपकी समाज को बहुत जरूरत थी। ऐसे प्रसंग हमें वैराग्य और संसार की क्षणभंगुरता की भी याद दिलाते हैं। कभी नि:शब्द न होने वाले सबको नि:शब्द कर गए।

एक सूरज था कि तारों के घराने से उठा।
आँख हैरान है क्या शख़्स ज़माने से उठा।।

कुशल मंच संचालक, कुशल संपादक, अच्छे समाजसेवी, सामाजिक संगठनों में अग्रणी भूमिका निभाने वाला, पत्रकार संगठनों में अग्रणी व्यक्तित्व के आकस्मिक निधन का समाचार बहुत ही कष्टदायी है।

आपकी सादगी, निर्भीकता, निडरता, सहज-सरल मिलनसार व्यक्तित्व एवं धार्मिक कार्यों के प्रति समर्पण समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे। करगुवां जी-झांसी तीर्थक्षेत्र के विकास, उन्नयन के लिए वे सदैव तत्पर रहे। मैं अपने विद्यार्थी जीवनकाल से ही भाईसाब प्रवीण जी परिचित था। अनेक अवसरों पर आयोजनों में आपके साथ रहा। मिलने पर और फोन पर विविध विषयों पर आपसे खूब चर्चा होती रही। जब भी आपसे कोई कार्य के लिए बात हुई आपने तत्परता से वह तुरंत पूर्ण की।

आपके पिता जी स्वर्गीय बाबू कैलाशचंद्र जी भी जहाँ एक अच्छे पत्रकार थे वहीं बड़े समाजसेवी थे। आपने अपने पिता जी के पदचिन्हों पर चलकर पूरा जीवन मानो समाजसेवा के लिए समर्पित कर दिया था। आपने समाजसेवा के क्षेत्र में एक मिसाल कायम की। पत्रकारिता के क्षेत्र में आपका योगदान स्तुत्य रहा। दैनिक विश्व परिवार झांसी को वर्षों से आप निरंतर निकाल रहे हैं जिसके माध्यम से धर्म और समाज की आवाज को निरंतर बुलंद किया। आपकी प्रशासनिक पकड़ भी बहुत अच्छी थी। कोई भी बात शासन-प्रशासन तक मजबूती से रखना है तो उसके लिए झांसी में प्रवीण जी को ही याद किया जाता था।

आपके बड़े भाई प्रदीप जी रायपुर भी दैनिक विश्व परिवार रायपुर के संस्करण का जहाँ कुशल संचालन कर रहे हैं वहीं वह भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य भी रहे हैं। प्रवीण जी उत्तर प्रदेश पत्रकार संघ के विभिन्न पदों पर रहे हैं। प्रवीण जी समाज के सुदृढ़ स्तंभ एवं साधु संतों और जैन सामाजिक कार्यों के लिए हमेशा तन, मन एवं धन से तत्पर रहने वाले व्यक्ति थे। साधु संतों के चौके में आहार देते हुए, पड़गाहन करते हुए, पद विहार में चलते हुए प्रवीण जी को देखा जा सकता था। बड़े बड़े पंचकल्याणक, गजरथ महोत्सवों में आपने महामंत्री के पद पर रहकर आयोजन को ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न कराया।

इस दु:खद समाचार से हम सब स्तब्ध हैं, वह असाधारण वक्ता एवं कुशल नेतृत्व के धनी थे। उनका असामायिक निधन न केवल उनके परिवार अपितु पूरे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दे और परिजनों को संबल प्रदान करें! मेरी संवेदना। मैं अनेक स्मृतियों के साथ उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ! !! शांति !!

रहने को सदा दहर में आता नहीं कोई।
आप जैसे गए ऐसे भी कोई जाता नहीं।।

-डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर

काश मैं रूक जाती....

इतनी जल्दी क्यूँ जा रही हो थोडे दिन और रुक जाओ 4/5/2024 शाम को में आपसे मिलने आई, थी क्यूंकि अब कॉलेज वापिस जा रही थी। उस दिन मैने पहली बार आपके पास बैठकर बहुत बाते करी तभी अचानक आपने बोला इतनी जल्दी क्यू जा रही हो। मैं समझ न पाई जल्दी मुझे नहीं आपको थी जाने की। अगर ऐसा पता होता तो एक दिन क्या हजारों वर्षों तक आपके पास रुक जाती। जब वापस घर पहुंची तब मैंने मम्मी को बताया कि ताऊजी ने मुझे पहली बार रुकने को बोला। तब भी नम आखो आँखे लेकर में इंदौर चली गई। शाम को नानी से बात हुई तो पता चला ताऊ ?जी की तबियत बहुत खराब हो गई, उनको आईसीयू में भर्ती करा है, उस समय मन बहुत आकुल-व्याकुल था। कुछ ही समय बाद पता चला कि मेरे, पिता-तुल्य ताऊजी अब इस दुनिया में नहीं रहे।

सुनते ही झटका सा लगा कि यह क्या हुआ, मैं विश्वास नहीं कर पा रही थी.. तुरन्त बुआ के साथ झाँसी आई, पर तब तक उनको ले जा चुके थे। अफसोस ! मैं ताऊजी को आखरी बार देख भी नहीं पाई.... ताऊजी,

कहाँ चले गए आप,

याद आती है आपकी हर बात, सोचते ही आँसू आ जाते हैं, कि हमसे छूट गया आपका साथ। वो हमेशा फौन पर आपका बार-बार पूछना कि- 'ठीक हो? एक जाप रोज दिया करो' वो हरदम आपका मेरे लिए चिंता करना। एक पल के लिए भी न जुदा हुई आपकी छवि मेरे मन से, अब कभी मिल न सकेगा वो प्यार जो मैंने पाया है आपसे।

सोचती हूँ.....

काश आज आपके होने से पूरे घर में खुशियाँ छायी होती,

और काश आपकी आँखे इस गहरी नींद में न सोती। मैं अपना बचपन याद करती हूँ तो बहुत सारे सुनहरे पल याद आते हैं, कुर्ता पजामा पहने, पगड़ी-टीका लगाए, मुझे मेरे प्यारे ताऊजी नजर आते हैं। मैंने हमेशा ही आपको दूसरो की सेवा करते हुए ही देखा था। गुरुओं के प्रति समर्पित कैसे रहना है- मैंने आपसे ही सीखा......

आपके गुणों की तारीफ करना और उन्हे पृष्टों पर उतारना बहुत कठिन हैं।

आज आपके इतनी जल्दी जाने का बहुत बुरा लग रहा है। खुशनसीब इतनी की 18 साल आपका आर्शिवाद पाया, बदनसीब इतना कि आखरी समय देखने का मौका भी नहीं मिल पाया।

ताऊजी, हमारे संस्कारों मैं हमेशा आपकी छवि झलकती रहेगी।. आप बहुत याद आओगे। आपके चरणों में शत्-शत् नमन-वंदन।

-आपकी छोटी बेटी ऐरा

प्रवीण जी के निधन से मन को हुई अत्यधिक पीड़ा

श्री प्रवीण कुमार जैन का आकस्मिक निधन दिनांक 5 मई को हो गया। मन को अत्यधिक पीड़ा हुई, क्योंकि दिनांक 05 मई को मेरी मुलाकात डॉ. मणीन्द्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई थी । साथ बैठकर स्नेह से परिपूर्ण नाश्ता किया था। हर्ष पूर्ण वातावरण था । दिनांक 06 मई को जब मैंने यह शोकाकुल समाचार सुना तो स्तब्ध सा रह गया ।हृदय को अपार वेदना हुई ।आप जैसी पुण्य आत्मा जीव के निधन पर अश्रुपूरित नेत्रों से अपनी भावभीनी शोक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ परिजनों को यह असीम दु:ख सहन करने एवं धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करें।

-धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री दिगम्बर जैन महासमिति

अकल्पनीय मैनेजमेंट था प्रवीण जी का

परम आदरणीय प्रवीण जैन जी के अकस्मात निधन से न केवल परिवार, समाज एवं देश का हर जैन संत समुदाय, उनसे जुड़ी हर संस्था आज बहुत दुखी हैं। उनके देवलोक गमन से अपूर्णनीय क्षति हुई है।

प्रवीण जी एक चलती फिरती प्रयोगशाला थे, चाहे तीन सौ साधुओं का यति सम्मेलन हो, चाहे अतिशय क्षेत्र करगुआ जी विशाल मंदिर जी निमार्ण कार्य हो या बुन्देलखण्ड में कहीं भी पंचकल्याणक महामहोत्सव हो आपका मैनेजमेंट सराहनीय एवं अकल्पनीय रहा।

अपनों के हर सुख दुख में हमेशा साथ खड़े निर्भीक, निडर सत्य बात हमेशा मजबूती से रखने वाले आदरणीय प्रवीण जी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में भी एक अमिट छाप छोड़ी है निर्भीक पत्रकारिता करते हुए मनुष्य जन्म को कैसे सार्थक करना है, उस पर भी ध्यान दिया और अंत समय में भी पूरे समय णमोकार महामंत्र का मनन करते हुए बहुत ही समतापूर्ण भाव से अपनी देह का परित्याग किया। उन्हें निश्चित ही देव गति प्राप्त हुई होगी।

ऐसे महापुरुष के चरणों में शत् शत् नमन विनम्र श्रद्धांजलि।

-रवीन्द्र जैन, सीटीआई
पूर्व उपाध्यक्ष श्री दिगंबर जैन समाज झांसी

महान व्यक्तित्व श्री प्रवीण कुमार जैन

भक्ति भाव से पुष्प समर्पित।
मनोभाव चरणों में अर्पित।
श्रद्धांजली सभा में आये।
स्मृति गौरव गाथा हम गाये।।

तीन मार्च उनहत्तर जन्मे।
खुशियां सोना दादी मन में।
कैलाश चंद्र जनक कहाये।
माँ देवी के उर से आये।।

जन्म विश्व परिवार लिया है,
स्वाभिमान से काम किया है।
देव-शास्त्र-गुरु सेवा करते।
दु:ख दीन-निर्धन के हरते।।

सम्पादक बन कलम चलायी।
पत्रकारिता स्वच्छ सजायी।
पद की शोभा आप बढ़ाते।
भजन साँझ को सुमधुर गाते।।

पुष्पा चाची सबक सिखाये।
राजेंद्र दिव्य राह दिखाये।
आशा चाची स्नेह मिला है।
जिनेन्द्र गेह पुष्प खिला है।।

भ्रात प्रदीप राम समाना।
प्रिय आलोक अनुज है जाना।
आन अमित-जयेश की जानो।
लखन-शत्रुघ्न ही पहचानो।।

नीलम-सरोज भगिनी न्यारी।
संध्या-सुरुचि-सुनीता प्यारी।
बहन भूमिका-बिंजल-दिव्या।
अंजू सहित दुलारे भव्या।।

श्रुति-वर्षा जो सहज मृदुल है।
सावन-शुभम त्याग अतुल है।
कक्कन जी की बात निराली।
ममता-सरल वृक्ष की डाली।।

राखी परिणीता बन गाये।
धर्म मार्ग पर चलती जाये।
यश-अतिशय सुत आज्ञाकारी।
मर्यादा स्तुति तनुजा धारी।।

प्रियेश चले प्रसंग शमन में।
चाचा पुकार करते मन में।
आदर्श बने कृति अनुपम है।
एरा अरनव आँखें नम हैं।।

मीना ममता की मूरत है।
भाभी में माँ की सूरत है।
साली अनुज वधू बन आयी।
खुशी रंजना के मन छायी।।

वधू अनुपमा लक्ष्मी गृहणी।
सजे संचिता मन से हरिणी।
भ्रातासुत वधु चयन किया है।
सिल्की-प्रतीक्षा प्यार दिया है।।

समाज सेवा प्रतिपल करते।
नित ध्यान रिश्तों का धरते।
समता भाव सरस मानस में।
परिणति शांत भरे नस-नस में।।

तीर्थ क्षेत्रों के उद्धारक।
जैनागम के हो संरक्षक।
तीर्थ करगुवाँ भक्त कहाये।
करुणा स्थली नाज बहाये।।

बुंदेलखंड मान बढ़ाये।
सदाचार जीवन में लाये।
पचपन वर्ष अल्पायु पायी।
पाँच मई काल दु:ख दायी।।

कलियुग के तो आप भरत हो।
जन-जननायक पाप विरत हो।
युग मानुष प्रवीण कहाये।
आदर विशाल शीश नवाये।।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि सहित आदरणीय, फूफा जी के चरणों में शत-शत नमन?

- विशाल जैन पवा
तालबेहट
संस्थापक अहिंसा सेवा संगठन

आपसे मिलता था उचित मार्गदर्शन...

मैं अपने प्यारे भैया पप्पू (प्रवीण) के बारे में क्या कहूं क्या लिखू कुछ समझ नहीं आ रहा है। आपका जैसा नाम था वैसे हर कार्य में प्रवीण थे। वह मेरे से सिर्फ 2 साल ही बड़े थे पर अचानक खबर आई थी कि भैया इस दुनिया में नहीं रहे समझ में नहीं आ रहा था क्या सच है विश्वास भी नहीं हो रहा था फिर मैंने मुन्ना भैया को फोन लगाकर पूछा मुन्ना भैया ने भी बताया कि पता नहीं सब कुछ आधे घंटे में हो गया दिल यह मानने को हरगिज़ तैयार नहीं है कि पप्पू भैया हमारे बीच नहीं है।

पप्पू भैया आप तो घर की शान थे हम लोगों को कभी भी कोई परेशानी होती थी कुछ भी होता था तो हम लोग पप्पू भैया से संपर्क करते थे और उनसे परामर्श लेते थे आज अपने आप को समझाना बहुत मुश्किल हो रहा है हर समय आपकी तस्वीर आंखों के सामना रहती है और मन यही कहता है कि नहीं यह गलत हैं। आप तो बहुत ही धार्मिक समाज के सभी कार्यों में हर समय अग्रसर रहते थे कोई भी माताजी महाराज आते थे तो आप उनके आहार बिहार की पूरी व्यवस्था करते थे। आपके जीवन से तो हम सभी प्रेरणा लेते थे और आप जैसे बनने की कोशिश करते थे। भगवान से यही प्रार्थना है वो आपको सद्गगति प्रदान करें और अगले जन्म में फिर मेरा भाई बनकर आप आए।

मन बहुत उदास है आंखें नम है भैया आपका अल्पायु में जाना हमारे परिवार और समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है आपकी कमी कोई पूरी नहीं कर सकता है।

-आपकी बहन संध्या जैन
(अहमदाबाद)

कम शब्दो में बड़ा संदेश देते थे ताऊ जी

यदि आसूँ एक सीढ़ी और याद एक गली का निर्माण कर सके तो मै सीधे स्वर्ग तक चलूँगी और आपको फिर से घर ले आऊंगी। मुझे वो दिन याद है जब हम आखिरी बार मिले थे ठीक एक दिन पहले आपने इतने प्यार और भावुकता से मेरी पढाई के विषय में चर्चा की थी। कम शब्दो मे ही आप इतना कुछ समझा देते थे। हमने अपने परीवार के सबसे खूबसूरत व्यक्ति को खो दीया, जो जीवन से भरपूर थे ऐसे आपके बिना हमारे अपने जीवन की कल्पना करना कठिन है।

आप जीवन भर के लिए मजबूत सहारा और महान प्रेरक रहे है। जब भी हम आपके बारे में बात करते हैं तो हमारे चेहरे भारी मुस्कारत और आँखो मे गौरव और चमक झलकता है। बाबू के बाद आप परिवार मे थे जो सब को बाँध कर रखे थे। आपकी यादे हम सब के लीए हमेशा एक खजाना रहेगी।

आपके दिये संस्कारों पर मै खरी उतरूंगी। यही प्रर्थाना है कि आपके गुण पा जाऊ और धर्म के मार्ग पर बढ पाऊं। यही कोशिश करूँगी की आपका नाम और ऊचा ले जाऊ आपकी कमी हमेशा खलेगी। ...बडे पापा

-आपकी बेटी अति

राम राज्य का अनुभव कराता विश्व परिवार

श्री प्रवीण जैन जी एक असाधारण व्यक्ति थे उनके व्यक्तित्व को एक छोटे से लेख या कहानी में नहीं समेटा जा सकता है द्य उनके जीवन पर पूरी एक किताब लिखी जाए तो भी कम है द्य उन्होंने जो धार्मिक क्षेत्र में राजनीतिक क्षेत्र में सामाजिक क्षेत्र में कार्य किए हैं उनका कोई व्याख्यान आसानी से नहीं कर सकता है द्य श्री प्रवीण जी ने श्री अतिशय क्षेत्र करगुवा जी झांसी में जो यति सम्मेलन करवाया था वह कोई सोच भी नहीं सकता था और उन्होंने अपनी पूरी टीम के साथ छोटे बड़ों को एक साथ करके सफलतापूर्वक करवाया था जिससे झांसी का नाम पूरे बुंदेलखंड में एवं देश के कोने कोने में लोग बाग जानने लगे थे । जिसने श्री करगुवा जी का नाम सुना था उसे दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

श्री प्रवीण जी के साथ कई बार दूर-दूर तक क्षेत्र के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इनकी के माध्यम से जैन समाज के बड़े-बड़े राष्ट्रीय स्तर के लोगों से मुलाकात करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । शैलेंद्र जैन जी अलीगढ़ वालों के यहां यह अपनी पूरी टीम को लेकर हम सबको सब परिवार शादी समारोह में ले गए श्री मणीन्द्र जी जैन मुंबई राजेंद्र किशोर बाबूजी अलीगढ़ एवं जिनेंद्र जैन जी अहमदाबाद जैसी हस्तियों से कई बार मिलने का मौका मिला ।

झांसी में जब विश्व परिवार में घर पर सभी लोग शाम को एक साथ बैठते थे सब लोग अपनी अपनी मन की बात करते थे पूरी दुनिया की चर्चा करते थे परम आदरणीय पूज्यनीय शाह श्री कैलाश चंद्र जी जैन बाबूजी के साथ पूरा परिवार एक साथ बैठता था डॉक्टर साहब शाह श्री राजेंद्र कुमार जी जैन डॉक्टर साहब शाह श्री जिनेंद्र कुमार जी जैन जीजा जी श्री प्रदीप कुमार जी प्रवीण जी अमित जी आलोक जी जयेश जी एवं परिवार के सभी छोटे-बड़े लोग सभी बहने अम्मा एक साथ बैठकर जब बातें करते थे तो ऐसा लगता था जैसे कलयुग में भी रामराज साक्षात चल रहा हो । हम सबको पूरे परिवार को आदरणीय प्रवीण जी आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन हमें उनके सपनों को साकार करना है जिस मार्ग पर वह चलते थे और सभी को धर्म के मार्ग पर चलने की बात बताते थे इस मार्ग पर चलना है ।

विनम्र श्रद्धांजलि...
उनके चरणों में शत-शत नमन।

-राकेश कुमार जैन तालबेहट
मान्यता प्राप्त पत्रकार
जिला ललितपुर उप्र

देश भर से श्रद्धांजलियाँ, शोक सन्देश

Paras TV Channel

अत्यंत दु:खद समाचार अभी अभी मिला सुनकर मन विचलित हो गया समझ ही नहीं आ रहा क्या करूँ क्या लिखूं, हमेशा आत्मीय भाव के साथ मिलने वाले, हमेशा समाज कि चिंता, धर्म के प्रति अटूट श्रद्धा, अपने मित्रों व परिजनों के प्रति पूर्ण समर्पण, एक ऐसा हीरा जिसकी चमक दिन रात बढ़ती चली जा रही थी अचानक वो अब सिर्फ वीर प्रभु के चरणों में अपनी चमक बिखेरेगी, हम सब को उनका इस तरह छोड़ कर चले जाना एक अपूर्णनीय छती है पर उनका जितना आयुकर्म था उसके आगे किसी का बस नहीं, वीर प्रभु से प्रार्थना उनकी आत्मा को शांति व सदगति प्रदान करे जो उन्हें निश्चित ही प्राप्त हुई होगी, व उनके पूरे परिवार को इस दुख की घड़ी में सम्बल प्रदान करे।

-आशीष जैन, पूर्व अध्यक्ष-दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप उप्र रीजन

पिता तुल्य चाचा जी को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

णमोकार जपते रहो जब तक घट में प्राण
णमोकार से प्राप्त हो श्री जिनेंद्र भगवान

उक्त पंक्तियों को चरितार्थ करता है चाचा का जीवन। मैंने बचपन से ही सुना था कि अंत भला तो सब भला। ऐसा ही कुछ मुझे चाचा के जीवन के अंत मैं देखने को मिला। संपूर्ण जीवन की साधना का फल उन्हें प्राप्त हुआ। अंतिम सांसों के समय मैं चाचा के पास मै मौजूद था द्य वह लगातार ओम अर्हम नम: तथा ओम णमो अरिहंताणं का जाप कर रहे थे। मानो उन्हें पूर्ण ज्ञान था की यह उनका हम सबसे तथा इस पर्याय से विदा लेने का समय है। उन्होंने मुझे बुलाकर कहा गुड्डू, मुझे णमो अरिहंताणं सुनाते रहो, मुझे क्या पता था कि अंतिम उद्बोधन के लिए मैं चाचा के पास पहुंच जाऊंगा, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं आपको अंत समय में णमोकार मंत्र का श्रवण करा पाया। पर यह मेरा दुर्भाग्य था कि मेरी यह उनसे आखिरी मुलाकात थी।

आपकी परम गति की मंगल कामना करते हुए आपको अश्रुपूर्ण मंगल श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। शत-शत नमन...

-आपका सदैव
गुड्डू (प्रियेश)

जन्म दिन पर देते थे खास तोहफा

चाचा जी के चरणों में भावपूर्ण श्रद्धांजलि

चाचा जी बहुत ही दुख के साथ में उस व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि अर्पित कर रही हूं जिसने जीवन पर्यंत दूसरों के शोक में उनके परिवार जनों को संबल देने के लिए हर वक्त अपनी कलम से शोक संवेदना संदेश लिखें।

सर्व विदित है कि एक माह पूर्व मेरी पुत्री (मौली) मुझ से बिछड गई तब चाचा जी द्वारा मेरी पुत्री के लिए लिखा गया लेख जब आज भी मैं पढ़ती हूं तो वह मेरे टूटे मन को दृढ़ता प्रदान करता है । मेरी वीर प्रभु से यही मंगल कामना है कि जब तक आपकी आत्मा को निर्माण की प्राप्ति नहीं हो जाता हर जन्म आपको जैन पर्याय एवं सच्चे देव शास्त्र गुरु की शरण मिलती रहे। जब से मैं आपसे मिली हूं आपके व्यक्तित्व ने मेरा शीश सम्मान से ऊंचा किया है कि मैं आपके घर की बहू बनी।

आपकी बड़ी बहू
सिल्की

जब जब कोई कार्यक्रम होता या तब सबसे पहले मुझसे पूछ कर मुझे ले जाते थे और सब को मेरा परिचय देते थे आप हर जन्मदिन पर एक खास तोहफा देते थे जैसे की जाप माला और एक बार तो आपने मुझे एक हाथी दिया था जो आपको सम्मान मे दिया गया था और आपने वो मुझे दे दिया था। हर बार जब आप बाहर जाते थे तब कुछ न कुछ लाते थे और जब भी मैं कुछ मांगता तो चाहे वो कितना भी महंगा हो वो आप लाके देते थे। एक बार हम जब सोनागिर गए थे तब आपने कहा तुम चलो मैं आता हू पर आप करीबन 3 घंटे तक आप ध्यान लगा कर बैठे थे ।

जब जब आप मुझे डाटते थे तब कुछ देर बाद मना भी लेते थे। जब हमारे साथ में वो दुख:द दुर्घटना हुई तब गाड़ी से बाहर निकल कर आपको कितनी पीड़ा हो रही थी तब भी आपने कहा तुम्हे तो कुछ नही हुआ ना।

आपका छोटा बेटा
-अरनव

आप तो हमारा अभिमान थे

भईया आप तो हमारी शान थे । आपका नाम तो हमारी पहचान था । हम जब भी कभी किसी भी महाराज या माताजी के दर्शनों को जाते और ये पता चलने पर कि हम झाँसी वाले प्रवीन जैन कि बहिन है । एक अलग ही आशीवाद मिलता और हम इस बात से खुद को बहुत गौरवांवित महसूस करते थे । पिछले साल ही जब आप एक शाम शहीदों के नामों में तुमसर मुख्य अतिधि बनकर आये तो में तो मुझको वहुत गर्व हुआ था कि ऐसे भाई कि बहिन हूं जो हर जगह सम्मान पाता है ।

आप का यू असमय चले जाना हम सब के लिये बहुत बडी क्षति है। जो कभी पूरी नही हो सकती हम हमेशा आपके आदर्शो पर चलने का प्रयास करेगे ।

आपकी बहिन

-सुनीता (छोटी) तुमसर

मेरे मामा मेरे दिल में थे हैं और हमेशा रहेंगे

उनका साया हमेशा हम बच्चों पर सदा बना रहेगा जब भी मैं झांसी आता था तो मामा बड़े प्यार से मुझे पुकारा करते थे वरां ग बड़ा याद आता है । उनका वह प्यार से पुकाराना उनका वह दुलार जो कभी भुलाया नहीं जा सकता हमेशा मेरी यादों में रहेंगे मेरे मामा। आपका सबसे छोटा भांजा **-बरांग (तुमसर)**

श्री दिगम्बर जैन चन्द्रगिरि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट

भावपूर्ण श्रद्धांजली

मन की बात

दिवंगत श्री प्रवीण जी से पहिली बार मैं लमगावी रायपुर में प.पू. श्री विशदसागर जी की विनयांजली सभा में मिला था। उनके उद्बोधन में सरलता, सहजता लौकिक चिंतन का समावेश था, कम शब्दों में अधिक कहने का उन्होंने सामर्थ्य किया था, वेशभूषा में सादगी, पर व्यक्तित्व रौबदार था। उनके भाई श्री प्रदीप जी ने मेरा उनसे परिचय कराया उनकी मुस्कराने और मिलने का ढंग इतना प्रभावशाली था कि लग ही नहीं रहा था कि हम पहली बार मिल रहे हैं। पता चला कि वे अनेक संस्थाओं से जुड़े हुए थे पर इनका पूरा व्यक्तित्व सदैव निर्विवाद रहा। अपने कार्य के प्रति ईमानदार थे अखबार के प्रकाशन में गुणवत्ता तथा नियमितता बनी रहे इस हेतु वे अपने समय का विशेष समायोजन करते थे, व्यक्तित्व हंसमुखी था।

धार्मिक - सामाजिक - मुनिराजों की सेवा - मंदिर के जीर्णोद्धार आदि में वे तन-मन-धन से सहयोग करते थे, इनका परिवार इतना अच्छा था कि 'झांसी का नाम आते ही लोग कह उठते कि वही प्रवीण जी वाला झांसी' और तो और पूरी दुनिया के वह एक ऐसे इकलौते परिवार के सदस्य थे जो अपने नाम के आगे 'विश्व परिवार' लिखता है

हम सभी विनयांजलि श्रद्धांजलि देते हुए यह मानते हैं कि इस जीव ने निश्चित ही देव गति प्राप्त की होगी।

विनयवत्
डॉ. राजेन्द्र मदिया परिवार
(प्रथम ट्रस्टी पुष्पगिरी तीर्थ)
राजिम (छ.ग.)

हार्दिक शोक

दैनिक विश्व परिवार झांसी के यशस्वी संपादक श्री प्रवीण जैन के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुखद है ।वह उत्तरांचल तीर्थ क्षेत्र कमेटी के महामंत्री थे। करगुवां तीर्थ क्षेत्र के विकास में उनका अतुलनीय योगदान रहा है। जैन विश्व परिवार के माध्यम से उनके पिता स्वर्गीय श्री कैलाशचन्द्र जी, स्वयं प्रवीण जी तथा उनके भ्राता प्रदीप जी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत नाम कमाया और जैन धर्म एवं समाज के संरक्षण में सदा अग्रणी रहे। जैन धर्म के प्रचार प्रसार में उन्होंने सदा सजग होकर अपने पत्रों का उपयोग किया और समाज को प्रबोधित किया ।पूरा परिवार धर्म परायण है तो उसका श्रेय उनके पिता के संस्कार और स्वयं प्रवीण जी एवं उनकी धर्मपत्नी का दिगंबर जैन साधुओं के सानिध्य में रहना और स्वयं को संस्कारित करना रहा है।

अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ के वे वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य थे, उनकी सेवाओं को सदा याद किया जाएगा । अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत्परिषद् दिवंगत श्री प्रवीण जैन की आत्म शांति की कामना करते हुए संपूर्ण शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।

- प्रोफेसर अशोक कुमार जैन
अध्यक्ष -एवं संपूर्ण अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत परिषद।

आ. प्रविण कुमार जी जैन, प्रधान सम्पादक-विश्व परिवार झांसी-रायपुर

आदरणीय, प्रवीण कुमार जी का आकस्मिक निधन हुवा, जानकर अतीव दू:ख हुवा! गत तिन वर्ष से मेरा नियमित विश्व परिवार मे लेखन चालु है, उनसे मिलने, या प्रत्यक्ष देखने का प्रसंग नहीं आया-! किंतु मेरे लेखनी कोसदैव आदर देते रहे!

भारत वर्ष का राष्ट्रीय पत्रकार का हमसे विदा होना, असहनिय है! आज विश्व परिवार ने राष्ट्रीय स्तर पर, स्थान निर्माण किया है, वह प्रवीण कुमार जी एवं समस्त परिवार का प्रयास है। आप धीरज राखे, परिवार जन शान्त चित्त से भ, के चरनोमे नतमस्तक होकार प्रवीण जी के कार्य को आगे बढ़ाए।

हार्दिक श्रद्धांजलि।

-एम सी जैन,पत्रकार मराठी- हिंदी लेखक
चिकलठाणा (महाराष्ट्र)

समस्त शोकाकुल परिवार जन,

भाई प्रवीण जी के निधन का समाचार जानकर दिल में बहुत गहरा दुख हुआ।

स्वर्गीय प्रवीण जी एक ऐसी शख्सियत थी,जिसकी क्षतिपूर्ति असम्भव है ।उनका योगदान समाज के प्रति, धर्म के प्रति, साधु समाज की सेवा में अग्रणी सेवाभाव, भारतवर्षीय राजनैतिक चेतना के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा ।उनके समर्पण को हमेशा कीर्तिमान के योग से सराहा जायेगा।

आज मन्दिर जी में दर्शन करते हुये भाव हुये कि प्रभु इतने कर्मशील व्यक्तिव को हम सबसे इतनी जल्दी विमुक्त करना क्या न्यायोचित है। इस पर प्रभु मुस्कराते हुए कहते हैं कि कोई भी इन्सान हमारी इजाजत के बिना एक भी सांस नहीं ले सकता है ।अत: निर्णय को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

ईश्वर परम श्रद्धेय स्वर्गीय की आत्मा को शान्ति प्रदान करे एवं समस्त शोकाकुल परिवार जन को यह अपार दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करे ।यही आराधना करते हैं। सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। शत शत नमन। ओम शान्ति, शान्ति। आप सबके दुख में सम्मलित।

ऊषा-नरेन्द्र सिंघई, इन्दौर।

दु:खद समाचार

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि दिगम्बर जैन समाज रायपुर-झांसी-भाटापारा के प्रतिष्ठित जैन विश्व परिवार, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप से सम्बद्ध श्री प्रदीप जी जैन (राष्ट्रीय परामर्श मंडल फेडरेशन) एवं श्री आलोक जी जैन (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष फेडरेशन) के भाई श्री प्रवीण जी जैन का आकस्मिक देवलोक गमन रविवार दिनांक 05 मई 2024 को हो गया है। परम् पिता परमेश्वर से प्रार्थना करते है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों मे उच्च स्थान प्रदान करे जैन विश्व परिवार पर हुवे इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस दु:ख की घड़ी में फेडरेशन परिवार शोक संतप्त परिवार के साथ है।

शांति, शांति शांति।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, राकेश विनायका, विपुल बाँझल, अतुल बिलाला, महेन्द्र बाकलीवाल

धरती का कोई किनारा नहीं होता
आकाश का कोई किनारा नहीं होता
यह थे समाजसेवी प्रवीण जैन पत्रकार इनका भी दुनिया में कोई मुकाबला नहीं होता जाने के बाद हमें महसूस हो रहा है की प्रवीण जैन क्या थे। महापुरुष कभी कहीं नहीं जाते वह सदा ही अपने साथ दूसरो का भला करते हैं और अब हमारे बीच में हमारा भाई नहीं है बात सत्य है। प्रवीण भाई थे, है और रहेंगे उनका बतलाया हुआ मार्ग हमें हमेशा आगे बड़ायेगा और मजबूत करेगा।

राजा राणा छत्र पति
हाथन के अशवार

मरना सबको एक दिन
अपनी अपनी बार
कहाँ गये चक्रि जिन
जीता भरत खंड सारा
कहाँ गये वह राम लक्ष्मण
जिन रावण मारा

सबको पता है सबको जाना है जो जन्मा है उसकी मृत्यु निश्चित है। प्रवीण जी का जाना हम सभी को दु:खद है।

आना जाना लगा रहेगा दुख जायेगा
सुख सुख सुख
आयेगा आयेगा आयेगा
विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

विनोद जैन बैरागी
बबीना

अत्यंत दुखद

अविश्वसनीय, असहनीय समाचार ,दिल व दिमाग़ दोनों को स्तब्ध कर देने वाला समाचार।

श्री प्रवीण जी जैन भाई साहेब विश्व परिवार झाँसी के साथ ही दिगंबर जैन सोशल ग्रुप परिवार के भी सदस्य के रूप मैं दिल से जुड़े रहे ।

मुझे याद है 2020 झाँसी अधिवेशन की कमान निश्चित रूप से आलोक जी ,अमीष जी ,आशीष जी के हाथ मैं थी ,पर प्रवीण भाई साहेब का सहयोग

अविस्मरणीय रहा ,उनके संबंध व व्यवहार से संपूर्ण झाँसी मैं ,जैन समाज में जो प्रभाव या कहे दबदबा देखा था वह मस्तिष्क पटल पर आज भी अंकित है।

परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है की पूरे विश्व परिवार (झाँसी रायपुर) पर आए इस अनहोनी व वर्जपात को सहन करने हेतु असीमित क्षमता प्रदान करे।

संपूर्ण फ़ेडरेशन परिवार,दुख के इस कठिन क्षण मैं प्रदीप जी (रायपुर)आलोक जी (झाँसी) एव संपूर्ण विश्व परिवार के साथ खड़ा है ।

शान्ति शान्ति शान्ति

राकेश विनायका
राष्ट्रीय अध्यक्ष दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन
भाई साब का असामयिक निधन
हृदय विदारक है सादर नमन
श्रद्धांजलि
जैन टी के वेद इन्दौर

ये शोक कहां, महाशोक है भगवन

तूं चाहता तो जमीं पर हरियाली बनी रहती ,
क्या तुझे भी इसी शख्स से यारी निभानी थी ...

मेरे परिवार व झाँसी बुंदेलखंड की जैन समाज सहित पत्रकारिता क्षेत्र में वर्षों काम का अनुभव , पूरे भारत मे जैन समाज में अपनी विशेष व अमिट पहचान के धनी, निरंतर समाज उत्थान के सजग प्रहरी पूरा जीवन समर्पित समाज के लिए , प्रखर लेखनी के धनी , सैकड़ों युवाओं /नवोदित पत्रकारों के प्रेरक व्यक्तित्व, दैनिक विश्व परिवार/कांग्रेस दर्शन के संपादक , एवं भारत के हिंदी पत्रकारिता क्षेत्र में अपनी अमिट छाप झाँसी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष आदरणीय मामा जी दिवंगत श्री कैलाश चंद्र जैन के पुत्र प्रवीण जैन का आकस्मिक निधन पत्रकारिता ही नहीं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित स्वर्णिम भविष्य को निर्धन कर गया ।

प्रवीण जैन की जीवन यात्रा का अंत जैन जगत के लिए अपूर्णीय क्षति ही नहीं विकास की अनंत यात्राओं पर भी पूर्ण विराम है ।

ज्ञान और संस्कार का दिव्यपुंज अलंकृत थे,
क्यों चल दिए तुम हर क्षेत्र में सिकंदर थे ।
नीद नहीं आंखों में और पानी भी नहीं आया,
बस खोज रहा कारण और तूं किसको नहीं भाया।
शांति! शांति!! शांति!!!

एड. अनूप जैन
दैनिक तरुण मित्र झाँसी/लखनऊ
पड़रा झाँसी

अत्यंत दु:खद

आज सुबह,जब रात्रि में हुए प्रवीन भाई सहाब के आकस्मिक निधन का समाचार सुना ,तो सुबह से मन बड़ा ही व्यथित है,कि बुन्देलखण्ड झांसी जैन समाज में राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तित्व के धनी,जैन समाज के अनमोल रत्न,वरिष्ठ समाजसेवी,वरिष्ठ पत्रकार, मिलनसार, प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी, कुशल संचालन कर्ता, कुशल नेतृत्व कर्ता, सामाजिक धार्मिक राजनैतिक हर कार्य में अग्रणी भूमिका निभानें वाले,सर्व समाज में जैन समाज की छाप छोड़ने वाले,धर्म के ज्ञाता,हर कार्य में दक्ष,अनुभवी, बड़े भाई श्री प्रवीण कुमार जैन दैनिक विश्व परिवार के निधन से समूचे जैन समाज की अपूर्णनीय क्षति हुई है,जिसकी भरपाई असंभव है,में अपने परिवार की ओर से वीर प्रभू से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में जगह दें,एवं शोकाकुल परिवार,समाज को धैर्य धारण की शक्ति प्रदान करें। शान्ति

-अशोक जैन जैनिथ

आदरणीय प्रवीण भाई साहब का अचानक ऐसे हम सभी के बीच से चले जाना न केवल उनके परिवार के लिए क्षति अपितु दिगंबर जैन समाज झांसी एवं बुंदेलखंड दिगंबर जैन समाज के लिए बहुत बड़ी छती है क्योंकि अभी जैन समाज झांसी को उनकी बहुत आवश्यकता थी/ देव शास्त्र गुरु के प्रति समर्पण...मुनि महाराज एवं साधु संतों के लिए भैयाभरती आहार बिहार निरंतर चौका लगाना एवं सेवा भाव उनके लिए बह सब प्रथम कार्य थे... ऐसे तपस्वी सेवा भाव करने वाले व्यक्ति को सद् गति प्राप्त हो मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है... मैं और मेरा समस्त परिवार यही कामना करते हैं की आदरणीय भाई साहब जहां भी रहे उच्च कोटि में स्थान प्राप्त करें.... मैं और मेरा संपूर्ण सराफ परिवार आदरणीय भाई साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि देता हूं....।

सुरेन्द्र सर्राफ, राहुल सर्राफ, सचिन सर्राफ

अत्यंत दु:खद

आज सुबह,जब रात्रि में हुए प्रवीन भाई सहाब के आकस्मिक निधन का समाचार सुना ,तो सुबह से मन बड़ा ही व्यथित है,कि बुन्देलखण्ड झांसी जैन समाज में राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तित्व के धनी,जैन समाज के अनमोल रत्न,वरिष्ठ समाजसेवी,वरिष्ठ पत्रकार, मिलनसार, प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी, कुशल संचालन कर्ता, कुशल नेतृत्व कर्ता, सामाजिक धार्मिक राजनैतिक हर कार्य में अग्रणी भूमिका निभानें वाले,सर्व समाज में जैन समाज की छाप छोड़ने वाले,धर्म के ज्ञाता,हर कार्य में दक्ष,अनुभवी, बड़े भाई श्री प्रवीण कुमार जैन दैनिक विश्व परिवार के निधन से समूचे जैन समाज की अपूर्णनीय क्षति हुई है,जिसकी भरपाई असंभव है,में अपने परिवार की ओर से वीर प्रभू से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में जगह दें,एवं शोकाकुल परिवार,समाज को धैर्य धारण की शक्ति प्रदान करें।

जय जिनेन्द्र, शान्ति शान्ति शान्ति **-अशोक जैन जैनिथ**

निशब्द

आपका जीवन हमारी प्रेरणा था, आपका आदर्श हमारा मार्ग दर्शक था। झांसी एवं संपूर्ण जैन समाज के अद्वितीय व्यक्तित्व का असमय चले जाना बहुत ही दु:ख द है, देव शास्त्र,गुरु के सच्चे आराधक, उत्तरांचल तीर्थ क्षेत्र कमेटी, पत्रकार संगठन एवं अन्य सामाजिक संगठनों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले श्रेष्ठी श्री प्रवीण जी जैन का आकस्मिक निधन बहुत ही कष्टदायी समाचार है। जिसकी क्षति पूर्ति नहीं हो सकती। आप समाज के सुदृढ़ स्तंभ एवं जैन सामाजिक कार्यों के लिए हमेशा तन-मन-धन से तत्पर रहने वाले , असाधारण वक्ता एवं कुशल नेतृत्व के धनी थे। उनका असमयिक निधन न केवल विश्व परिवार अपितु पूरे बुंदेलखंड की जैन समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। वीर प्रभु से प्रार्थना है कि वह उनके परिवार को धैर्य धारण करने की शक्ति दे। दिवंगत आत्मा की शांति की कामना ।

शांति शांति शांति

-प्रमोद जैन वैरायटी झांसी

आपका यूँ हम सभी को छोड़कर चला जाना, विश्वास ही नहीं हो रहा है, अत्यंत दु:खद और दिल दहला देने वाली घटना, 05/05/2024 की रात्रि जैसे कोई वज्राघात हुआ हो, सुनकर नि:शब्द रह गया। देव शास्त्र गुरू की सेवा में हमेशा समर्पित बुंदेलखंड गौरव धार्मिक कार्यक्रम और समाजसेवा में हमेशा अग्रणी विराट व्यक्तित्व श्री प्रवीण कुमार जैन विश्व परिवार झाँसी अब हमारे बीच नहीं रहे। वीर प्रभु भगवान महान दिवंगत आत्मा को शांति एवं विश्व परिवार सहित हम सभी को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

मनोहर झांझरी, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव
दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन इंदौर

शोक संदेश

श्री प्रवीण कुमार जी जैन सुपुत्र स्व श्री कैलाश चंद्र जी जैन प्रधान संपादक दैनिक विश्व परिवार झांसी का सिद्ध परमेस्टी भगवान का स्तवन करते हुए देवलोक गमन 05.05.2024 शुक्रवार को हो गया है।

यह समाचार सुनकर समस्त तिलक हैंडीक्राफ्ट्स किशनगढ़ परिवार को गहरा आघात लगा। श्री प्रवीण भाई साहिब अत्यंत ही मरदभाषी मिलनसार व्यवहार कुशल हसमुख स्वभाव के धनी थे। आप हमेशा देव शास्त्र गुरु मुनि भक्त आहार चर्या समाज में बड़चढ़ कर अपना मार्ग हिस्सा लेने और मार्ग दर्शन प्रदान करते थे।

मगर होनी को कोई नहीं टाल सकता है जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु भी निश्चित है ।आपकी कमी परिवार में तो हमेशा खलेगी अपितु समाज में आपके योगदान और सहयोग की कमी हमेशा रहेगी।

हम सभी इस दुख की घड़ी में आपके परिवार के साथ है और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को चिर शान्ति प्रदान करे और परिवार के सभी सदस्य और ईस्ट मित्रो को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

हम सभी आपके दुवीख में सहभागी। शांति शांति शांति

सभी तिलक परिवारजन मदनगंज
किशनगढ़ अजमेर राजस्थान

विनम्र श्रद्धांजलि

दैनिक विश्व परिवार के संपादक उत्तरांचल तीर्थ क्षेत्र कमेटी के महामंत्री बुंदेलखंड गौरव प्रखर वक्ता जैन समाज के स्तंभ हम सबके प्रिय देव शास्त्र गुरु में पूर्ण श्रद्धा रखने वाले सदैव गुरुओं के प्रति समर्पित रहने वाले भाई श्री प्रवीण कुमार जी जैन के अल्प आयु में देवलोक गमन हो जाने से संपूर्ण जैन समाज स्तब्ध है भाई प्रवीण जी के असमय संसार से चले जाना परिवार के लिए एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति है मेरा भाई जी से समय-समय पर मेल मिलाप एवं वार्तालाप होता रहता था मैं अपने आप को अत्यंत दुःखद महसूस कर रहा हूं मैं दिगंबत आत्मा के प्रति द्धश्रह्णद्धअपने परिवार की ओर से एवं अखिल भारतीय श्री दिगंबर जैन पद्मावती पुरवाल पंचायत महासभा की ओर से श्रद्धा के सुमन अर्पित करता हूं व वीर प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को सद्गति प्राप्त हो एवं पारिवारिक जनों को इस दुख की घड़ी में समता भाव रखने की असीम शक्ति प्रदान हो ओम शांति ओम शांति

शोकाकुल- विजय जैन एटा
राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय श्री दिगंबर जैन पद्मावती पुरवाल पंचायत महासभा एवं समस्त कार्यकारिणी महासभा

यह जानकर कि मेरे भाई श्री प्रवीण कुमार जैन का आकस्मिक निधन दिनांक 05.05.2024 को हो गया। मन को अत्यधिक पीड़ा हुई, क्योंकि दिनांक 05 मई को मेरी मुलाकात डॉ. मणीन्द्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई थी। साथ बैठकर स्नेह से परिपूर्ण नाश्ता किया था। हर्ष पूर्ण वातावरण था। दिनांक 06 मई को जब मैंने यह शोकाकुल समाचार सुना तो स्तब्ध सा रह गया। हृदय को अपार वेदना हुई। आप जैसी पुण्य आत्मा जीव के निधन पर अश्रुपूरित नेत्रों से अपनी भावभीनी शोक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ एवं अरिहंत भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को ईश्वर अपने चरणों में चिर स्थाई शांति प्रदान करें एवं परिवार को यह असीम दु:ख सहन करने एवं धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करें।

धरणेन्द्र कुमार जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री दिगम्बर जैन महासमिति

****

प्रिय श्री आलोक जी,

श्रीमान प्रवीण जी जैन जैसे पत्रकार , सामाजिक , धार्मिक , राजनीतिक हस्ती का यू अकस्मात् हमसे बिछुड़ जाना , बड़ी समाजीक क्षति है ,

दो महीने पहले ही अयोध्या में राष्ट्रीय सर्व जातीय महासम्मेलन में दो दिन साथ रहे , श्री प्रवीण जी ने सम्मेलन को अपने उत्कृष्ट विचारों से मार्गदर्शन प्रदान किया था।

श्री प्रवीण जी अत्यंत धार्मिक थे निश्चित ही उच्च सद्गति पाई होगी , विश्व परिवार में हुई बड़ी क्षति हेतु शक्ति प्राप्त हो।

विनम्र श्रद्धांजलि शांति

हसमुख जैन गांधी,
राष्ट्रीय मंत्री तीर्थ क्षेत्र कमेटी

इस समाचार ने हम सभी को व्यथित कर दिया। ईश्वर उनकी आत्मा को सद्गति प्रदान करे परिजनो को दुख सहन करने शक्ती प्रदान करे।

घनश्याम अंजना जबलपुर

****

प्रिय भाई प्रवीण जी से पहली बार रायपुर में ही मुलाकात हुई थी ।बहुत प्रभावित हुआ था। योग्य और मिलनसार थे।दुखद समाचार जानकर अपार दु:ख हुआ ।

प्रभू दिवंगत आत्मा को शान्ति व परिवारीजनों को इस दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें ।

अशोक कुमार नवरत्न
पूर्व सदस्य, पीसीआई

****

परम आदरणीय मेरे बड़े भाई क्यों चले गए हम सबको छोड़कर हमें क्या पता था कि आप चले जाओगे हम तो जाते ही नहीं आपके पास से ।अब झांसी हुई सूनी ।क्षति शायद ही कोई पूरी कर पाए ।आज वाकई में पूरा भारतवर्ष रोएगा और रो रहा है।

-संजय जैन
करगुवां जी

एक कर्मयोगी को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

फूलों पर आंसू के मोती और अश्रु में आशा। मिट्टी के छोटे से जीवन की नपी तुली परिभाषा।।

मृत्यु शाश्वत है यह हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। लेकिन आत्मा अजर अमर है यह हमेशा याद रखना चाहिए।

सर्वप्रिय परम मित्र प्रवीण जी (दैनिक विश्व परिवार) आप हम सभी से इस तरह रुखसत होंगे ऐसा तो कभी सोचा ही न था।

सामाजिक कार्यों एवं धार्मिक आयोजनों की चलती फिरती पाठशाला थे आप।

चाहे मुनि महाराजों की आहार चर्या हो या फिर विहार हो,चातुर्मास हो, पंचकल्याणक हो, यति सम्मेलन हो,मंदिरों का जीर्णोद्धार एवं निर्माण हो इन सभी में आपका सहयोग हमेशा प्रथम पायदान पर होता था।

आप जैसे कर्मवीर के असमय जाने से ऐसी रिक्तता हुई है जो मुझे नहीं लगता कि कभी भर पाएगी।

मेरा ऐसा मानना है कि आप जैसे पुन्यशाली भव्य आत्मा विरले ही होंगे जिन्होंने अल्प समय में झांसी ही नहीं बल्कि देश में भी अपने हंसमुख विराट व्यक्तित्व से एक अलग पहचान स्थापित की।

निश्चित रूप से वर्तमान में एवं आने वाली पीढ़ियां समाज के प्रति आपकी कर्मठता का स्मरण करती रहेंगी।

आपकी सादगी,निर्भीकता,निडरता एवं धार्मिक कार्यों के प्रति समर्पण समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे।

आपने अपने सम्पूर्ण जीवन को अनुकरणीय एवं सार्थक बना दिया।

आपको सदगति के साथ साथ उच्च जैन कुल प्राप्त हो ऐसी मैं वीर प्रभु से कामना करता हूं।

कहने को तो बहुत कुछ है फिर भी कहे देता हूं-

रहने को सदा दहर में आता नहीं कोई,
मित्र तुम जैसे गए ऐसे भी जाता नहीं कोई।

दुखी हृदय
राजेश जैन (बीड़ी वाले)
पूर्व सभासद नगर निगम, झांसी

आपका यूँ हम सभी को छोड़कर चला जाना, विश्वास ही नहीं हो रहा है, अत्यंत दु:खद और दिल दहला देने वाली घटना, 05/05/2024 की रात्रि जैसे कोई वज्राघात हुआ हो, सुनकर नि:शब्द रह गया। देव शास्त्र गुरू की सेवा में हमेशा समर्पित बुंदेलखंड गौरव धार्मिक कार्यक्रम और समाजसेवा में हमेशा अग्रणी विराट व्यक्तित्व श्री प्रवीण कुमार जैन विश्व परिवार झाँसी अब हमारे बीच नहीं रहे। वीर प्रभु भगवान महान दिवंगत आत्मा को शांति एवं विश्व परिवार सहित हम सभी को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

कमलेश कासलीवाल, इंदौर

अति दु:खद

अति दु:खद समाचार बुंदेलखंड ही नहीं सम्पूर्ण देश जैन धर्म के प्रचार प्रसार के जन कल्याण के कार्य करने वाले प्रवीण जी दैनिक विश्व परिवार का हार्ट अटैक से चले जाना दु:खद है।

महान शोक का विषय हम सभी की बहुत बड़ी क्षति हुई भगवान उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे ।उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि

-पं. श्रेयांस जैन, बडौत

हृदय विदारक

आपके अनुज प्रवीण जैन जी के अचानक देहावसान का दुखद समाचार हृदयविदारक है ।परिवार के लिए असहनीय पीड़ा का समय ।प्रभु दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करें ।

मेरी समस्त संवेदनाएं आप सब स्वजनों के साथ हैं ।अभी मैं एक कार्यक्रम में सिलचर आया हूं ।लौटकर आपसे मिलता हूं । शांति।

-बलदेव भाई शर्मा, कुलपति
कुशाभाऊ ठाकुरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर

देश भर से श्रद्धांजलियाँ, शोक सन्देश

परम आदरणीय श्री प्रदीप जैन जी संपादक दैनिक विश्व परिवार रायपुर।
परम आदरणीय स्वर्गीय श्री प्रवीण जैन (झांसी) जी के चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि।
स्वर्गीय श्री प्रवीण जैन जी का निधन पूरे भारत वर्ष की जैन समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है।
जिसकी पूर्ति कभी भी नही की जा सकती है।
स्वर्गीय श्री प्रवीण जी देव शास्त्र गुरु एवं जैन धर्म के अनन्य उपासक के साथ भारत की अनेक समाज सेवा संस्था के प्रमुख रहें हैं।
मिडिया के क्षेत्र में प्रमुखता से प्रखर रहते हुए समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाते रहें हैं।
55 वर्ष की अल्पायु में आप हम सभी से भले ही दूर हो गये है लेकिन आप ने समाज में अपनी जो अलग छवि बनाई थी वह हमेशा अमिट रहेगी।
आदरणीय श्री प्रदीप जी (संपादक दैनिक विश्व परिवार रायपुर) के आप लघु भ्राता थे।
आज आप हमारे बीच नहीं हैं लेकिन आपका विराट कार्य क्षेत्र व्यस्तता अनेक जवाबदेही युक्त कार्य होने के पश्चात रायपुर में परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी की विनयांजलि सभा में सहभागिता एवं आचार्य श्री जी के चरणों में आपका समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे।
आपकी ईस श्रद्धांजलि विशेषांक के प्रकाशन पर हम सभी अकलतरा जैन समाज के सदस्य अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
एवं परिवार में आये इस विषय दुख पर अपनी संवेदना ब्यक्त करते हैं।
जय जिनेन्द्र

सुशील जैन अकलतरा
संरक्षक जैन समाज अकलतरा।

पुनः मिलन होगा

पिछली 3 मुलाकात में ही हमसे इतनी आत्मीयता बना ली थी कि रह-रह कर चिंतन का विषय बन रहे हैं, विश्व परिवार का इतना लंबा साथ रहा, आपके इस वियोग जन्य दु:ख के बारे में सोचते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं।
पर आप लोग विश्वास रखें वे उत्तम स्थान पर हैं और आप सभी भद्र परिणामी जीव हैं, सबका एक दिन दीर्घ काल के लिए पुन: मिलन होगा।

-सुनील भईया जी,
डिप्टी जीएम, बीएसएनएल
रायपुर

****

Deep condolences.God bless Praveen beta.

K. Vikram Rao
National President,
IFWJ

Deep Condolences

Our deep Condolences on sudden demise of Paveen Jain ji.

-Amitabh Jain (IAS)
Chief Secretary, Chhattisgarh

****

VERY SAD

Very Sad to know this. He is a dear friend of mine and lets all pray for his soul to rest in peace.Will come and meet you once the elections get over.

-Andra Vamsi (IAS)DM, Basti (UP)

****

Abhi kuchh din pahle hi to bhaiya se adha ghanta baat ki thi ghar pe baith ke .mujhe kah rahe the Jhansi aaiyega .sab darshan karwayenge aapko. Aur achanak itna smiling .energetic .dharm aur pariwar ke prati purn samarpit bhaai Hume chhorke chala gaya dev shashtra guru ki sharan me .panch parmeshthi unki Divya aatma ka moksh maarg prashast kare .aur hum sabko dukh sahne ki shakti de .

-Dr. Neena Jain, Raipur

स्तब्ध हूँ

श्री प्रवीण कुमार जी जैन प्रधान सम्पादक दैनिक विश्व परिवार झाँसी के असामयिक निधन की सूचना पाकर स्तब्ध हूँ।
महान व्यक्तित्व के धनी ओजस्वी वक्ता पत्रकार लेखक एवं जैन समाज के सशक्त स्तम्भ के रूप में युवा हृदय सम्राट थे । श्री प्रवीण जी को मैंने सन् 1994 में रानी लक्ष्मी बाई पार्क के सामने झाँसी में श्रीचन्द प्रभ दिगम्बर जैन मंदिर की पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के समय आपकी विलक्षण प्रतिभा को निकट से देखने एवं बड़े महोत्सव में बड़े पद रहकर आपके नेतृत्व को भी आज से 30 वर्ष पूर्व निहारा था।
आप एवं बड़े भैया आदरणीय श्री प्रदीप कुमार जी दोनों भाईयों में राम-लक्ष्मण जैसा वात्सल्य सदा ही देखने को मिला। चूकिं यह सब आपको अपने पूज्य पिता श्री कैलाश चंद जी जैन दैनिक विश्व परिवार से विरासत में मिला जिसको आप दोनों भाइयों ने सतयुगी पुत्र के रूप में आत्मसात किया
मैं अत्यंत दुखित हूँ कि हमारे बीच से अखिल भारत वर्ष की जैन समाज का उदीयमान नक्षत्र श्री प्रवीण कुमार जी का अस्त हो गया। आज धर्म समाज की सेवा में किए गए उनके कार्यों को लोग अपना आदर्श मानेंगे।
मैं चिंतामणि पाश्वनाथ स्वामी से यही प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा अगले भव में अर्हंत बने, यही कामना करता हूं।

पं. वर्धमान कुमार जैन सोंरया प्राचार्य,
सम्पादक वीतराग वाणी मासिक
टीकमगढ़ (म0प्र0) मो. 9407060670

मेसेज देख कर मन काफी दुखी हुआ। जैन समाज की अपूरणीय की क्षति है। सामाजिक, धार्मिक कार्यो में हमेशा बड़ चढ़ कर योगदान मिलनसार पूरे समाज को साथ मे ले कर चलने वाले ब्यक्ति थे ऐसे चले जाना सभी को दुखी करता है ।
लेकिन जो होना है अटल सत्य है होनी के आगे हम सब नतमस्तक है। वीर प्रभु से प्राथना है जहाँ भी जाये सदगति मिले और परिवार में आये गहन दुख सहन करने की सामर्थ्य प्रदान करे।
ओम शांति ओम शांति ओम शांति

-नरेन्द्र जैन, मैनेजिंग ट्रस्टी,
मालवीय रोड मंदिरजी, रायपुर

****

Om Shanti

Heart felt condolences. May God give strength to you and your family in this difficult time.

-Kamal Nayan Narang
Ex. Member, PcI

झांसी एवं गोलालारिय जैन समाज के अद्वितीय व्यक्तित्व का अकाल काल में समा जाना बहुत ही हृदय विदारक सूचना है। देव-शास्त्र-गुरु के सच्चे आराधक, उत्तरांचल तीर्थ क्षेत्र कमेटी, पत्रकार संगठन एवं अन्य सामाजिक संगठनों में अग्रणी भूमिका निभाने वाला श्रेष्ठी श्री प्रवीण जी जैन का आकस्मिक निधन बहुत ही कष्टदायी समाचार है।
आप समाज के सुदृढ़ स्तंभ एवं जैन सामाजिक कार्यों के लिए हमेशा तन-मन-धन से तत्पर रहने वाले महोदय थे। असाधारण वक्ता एवं कुशल नेतृत्व के धनी थे। उनके असमयिक निधन न केवल उनके परिवार अपितु पूरे जैन समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। वीर प्रभु से प्रार्थना है कि वह उनके परिवार को धैर्य शक्ति दे।

-पारस जैन

प्रिय प्रवीण जी के चिर निद्रा मे जाने से जो रिक्तता आई उसकी पूर्ति तो असम्भव है।रह रह कर अतीत के सारे पन्ने चल चित्रो की भांति मेरे समक्ष खुलने लगे। स्मरण आते है वे दिन जब झांसी मे भाई कैलाश चन्द्र जी जैन ने बडे संघर्षो मे विश्व परिवार का प्रारम्भ कर संचालन किया था।रोगग्रस्त, गले मे पटटा बांधे सदैव सामाजिक और पत्रकारिता मे जुटे रहे। अपने बच्चों को संस्कारित किया और अहम विरासत सौंप गये थे। प्रवीण और प्रदीप ने भी श्रम पूर्वक विरासत संभाली ही नही आगे भी बढाया। अपने प्रदेश के साथ बाहर के प्रदेश तक मे भी झंडे गाढ़े। पर यह क्या एक प्रवीण का स्तम्भ अचानक ढहने से शोक का पहाड टूट पडा। उस परिवार के साथ हम सभी परिजन स्वजन भी कातर हो उठे,,,। पर विधि विधान के आगे हम सभी वेवस। जिनेश प्रभु आत्म शान्ति दे और परिजनो को धैर्य प्रदान करे । उक्त परिवार सचमुच विश्वपरिवार बने, वसुधैव कुटुंबकम की अलख जगाये- यही कामना है। शोक के इस अवसर पर आत्मीय श्रद्धांजलि समर्पित।
संवेदनाओं सहित

डॉ. कैलाश मड़बैया पद्म श्री
राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय बुंदेलखंड परिषद, 75 चित्रगुप्त नगर, कोटरा, भोपाल (म. प.)462003 मोबा. 9826015643

आवश्यक सूचना

श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर,शंकर नगर ,रायपुर मंदिर समिति के सम्माननीय संरक्षक सदस्य आदरणीय श्री प्रदीप जैन जी के परिवार में उनके भाई के दुखद आकस्मिक निधन की घटना होने के कारण आगामी 10 मई से 12 मई 2024 में आयोजित आरम्भ त्रि दिवसीय शिविर का आयोजन वर्तमान में स्थगित किया जाता है। निकटवर्ती अनुकूल समय में आयोजन प्रस्तावित है। तिथि निश्चित होते ही आगामी सूचना दी जावेगी।

असुविधा हेतु खेद है।
श्री दिगम्बर जैन समाज पंचायत सेवा समिति, शंकर नगर, रायपुर

शोक श्रद्धांजलि सभा

आज एक शोक श्रद्धांजलि सभा विद्यालय के अध्यक्ष सुभाष जैन सत्यराज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमे दैनिक विश्व परिवार के प्रतिष्ठित सम्पादक श्री प्रवीण कुमार जैन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुये अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।
उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने कहा कि एक विनम्र, कर्मयोगी इंसान थे। अध्यक्षता करते हुये सुभाष जैन सत्यराज ने बताया कि श्री प्रणीण जैन मेरे छोटे भाई के तुल्य रूप में हमेशा ही रहे वे एक शानदार एवं जानदार व्यक्तिव के धनी थे। प्रतिदिन उनसे मिलना एवं मोबाइल पर जन-कल्याणकारी कार्यों हेतु चर्चा करना लगभग निश्चित था। अनेको धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के पद पर रहते हुये उन्होंने तन मन एवं धन से उनके प्रति समपर्ति रहते हुये कार्य कर उन्हें आगे बढ़ाया श्री प्रवीण जी के निधन को अपूर्णनीय क्षति बताते हुये कहा कि यह जैन समाज ही नही बल्कि पूरे झांसी को अकल्पनीय क्षति है जिसे शायद कभी पूरा नहीं किया जा सकता सभी ने दो मिनट का मौन रखते हुये भगवान से प्रार्थना की कि इस गहरे दुख की घड़ी में संत्त परिवार को धैर्य धारण करने की पूर्ण शक्ति एवं दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करते हुये अपने श्री चरणों में स्थान है।
ओम शांति ओम शांति ॥

अशोक जैन एड.-प्रबन्धक
सुभाष जैन सत्यराज- अध्यक्ष

श्री प्रवीण जी जैन झांसी के दुखद अवसान पर हार्दिक श्रद्धांजलि। एक सच्चा समाज सेवी चला गया।

-अशोक बड़जात्या राष्ट्रीय अध्यक्ष
दिगम्बर जैन महासमिति, इंदौर

****

हे भगवान महान वज्रपा। संपूर्ण जैन समाज मैं दुख की लहर।
भावभीनी श्रद्धांजलि, शान्ति

-प्रदीप जैन पीएनसी परिवार आगरा

****

झाँसी वाले बड़े भईया जी का निधन समाचार की जानकारी लगी दुखद पल में गोधा परिवार आपके इस दुख में सहभागिता रखता है वीर प्रभु उनकी आत्मा को आपने चरणों में स्थान देवें।

-अतुल गोधा, संचालक
अतुल पब्लिसिटी, रायपुर

****

आदरणीय भाईसाहब
ये जानकर हम सभी को अत्यंत दुख हुआ की हम सभी के प्यारे पप्पू भाईसाहब अब हमारे बीच नहीं रहे , बिलकुल भी इस बात को मानने का मन नहीं कर रहा है! उनके साथ बिताये हुए हर पल आँखों के सामने आ रहे है। हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते है उनको सदगति और हम सभी को इस दुख को सहन करने की शक्ति दे । इस दुख की घड़ी हम सभी आपके साथ है!

-बिंटो (दिल्ली/ गुड़गाँव)

****

दुखद खबर
बहुत ही दु:खद ख़बर पढ़ने को मिली ।आपके भ्राता का अचानक यूँ चला जाना हृदय विदारक है । उनको नमन।

-गिरीश पंकज, वरिष्ठ साहित्यकार रायपुर

****

मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा। ऐसा है तो बहुत दुखद।प्रवीण जी की समाज को बहुत आवश्यकता थी।
विनम्र श्रद्धांजलि

-वेद चंद्र जैन पत्रकार पेंड्रारोड

****

स्तब्ध हूँ
अपूर्णीय क्षतिख भरपाई करना मुश्किल है

-विनोद जैन बड़जात्या, रायपुर

****

इतनी तेजी से तो बिजली भी नहीं गिरती
भाई साहब ..कहां तुम चले गए।

-अनुराग जैन, करगुवां जी

****

श्रीमान प्रवीण कुमार जी जैन के आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर अत्यन्त दु:ख हुआ। वे अत्यन्त दयालु सहृदय सज्जन व्यक्ति थे। वीर प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्राप्त हो एवं परिवार जनो को दु:ख सहन करने की शक्ति मिले ।

-डॉ. डी सी जैन, दिल्ली

****

अत्यंत दुखद हुआ आपके भाई का जाना परिवार और समाज के लिए बहुत बड़ी अपूर्णीय छती है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। **शांति**

-संतोष चचा दिल्ली निवारी वाले
संयोजक राष्ट्रीय गोलालारे समाज संगठक

****

बहुत ही दुखित समाचार
प्रवीण भाई साहब का अचानक इस दुनिया से चला जाना जैन समाज के लिए अपूर्णछती है प्रवीण भाई साहब कुशल नेतृत्वकर्ता एवं सभी ध्यान रखने वाले व्यक्तित्व के धनी थे मैं वीर प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें भगवान अपने श्री चरणों में जगह दे ।

-शिरोमणी जैन, मंत्री करगुवां जी

****

अत्यंत पीड़ादायक समाचार
बहुत ही दुखद समाचार बुंदेलखंड जैन समाज के जननायक श्रीमान प्रवीण जैन पत्रकार दैनिक विश्वपरिवार संपादक का हार्ट अटैक आने से हुआ निधन पूरी जैन समाज में शोक की लहर भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

-प्रमोद जैन, पप्पू राजनांदगांव

****

विनम्र श्रद्धांजलि
हर्दय को अत्यंत पीड़ा देने वाले इस दुख कि घड़ी मे ईश्वर से विनम्र प्रार्थना करते हैं कि दिवगंत आत्मा को परम शांति प्राप्त हो तथा उनके स्नेहीजन और परिवार को इस दुख को सहन करने कि शक्ति दें।।

-संयोग जैन, सुयोग जैन
एवं समस्त भंडारी परिवार

****

अविश्वसनीय, हृदयविदारक मैं जो महसूस कर रहा हूं। वे शब्द वर्णन किए जा सकते नहीं,मेरी प्रार्थना आदरणीय प्रवीण अंकल के लिए और परिवार के साथ है। ईश्वर पवित्र आत्मा को शांति एवं सद्गति प्रदान करें।

-यश सिंघई

****

एक ऐसा व्यक्तित्व जिन्होंने कलम को एक नई दिशा दी। उनका ऐसे ही यूं ही चले जाना निश्चित रूप से पत्रकार जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। छोटा हो या बड़ा सभी कोज्ञ ऊपर उठाने का कार्य आपके द्वारा किया गया।आपकी मदुता आपकी व्यवहार कुशलता युगों युगों तक अविस्मरणीय रहेगी। महान व्यक्तित्व के चरणों में कोटि-कोटि नमन

-आचार्य जिनेन्द सिंघई पत्रकार, बडा मलहरा

****

अविश्वनीय अत्यंत दुखद घटना
स्तब्ध है, निशब्द है, देव, शास्त्र और गुरु की सेवा में सदैव समर्पित, सामाजिक कार्यो में सर्वश्रेष्ठ पुरुषार्थ करने वाले एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति प्रवीण कुमार जैन (विश्व परिवार)का जाना परिवार के लिए तो बहुत बड़ा दुख है ही अपितु पूरे जैन समाज के लिए यह अपूरणीय क्षति है । वीर प्रभु जी से विनम्र प्रार्थना है उनकी जीव आत्मा को सद्गति प्रदान करे परिवार को इस अपार दुख की घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति दे। हम अपने परिवार ,एवम पुलक मंच ,की ओर से दिवंगत आत्मा के चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते है। **-सिघई संजय जैन**

भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि

आदरणीय भाईसाहब श्री प्रवीण कुमार जी जैन (दैनिक विश्व परिवार) का आकस्मिक निधन समस्त परिवार के साथ साथ जैन समाज, सामाजिक संगठनों, पत्रकारिता से जुड़े हुए लोगों के लिए भी अपूर्णनीय क्षति हैं ।
उनका सम्पूर्ण जीवन सच्चे देव-शास्त्र-गुरुओं व धर्मायतनों एवम् समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा। वह अनूठे कृतित्व (लेखनी) व उत्कृष्ट कर्तित्व (कार्य क्षमता) के धनी व्यक्ति थे। वह अपार ऊर्जा के साथ धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सपरिवार इष्टमित्रों सहित जुड़कर तन-मन-धन से भागीदारी करते रहे। दु:ख की इस घड़ी में मैं अपनी व अपने परिवार की ओर से शोक संवेदना प्रकट करते हुए आदरणीय भाईसाहब के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं । और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें एवम् शोकाकुल परिवार को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति दें।
शान्ति...शान्ति...शान्ति

श्रद्धावनत
-सौरभ जैन सर्वज्ञ

****

बेहद दुखद समाचार

आदरणीय प्रवीण भाईसाहब ने श्री दिगम्बर जैन समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी (महामंत्री श्री दिगम्बर जैन उत्तरांचल तीर्थ क्षेत्र कमेटी) के साथ-साथ उ. प्र. पत्रकार संघों के विभिन्न पदों पर रहकर समाज के लिए अपना महत्पूर्ण योगदान दिया है ।हमारे परिवार के अभिन्न संरक्षक होने के नाते वो हमसे अक्सर बातें किया करते थे ।पहले एक माह पूर्व हमारे आदरणीय चाचाजी स्व. सुरेन्द्रनारायण शर्मा जी जो कि आधी शती से दैनिक विश्व परिवार से जुड़े रहे , का जाना और उनके बाद आदरणीय प्रवीण भाईसाहब का अकस्मात इस तरह से जाना हमारे परिवार की अपूर्णनीय क्षति है ।आदरणीय प्रवीण भाईसाहब को सादर श्रद्धांजलि एवं नमन ।परमपिता परमेश्वर अकस्मात हुए इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करे । ऊँ शान्ति

-सिद्धार्थ शर्मा, ललितपुर

शोक श्रद्धांजलि

आज एक शोकसभा अति वीर सुभाष जैन सत्यराज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें दैनिक विश्व परिवार झांसी के यशस्वी सम्पादक वरिष्ठ समाजसेवी अनेको धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े विनम्र मृदुभाषी श्री प्रवीण कुमार जैन का आकस्मिक निधन पर अश्रुपूरित शोक श्रद्धांजलि दी। वे जैन मिलन शाखा के अध्यक्ष रहने के पश्चात् संरक्षक के पद पर आसीन थे इस अपूणीय क्षति से पूरा जैन मिलन परिवार एवं जैन समाज स्तब्ध एवं अत्यंत दुखी ही है सभी ईश्वर से प्रार्थना करते है कि इस अपार दुख की घड़ी में शोक संतृप्त परिवार को धैर्य धारण करने की शक्ति एवं दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें। ओम शान्ति।

सुभाष जैन सत्यराज- अध्यक्ष
सी.ए. दीपक जैन- कोषाध्यक्ष
बृजेन्द्र मोदी- सचिव
जैन मिलन शाखा, झांसी

****

लघु उद्योग भारती झाँसी शाखा श्री प्रवीण जैन जी के आकस्मिक देहावसान पर हृदय से दु:ख व्यक्त करती है। आदरणीय प्रवीण जैन जो एक कर्मठ, जुझारू और प्रखर व्यक्तित्व के धनी प्रदेश स्तर के पत्रकार और संम्पादक रहे। उनके इस आकस्मिक निधन पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है।
प्रभू से प्रार्थना है कि उनके परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

प्रार्थी
समस्त लघु उद्योग भारतीय झाँसी परिवार

श्री श्री पावागिरि शिक्षण संस्थान, झांसी

शोक संवेदना पाती

अत्यंत हृय विदारक शोक की बात है कि आज हमारे बीच ऐसी सख्सियत का अभाव हो गया है जिन्होंने कई तीर्थों के निर्माण में अपना योगदान दिया। अनगिनत साधुओं की यथायोग्य सेवाएं की, कई जैन एवं जैनेत्तर संस्थाओं का प्रतिनिधित्व किया, पत्राचार जगत में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां प्राप्त की। अपने परिवार/ कुटुम्ब को ही नहिं अपितु सफ्ल जैन समाज को एक नई दिशा दिखाने का सतत् प्रयास किया। उनका गमन केवल झांसी बुंदेलखण्ड ही नहीं पूरे भारत के लिये अपूर्णनीय क्षति है। ऐसे दिव्य आत्मा के धारी परमचरित्र के धनी अथाह ऊर्जावान कीर्तिशेष श्री प्रवीण कुमार जैन (विश्व परिवार झांसी) आप जहां भी होंगे उच्च गति को ही प्राप्त हुये होंगे। इसी भावना के साथ श्री पावागिरी शिक्षण संस्थान झांसी सजल नयनो से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

"हजारों वर्षों में मनुष्य पर्याय मिलती है
उच्च चरित निर्माण में जिन्दगी निकलती है,
ऐसे कैसे हमें छोड़ कर जा सकते हो तुम
इतनी तेजी से तो बिजली भी नहीं गिरती"

अध्यक्ष- भरत चन्द्र जैन एड.
संरक्षक-प्रदीप जैन आदित्य
कोषाध्यक्ष- अशोक कुमार जैन (रतन सेल्स)

विनम्र श्रद्धांजलि

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र टोड़ी जी के संरक्षक एवं दैनिक विश्व परिवार के मुख्य सम्पादक एवं मालिक बुन्देलखण्ड जैन समाज के जननायक श्रीमान प्रवीण जैन का झांसी में आज हृदयगति रूक जाने के कारण देह परिवर्तन हो गया, पूर्ण जैन समाज में शोक की लहर है।
श्री प्रवीण जैन ने टोडी जी जैन मंदिर एवं वहां पर संचालित "कृष्णा दीदी मैमोरियल जैन शिक्षा निकेतन" स्कूल में अपनी अमूल्य सेवायें दी जिससे जैन समाज उनका ऋणी रहेगा।
टोडी जी में पूर्व में हुये भव्य एवं अद्वितीय पंचकल्याणक के सफ्ल संचालन में अपनी अहम भूमिका निभाई थी उस समय मुझे उनके साथ निरंतर कार्य करने का अवसर मिला था।
श्री वीर प्रभू जी से ऐसी भावना है कि उन्हें अपने चरणों में यथा स्थान प्रदान करें।

ओम शांति
-वी.के. जैन, फ्रीदाबाद

अत्यंत दुखद

अविश्वसनीय, अकल्पनीय, असहनीय, कठोर वज्रपात ईश्वर की कठोरतम परीक्षा परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करते है कि आपको व पूरे दैनिक विश्व परिवार को इस दु:ख को सहन करने के लिए असीमित क्षमता प्रदान करे।
ओम शांति, ओम शांति, ओम शांति
मेरे भाई, समाज सेवी, पत्रकार, गुरु भक्त, सच्चे सेवक, भारत की शान, आप थे महान, कहाँ चले गये, सदा जैन धर्म के धवज् को लहराने वाले श्री प्रवीण कुमार जी जैन मोक्ष की यात्रा पर गये हैं।
वीर प्रभु अपने चरणों में जगह दे विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

-विनोद जैन वैरागी बबीना

आदरणीय प्रवीण जी भाई साहब के चरणों में सादर नमन
भाई साहब का शरीर हमारे बीच नहीं परंतु भाई साहब के कार्य सदा अमर रहेंगे वह हम सभी की स्मृतियों में सदैव रहकर हम सभी का उत्कृष्ट धर्म एवं समाज सेवा के कार्य में हमारा मार्गदर्शन करेंगे उनका सरल व्यक्तित्व हमेशा हम सभी को प्रेरणा देगा भाई साहब का वियोग बहुत ही दुखद एवं कष्टदायी है भगवान विश्व परिवार एवं भाई साहब के शुभचिंतकों को इस महा दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें यही प्रार्थना है इस महा विपत्ति के समय आप धैर्य रखकर अपना एवं परिवार का ध्यान रखने की कृपा करें हमारी संवेदनाएं आपके साथ हैं।

ओम शांति
-चौधरी संजय जैन, बरुआसागर

अनंतानंत सिद्ध परमेष्ठी भगवान की जय

जीव अपनी पर्याय निश्चित रूप से बदलता है, पर असमय
जीव अपनी पर्याय बदले यह प्रकृति का क्रूरतम मजाक मनुष्य के लिये, और उसी का एक हिस्सा कि हम सबका प्रिय हमारा अनुज (बुआ का बेटा) प्रवीण हम सबको छोड़कर असमय ही हमेशा-2 के लिये देवलोक गमन कर गया।
रिश्तेदारो की शान, मिलने जुलने बालों को अपने आकर्षक व्यक्तित्व से अपनी ओर मोड़ने बाले प्रवीण जी जब तक हम सबके बीच रहे अपने जीवन के साथ-2 दूसरों भी जीवन कैसे अच्छे से अच्छा हो इस बात का इन्होंने भरपूर ख्याल रखा!
प्रवीन जी के एक ऐसे प्रोफेशन का काम संभाला कि बड़े से बड़ा अधिकारी एवं छोटे से छोटा व्यक्ति भी तुमसे मिलकर प्रशन्नता का अनुभव किया करता था।
आपने स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर समाज के विभिन्न पदो पर रहकर समाज एवं देश की जो सेवा की वह काबिले तारीफ
अपनी निर्भीक एवं उच्च लेखन शैली से जन-जन के दिलों पर राज करने बाले ऐसे सरताज को मेरी ओर से एवं समस्त नौगांव परिवार की ओर से सो-सौ बार अश्रुपूरित नमन

-राकेश जैन नौगांव

शोक संवेदना विनम्र श्रद्धांजलि

नमः सिद्धेभ्य
प्रिय प्रदीप जी, अमित जी, आलोक जी, यश,अतिशय, स्वस्ति बहिन अंजू जी जय जिनेन्द्र देव की।
5 दिन से मन बहुत व्यथित है आज भी प्रिय अनुज के लिए कुछ लिखने के पहिले ही हाथ कंपित होने लगे, लेकिन आज महान व्यक्तित्व के धनी, झांसी ही नही सम्पूर्ण देश में, झांसी जैन समाज को गौरांवित करने वाले जैन समाज का डायमंड प्रिय अनुज प्रवीण जी को में अश्रुपूरित श्रद्धांजलि के शब्द न लिखूं तो तो बेमानी होगी!
देव शास्त्र गुरु के अनन्य भक्त, जैन धर्म, जैन समाज को समर्पित, जिनआगम की गूढ़ जानकारी रखने वाले अनेक आचार्य, मुनिराज, आर्यिका मां, माता जी से जुड़े, हम सभी के अतिप्रिय, विराट व्यक्तित्व के धनी,परम स्नेही, हित मित भाषी, परम आदरणीय कीर्तिशेष कैलाश चाचा जी के प्रतिबिंब सर्वप्रिय प्रवीण जी के अल्पायु में जिनशरणागत के समाचार से हम सभी ही नही अपितु जिले की जैन समाज, वरन देश - प्रदेश में उनको जानने वाले, पत्रकार समूह, मित्रगण, रिश्तेदार सभी इस अविश्वसनीय घटना से हतप्रभ एवँ अत्यंत दु:खित है।
भाई प्रवीण जी जैन समाज के साथ साथ शहर की जैनेतर समाज के लिए भी बहुत कार्य करते रहे पत्रकारिता में आपकी प्रदेश में अलग ही पहचान थी, जब जब आप जैन समाज की कमेटी में पदस्थ हुए आपने श्री अतिशय क्षेत्र करगुवां जी प्यावल जी में एवं पंचायत समिति के अधीनस्थ जिनालयों में निर्माण और विकास की झड़ी लगा दी, आपके कार्यकाल में धार्मिक कार्यक्रम, यति सम्मेलन, पंचकल्याणक महोत्सव, चातुर्मास, एवं अनेक वृहद कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुए!
बेहद सरल, धार्मिक, समाजिक, व्यवसायिक, पारिवारिक कार्यो में अग्रणी सभी के सुख-दुख में शामिल होने बाले, विशाल व्यक्तित्व के धनी प्रवीण भाई के जिन शरणागत से दैनिक विश्व परिवार को ही नही अपितु हम सभी को, रिश्तेदार, मित्र, पत्रकारिता, सामाजिक व्यवसायिक क्षेत्र के साथ, सम्पूर्ण जैन समाज बुंदेलखंड को अपूर्णीय क्षति हुई है।
बिछुडा कुछ इस अदा से कि रुत ही बदल गई!
इक शख्सियत सारे शहर को वीरान कर गयी !!
हर दिल अजीज प्रवीण भाई समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर सहयोग देने को सदैव तत्पर रहते थे, प्रवीण जैसे महान व्यक्तित्व के धनी, आदर्श व्यक्ति, का सभी रिश्तों से, मित्रों से उनका वात्सल्य, मार्गदर्शन, सहयोग का का हाथ हट जाना बहुत कष्टदायी है।
अल्पायु में प्रवीण भाई का जाना स्वीकार कर पाना बहुत ही मुश्किल है, मां के सामने पुत्र का देवलोक होना अत्यंत पीड़ादायक है, पति का साथ छूटना, बच्चो के सिर से पिता की छत्र छाया हट जाना भाई बहिनों का भाई के स्नेह से वंचित हो जाना बहुत कष्ट दाई होता है।
जाते जाते बो अपने जाने का गम दे गये,
सब वहारे ले गये रोने का मोसम दे गये!
ढूढती हे निगाहे पर अब बो कही नही,
अपने होने का बो हमे कैसा भ्रम दे गये!
हमे उनकी की सूरत याद आती है,
वो तो ना रहे अपनी यादो का सितम दे गये!
एक अजीब सा सन्नाटा हे आज घर में,
घर की दरो दीबारो को उदासी का पैगाम दे गये!
बदल गई हे तासीर तासिरी जिन्दगी की!
तुम क्या गये आँखों में मंजरे मातम दे गये!!
पर हम जानते है आयु कर्म पूर्ण होने पर इस नश्वर शरीर को त्यागना ही पड़ता है, अत: हमें शास्वत सत्य को स्वीकार कर स्वयं धैर्य धारण करना चाहिये एवँ परिवार जन को ढाढस बंधाना चाहिए, हमे उनको यादों में रख कर ये महसूस करना होगा कि बो हमारे पास है हमारे आस पास है!!
प्रवीण जी एक भव्य एवं दिव्य आत्मा थे निश्चित ही उनको सदगति प्राप्त हुई होगी, हम चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान जी से प्रार्थना करते है कि हम सभी को एवं विश्व परिवार के सदस्यों को इस अथाह दु:ख को सहन करने की शक्ति समता धैर्य प्रदान करें।

जो सबको प्यारा लगता है !
वही भगवान को प्यारा होता है !!

शान्ति शान्ति शान्ति
दुखित हृदय से

-अनिल जैन एवं शिखर परिवार
झांसी/शिवपुरी/इंदौर

आदरणीय भाई प्रदीप जी
सादर जयजिनेन्द्र।
आत्मीय भाई प्रवीण जी के निधन का अत्यधिक दुखद, अविश्वासनीय समाचार मन को आहत कर गया. कई स्वजनों ने क्रम से बताया।
भाई प्रवीण जी रोड एक्सीडेंट से उबर कर कर्तव्य पथ पर सक्रिय हो गए थे, हम सब आंनदित थे, कि उनके आकस्मिक निधन का दुखद का समाचार मिल गया।
विधाता के विधान हममें से कोई नहीं जानता, काल के क्रूर हाथ क्यों असमय, बहुत प्यारे, अनुरागी, आत्मीय जनों को हमसे दूर कर देते हैं... नहीं पता।
आप सब व हम सब को यह होनी स्वीकारनी ही होगी. स्नेहमयी राखी जी, माताजी की वेदना की कल्पना ही सिहरा देती है...।
निश्चित रूप से भाई प्रवीण जी की आत्मा को प्रभु चरणों में दिव्य स्थान मिला होगा। सम्पूर्ण परिवार इन वेदना के पलों से निवृत हो, भाई प्रवीण जी के सपनों को मूर्तरूप देने को संकल्पित हो यही कामना व प्रार्थना।
सदैव वेदना में सहभागी।
हम सब ललितपुर, भोपाल, फ़रीदाबाद, नागपुर, झाँसी से

-इं अरूण जैन, फरीदाबाद

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 18 मई 2024

निगम में संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए 20 मई को आवश्यक बैठक

रायपुर (विसं)। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में उत्पन्न होने वाले संक्रामक रोगों जैसे उल्टी - दस्त, डेंगू, पीलिया, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु एक आवश्यक बैठक दिनांक 20 मई 2024 सोमवार को प्रातः 10 बजे रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में रखी गयी है।

गेस्ट्रोइन्टेरोलॉजिस्ट और लिवर हेल्थ पर राष्ट्रीय सम्मेलन, अंगदान जन जागरूकता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर व एपीआई छत्तीसगढ़ चेप्टर संयुक्त रूप से मिलकर गेस्ट्रोइन्टेरोलॉजिस्ट और लिवर हेल्थ 18-19 मई को दो दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन राजधानी रायपुर के होटल बेबीलॉन केपिटल में कर रहे हैं। डॉ. संदीप दवे ने बताया कि इसमें छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडीसा से करीब 500 डाक्टर्स हिस्सा ले रहे हैं। दो दिन में करीब चालीस विषयों पर व्याख्यान होंगे। न केवल छत्तीसगढ बल्कि मध्यभारत के चिकित्सकों व आम लोगों के मध्य जनजागरूकता को लेकर यह राष्ट्रीय सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। चूंकि देश के जाने माने विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे और वे आधुनिकत्तम तकनीक और दवाओं से अवगत करायेंगे। सभी डॉक्टर्स एक दूसरे से जानकारी साझा करेंगे, मध्यभारत के 5 सौ डाक्टर्स लेंगे हिस्सा, चालीस व्याख्यान से जानकारी करेंगे साझा।

गौरतलब है कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल समय-समय पर जन जागरूकता को लेकर इस प्रकार के सम्मेलन करते रहते हैं। डॉ. संदीप पाण्डे ने जानकारी दी कि हमारे प्रदेश छत्तीसगढ़ में भी अब एडवांस एंडोस्कोपी और लिवर प्रत्यारोपण जैसी आधुनिकत्तम सुविधाएं उपलब्ध है। डॉ. ललित निहाल पित्त नली की पथरी का इलाज व आमाशय से होने वाले रक्त स्राव से संबंधित संपूर्ण इलाज भी अब एडवांस एंडोस्कोपी से संभव है। मोटापे को कम करने के लिए अब बगैर आपरेशन एंडोस्कोपी से पेट को छोटा किया जा सकता है। फैटी लिवर के जमाव को किसी भी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि आगे जाकर यह लिवर सिरोसिस और कैंसर का रूप ले सकता है। इसलिए समय रहते पूरा इलाज करायें। फाइब्रोस्कैन द्वारा लीवर के डेमेज होने की प्रारंभिक अवस्था में ही पता लगाया जा सकता है। इन्ही सब विषयों को लेकर दो दिवसीय आयोजित सम्मेलन में विस्तृत चर्चा होगी।

इस कांफ्रेंस में देश के जाने माने डॉक्टर्स अपना व्याख्यान देंगे। इनमें नई दिल्ली से डॉ. एस.के. आचार्य, भोपाल से डॉ. सीसी चैबल, मुंबई से डॉ. आकाश शुक्ला, हैदराबाद से डॉ. राजेश गुप्ता, अहमदाबाद से डॉ. महेंद्र नरवारिया, नागपुर से डॉ. श्रीकांत मुकेवार प्रमुख है।

इसके साथ स्नातकोत्तर विद्यार्थी के लिए शिक्षा कार्यक्रम होंगे। इस कार्यक्रम के तत्वावधान में अंग दान के प्रति समाज में जागरुकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे। डॉ. अब्दुन नईम और डॉ. अजीत मिश्रा लिवर प्रत्यारोपण एवं रायपुर में अंग दान के सफल प्रयास के विषय में व्याख्यान देंगे। जैसा कि आपको विदित हैं कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में कुल 28 और जिसमें 24 लीवर जीवित व्यक्तियों द्वारा और 4 मृत व्यक्तियों के द्वारा प्रदान किया गया है। सभी शत प्रतिशत स्वस्थ हैं और छत्तीसगढ़ के डाक्टर्स इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

इस सम्मेलन में रामकृष्ण केयर अस्पताल के डॉक्टर्स डॉ. संदीप दवे (मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर), डॉ. संदीप पाण्डे, डॉ. अब्बास नकवी, डॉ. सिद्धार्थ तामस्कर, डॉ. ललित निहाल एवं डॉ. अजीत मिश्रा अपने-अपने अनुभव साझा करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सिंधी इग्लिश हायर सेकेण्डरी विद्यालय में 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। सिंध सेवा मंडल द्वारा संचालित सिंधी इग्लिश हायर सेकेण्डरी विद्यालय, रामसागर पारा, रायपुर में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में विद्यालय के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कक्षा 12वीं के वाणिज्य समूह की छात्रा कु. लेसिका साहू ने 91.4 प्रतिशत के साथ प्रथम व कु. मोनिका पाल ने 88.4 प्रतिशत के साथ द्वितीय व कु.शिखा साहू 81.6 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12वीं में बायोलॉजी की छात्रा कु. राशि ठाकुर नें 75.8 प्रतिशत के साथ प्रथम व कु.अंशिका थारवानी नें 72 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10वीं में चि. अर्नव खंण्डेलवाल 89.5 प्रतिशत के साथ प्रथम व कु. अंशिका मिश्रा 85.33 प्रतिशत के साथ द्वितीय व चि.कन्हैया शुक्ला 84.66 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य एवं शिक्षको द्वारा विद्यार्थियों को बधाई दी गई। संस्था के अध्यक्ष श्री पोहुमल जेठानी द्वारा विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गई।

श्री लोहाणा महिला मंडल द्वारा राहगीरों को गन्ना रस का वितरण किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री लोहाणा महिला मंडल रायपुर द्वारा आज रोज मंडी गेट, हनुमान मंदिर के पास राहगीरों को गन्ना रस का वितरण किया गया। श्री लोहाणा महिला मंडल की अध्यक्ष मीना बेन पुजारा ने बताया कि इस तपती गर्मी से राहत दिलाने सभी राहगीरों को निशुल्क ठंडा ठंडा गन्ना रस का वितरण किया गया। इस अवसर पर मीता चतवानी, जयश्री बेन पारेख, रमा बेन चतवानी, रश्मि बेन मिरानी , नेहा बेन मानिक,मोना बेन मीना बेन, वनिता बेन भारती बेन, वंदना बेन आशा बेन मधु बेन साथ में सभी बहने उपस्थित थीं।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर पॉवर कंपनी में कार्यशाला आयोजित, तनाव प्रबंधन में विपश्यना साधना कारगर

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व उच्च रक्त चाप दिवस के अवसर पर आज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन तथा ट्रांसमिशन कंपनी के केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गुढ़ियारी रायपुर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री सीताराम साहू-मुख्य अभियंता, मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी श्री सत्यजीत ठाकुर, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री उमेश कुमार मिश्रा थे।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि श्री ठाकुर ने कहा कि तनाव प्रबंधन में ध्यान साधना की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हैं। विपश्यना ध्यान साधना को लेकर सत्यनारायण गोयनका के अनुभवों और योगदान को जन-जन तक पहुंचा कर हम साधकों की संख्या को बढ़ा सकते हैं। यह साधना किसी बीमारी के उपचार के लिए नहीं है बल्कि ऐसी जीवन शैली के लिए है जिससे बीमारियां न हो। श्री उमेश कुमार मिश्रा ने कहा कि जब किसी विशेष परिस्थिति को पैदा होने से रोकना नामुमकिन हो तो उसके साथ जीने के लिए विशेष प्रकार के प्रबंधन की आवश्यकता पड़ती हैं। उच्च रक्तचाप होने के कारणों को रोक पाना कठिन होता है तो उसके प्रबंधन से हम अपने जीवन को सुरक्षित बना सकते हैं। यही प्रबंधन सीखने की जरूरत है।

मुख्य अभियंता श्री सीताराम साहू ने बताया कि विपश्यना ध्यान साधना से मानसिक तनाव को रोका जा सकता है। इस तरह तनावरहित जीवन में बीमारियों को रोकना भी संभव होता हैं। उन्होंने पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से विपश्यना ध्यान साधना के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रदेश में श्री सत्यजीत ठाकुर के सौजन्य से दो विपश्यना केन्द्र बिलासपुर तथा थनौद (दुर्ग जिला) में संचालित हैं। तीसरे केन्द्र की स्थापना सिंगारभाटा (जिला रायपुर) में की जा रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनियों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं जो तनावमुक्त जीवन का मार्ग प्रशस्त करता हैं। इस अवसर पर पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सिपेट के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2024-25 हेतु प्रवेश प्रारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) अध्ययन, शोध, विकास एवं औद्योगिक तकनीक उन्नयन के क्षेत्र में एक अद्वितीय संस्थान हैं। रसायन व उर्वरक मंत्रालय एवं रसायन व पेट्रो रसायन विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत सम्पूर्ण देश में संस्थान विशिष्टता से संचालित है। छत्तीसगढ राज्य में सिपेट के दो केन्द्र स्थापित हैं, जिसमें राजधानी रायपुर और ऊर्जा राजधानी कोरबा सम्मिलित हैं। रायपुर में प्लॉट नं. 48, औद्योगिक क्षेत्र भनपुरी तथा कोरबा में स्याहीमुड़ी ग्राम के एजुकेशन हब में स्थित है।

सिपेट में AICTE द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (PGD-PPT, पाठ्यक्रम अवधि- 2 वर्ष), डिप्लोमा इन प्लास्टिक मोल्ड टेक्नोलॉजी (DPMT पाठ्यक्रम अवधि-3 वर्ष), तथा डिप्लोमा इन प्लास्टिक टेक्नोलॉजी (DPT पाठ्यक्रम अवधि-3 वर्ष) हेतु सिपेट प्रवेश परीक्षा (CIPET ADMISSION TEST- w®wy) के द्वारा प्रवेश प्रारंभ है। इनमें प्रवेश हेतु दिनांक 09.06.2024 को ऑनलाईन परीक्षा आयोजित होगी। प्रवेशार्थी ऑनलाईन आवेदन httpsÑ//cipetwy.onlineregistrationform.org/CIPET/ वेबसाइट के माध्यम से कर सकते है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31.05.2024 निर्धारित की गई है। PGD-PPT हेतु प्रवेश योग्यता क्रस्ष्. एवं DPMT तथा DPT हेतु 10वीं उतीर्ण है। यह समस्त पाठ्यक्रम रोजगारोन्मूलक है, जिसमें निजी क्षेत्र में रोजगार, स्वरोजगार व स्वयं के उद्योग की स्थापना भी सम्मिलित है। भविष्य में प्लास्टिक्स/ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग व टेक्नालॉजी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, अतः उपरोक्त पाठ्यक्रमों को इस आधार पर भी मूर्तरूप दिया गया है। विस्तृत जानकारी सिपेट रायपुर के कार्यालय या वेबसाइट www.cipet.gov.in पर भी प्राप्त किया जा सकता है।

रेल यात्रा के दौरान रेलवे से संबंधित किसी भी सुझाव या मामले के निराकरण के लिए रेल यात्री ले सकते हैं 'रेल मदद' ऐप की मदद

यात्रियों से अनुरोध है कि रेल मदद का उपयोग जिम्मेदार यात्री बन कर करें

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत रेल मदद एप पर प्राप्त रेल यात्रियों के लगभग समस्याओं/ शिकायतों का शत-प्रतिशत त्वरित समाधान निदान किया किया जा रहा हैं। डिजिटल पहलों के अनुरूप भारतीय रेलवे ने शिकायत प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल करते हुए रेल यात्रियों की शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया को सुधारने एवं तेज करने के लिये रेलवे के द्वारा %रेल मदद% नाम से एक ऐप जारी किया है। रेल मदद एप यात्रियों की शिकायतों को दर्ज कर शिकायतों के निवारण की स्थिति के बारे में उन्हें लगातार जानकारी मुहैया कराता है। यात्री को इस ऐप पर रजिस्टेशन के बाद एसएमएस के जरिये शिकायत संख्या तुरंत उपलब्ध कराकर रेलवे द्वारा उठाये गये कदमों की जानकारी भी एसएमएस द्वारा दी जाती है।

रेल मदद ऐप द्वारा रायपुर रेल मंडल में त्वरित समस्याओं शिकायतों का निदान किया जा रहा है रायपुर रेल मंडल को प्राप्त होने वाली शिकायतों सुझाव पर यात्रियों से बेहतरीन फीडबैक रिमार्क्स मिल रहे हैं। रायपुर रेल मंडल के कमर्शियल कंट्रोल रूम में रेल मदद सुचारू रूप से 24 ङ्ग 7 संचालित रहती है पुरी टीम जनता के साथ सभी सुझाव/शिकायतों पर त्वरित जानकारी एकत्रित कर संबंधित यात्रियों को उपलब्ध कराती है एवं उनकी समस्या का निवारण करती है रायपुर रेल मंडल का रेल मदद यात्रियों को हर संभावित मदद पहुंचाने का प्रयास कर रही है उसी के प्रतिफल स्वरूप यात्रियों के द्वारा प्रशंसनीय फीडबैक प्राप्त हो रहे हैं।विभिन्न तरह की शिकायतों एवं सुझावों पर एक्सीलेंट रेटिंग एवं रेलवे के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की जा रही है।

(1) 10 मई, 2024 को शिकायत/सुझाव क्रमांक 2024051005743 में अनारक्षित सुपरफास्ट टिकट के संदर्भ में पूछताछ किए जाने पर यात्री द्वारा रेल कर्मी श्री पी एस एस राव के व्यवहार एवं कार्य कुशलता एवं नम्रता की प्रशंसा का फीडबैक प्राप्त हुआ। (2) 10 मई, 2024 को शिकायत/सुझाव क्रमांक 2024051005743 में बेड रोल की शिकायत पर बेड रोल उपलब्ध कराने पर वेरी गुड फीडबैक थैंक यू सो मच फीडबैक प्राप्त हुआ। (3) 10 मई, 2024 को शिकायत/सुझाव क्रमांक 2024051003219 में पार्सल लगेज बुकिंग डिलीवरी से संबंधित शिकायत पर उन्हें डिलीवरी की संपूर्ण जानकारी दी गई जिस पर अच्छा रिस्पांस एवं एक्सीलेंट फीडबैक प्राप्त हुआ। (4) 11 मई, 2024 को शिकायत/सुझाव क्रमांक 2024051100575 में यात्री की आरक्षित सीट पर अन्य यात्री अनधिकृत रूप से बैठ पाए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए यात्री को उनकी सीट दिलवाई गई जिस पर रेल कर्मियों द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा की गई एवं धन्यवाद फीडबैक प्राप्त हुआ एवं एक्सीलेंट रेटिंग प्राप्त हुआ। (5) 11 मई, 2024 को शिकायत/सुझाव क्रमांक 2024051103148 में आरक्षण कार्यालय में आरक्षण करते समय अन्य व्यक्ति द्वारा आरक्षण फार्म पहले दिए जाने शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी यात्रियों को समान अवसर प्रदान करते हुए पहले आए पहले पाए के आधार पर आरक्षण दिया जाता है। जिस पर रेलवे द्वारा उनकी शिकायत पर लिए गए संज्ञान पर रेलवे को धन्यवाद फीडबैक प्राप्त हुआ एवं एक्सीलेंट रेटिंग प्राप्त हुआ। (6) 11 मई, 2024 को शिकायत/ सुझाव क्रमांक 2024051105849 में संपर्क क्रांति में यात्री की आरक्षित सीट पर अन्य यात्री अनधिकृत रूप से बैठ पाए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए यात्री को उनकी सीट दिलवाई गई जिस पर रेल कर्मियों द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा की गई एवं धन्यवाद फीडबैक प्राप्त हुआ एवं एक्सीलेंट रेटिंग प्राप्त हुआ। (7) 11 मई, 2024 को शिकायत/सुझाव क्रमांक 2024051108812 में दुर्ग स्टेशन पर यात्री द्वारा खाद्य पदार्थों पर ओवर चार्जिंग की शिकायत मिलने पर संबंधित खानपान स्टॉल पर ?500 फाइन करने हेतु निर्देशित किया गया जिस पर यात्री ने सुझाव दिया कि उद्घोषणा के माध्यम से यात्रियों को जागृत किया जाए की एमआरपी से अधिक भुगतान ना करें उनके द्वारा एक्सीलेंट रेटिंग प्राप्त हुआ। (8) 11 मई, 2024 को शिकायत/सुझाव क्रमांक 2024051105849 में संपर्क क्रांति में यात्री की आरक्षित सीट पर अन्य यात्री अनधिकृत रूप से बैठ पाए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए यात्री को उनकी सीट दिलवाई गई जिस पर रेल कर्मियों द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा की गई एवं धन्यवाद फीडबैक प्राप्त हुआ एवं एक्सीलेंट रेटिंग प्राप्त हुआ। (9) 13 मई, 2024 को शिकायत/सुझाव क्रमांक 2024051303606 में दुर्ग रेलवे स्टेशन पर कर पार्किंग में आ रही बाधा का निवारण किए जाने पर यात्री को बताया गया कि उन्होंने अपनी कर गलत जगह पार्क की थी। समस्या का समाधान होने पर यात्री से एक्सीलेंट रेटिंग प्राप्त हुआ। (10) 11 मई 2024 को प्राप्त शिकायत सुझाव क्रमांक 2024051301624 में चिकित्सीय सहायता मांगी गई रेल मदद टीम द्वारा सक्रियता दिखाते हुए यात्री को चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई गई जिस पर यात्री ने रेलवे के कार्यों की सरहाना की। (11) 13 मई 2024 को प्राप्त शिकायत सुझाव क्रमांक 2024051305422 में हावड़ा मुंबई मेल में चिकित्सीय सहायता मांगी गई रेल मदद टीम द्वारा सक्रियता दिखाते हुए यात्री को चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई गई जिस पर यात्री ने रेलवे के कार्यों की सरहाना की।

रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य कंट्रोल में रेल यात्रियों की समस्याओं का निराकरण एवं सुझावों को त्वरित निष्पादन हेतु 'रेल मदद' ऐप पर 24×7 टीम कार्यरत

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा के दौरान रेलवे से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं /शिकायतों के निदान के लिए रेलवे द्वारा जारी किए गए इस ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें कई बार रेलवे के संज्ञान में आया है कि कुछ यात्री अनावश्यक रूप से रेल मदद का दुरुपयोग कर रहे हैं ऐसी ही हाल में एक घटना घटित हुई स्पेशल ट्रेन नंबर 07051हैदराबाद रक्सौल स्पेशल ट्रेन में द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित कोच में यात्रा कर रहे यात्री ने दिनांक 12 मई 2024 को रेल मदद के जरिए रेल मदद से भोजन की आवश्यकता जाहिर की जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए दुर्ग स्टेशन पर श्री अमर फुटाने उप स्टेशन अधीक्षक वाणिज्य दुर्ग ने यात्री को उनकी बर्थ पर भोजन उपलब्ध कराया यात्री द्वारा भोजन की फ्री में मांग की गई उन्होंने खाने का पेमेंट कर खाना लेने से मना कर दिया। यात्रियों से अनुरोध है कि अनावश्यक रूप से रेल मदद का दुरुपयोग ना करें आवश्यकता होने पर रेल मदद का उपयोग करें यात्रियों से अनुरोध है कि रेल मदद का उपयोग जिम्मेदार यात्री बन कर करें

रेल मदद द्वारा यात्रियों को भरपूर मदद पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है रेल यात्रियों द्वारा रेलवे की प्रशंसा की जा रही है रेलवे अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है वहीं कुछ अन्य यात्रियों द्वारा अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है जिसमें रेलवे की टीम का महत्वपूर्ण समय भी व्यर्थ हो रहा है वहीं इसी समय को किसी अन्य जरूरतमंद यात्री की मदद के लिए उपयोग किया जा सकता है रेल प्रशासन चाहता है कि यात्री रेल मदद सुविधा का उचित एवं आवश्यकता अनुरूप लाभ से हर आवश्यकमंद यात्री लाभान्वित हो सके।

पूर्व में रेलवे के द्वारा जितनी भी हेल्पलाईन नंबर इस्तेमाल में थी उन सभी को 'रेल मदद' एप में समाहित की गई है। हेल्पलाईन नंबर 139 पर भी काल करने से 'रेल मदद'द्वारा यात्रियों की समस्याओं का निराकरण किए जा रहे है।

इस एप्लीकेशन की मुख्य विशेषतायें इस प्रकार हैं

रेल मदद में फोटोग्राफ भेजने की सुविधा है जिससे कि शिकायत की वास्तविक स्थिति का आंकलन जल्द हो जाता है। रेल मदद ऐप शिकायतों की जानकारी को दर्ज कर शिकायत संख्या जारी करता है। रेल मदद ऐप शिकायत की जानकारी को डिवीजन के फील्ड अधिकारियों को उपलब्ध कराता है। शिकायत के समाधान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी स्स्र्- के माध्यम से शिकायतकर्ता को पहुँचाता है। रेल मदद ऐप विभिन्न सुरक्षा एवं सहायता सेवाओं (जैसे, सुरक्षा, बाल सहायता सेवा इत्यादि) के नंबर बताता है।

'सुपेला ब्रिज' भिलाई छत्तीसगढ़ का गौरव, सुपेला अंडर ब्रिज आकर्षक चित्रकारी से सुसज्जित

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के हावड़ा मुंबई में लाइन पर भिलाई पावर हाउस और भिलाई नगर सेक्शन में समपार फाटक क्रमांक 442 सुपेला गेट पर बॉक्स पुशिंग मेथड द्वारा सुपेला रोड अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया है इस ब्रिज अंडर ब्रिज के निर्माण में अनेकों चुनौतियों का सामना करते हुए इस ब्रिज को निर्मित किया गया है यह ब्रिज लगभग 32 करोड़ की लागत से बनाया गया वाय शेप ब्रिज हैं। यह ब्रिज साइज में बड़ा है साथ ही 3 पॉइंट्स को जोड़ता है। यह ब्रिज बड़ा होने के साथ बहुत ही आकर्षक पेंटिंग से सुसज्जित किया गया है अंडर ब्रिज से पानी निकालने के लिए 2 ङ्ग 20 एचपी सबमर्सिबल पंप जो कि डेढ़ लाख लीटर प्रति घंटे की क्षमता से पानी भर फेक सकेगा। इस अंडर ब्रिज में पर्याप्त रोशनी हेतु 80 वॉट और 100 वाट अंडर रूफ लाइट्स लगाई गई है। सुपेला अंडर ब्रिज बनने से भिलाई दुर्ग आने जाने वाले यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्ग साबित होगा यातायात सुचारू रूप से संचालित होगा।

पी.डब्लू.डी. भिलाई स्टील प्लांट के सहयोग से सबको साथ चलने की पहल पर कार्य कर रहा रायपुर रेल मंडल सुपेला अंडर ब्रिज की एक खास विशेषता यह है कि इस अंडर ब्रिज के निर्माण के समय तीन पीपल के बड़े वृक्षों को जो लगभग 90 से 100 साल पुराने पीपल वृक्ष थे उन्हें सुपेला अंडर ब्रिज के मार्ग से विस्थापित कर बड़ेतरिया, कुम्हारीगोठान, सुपेला में स्थापित किया गया इस कार्य हेतु वृक्षों के संरक्षण में कार्यरत संस्था की सीईओ फाउंडर मेंबर मिस नेहा बांसोड़ की भूमिका सराहनीय रही। इन वृक्षों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में इस संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रही एवं यही संस्था इन वृक्षों की भी देखभाल कर रही है।

मिस नेहा बांसोड़ ने मास्टर डिग्री वानिकी और वन्य जीवन, NALSAR से पशु संरक्षण कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, आर्बोरीकल्चर या ट्री सर्जन में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा किया है। पिछले तीन सालों से काम कर रही मिस नेहा बांसोड़ पर्यावरण संरक्षण के लिए जिसमें स्पेशली ट्री कंजर्वेशन ट्री प्रोटेक्शन के लिए काम करती है। आज तक 400 से ऊपर वृक्षों का संरक्षण किया है और सबसे बड़ा जो हमारा वृक्ष था जिसकी आयु लगभग 200 वर्ष की है जो हमने रायपुर में शिफ्ट किया है और रेलवे में तिल्दा, बिल्हा, सरोना, मरोदा, दल्ली राजहरा, बालोद और भिलाई नगर में कार्य किया है जिसमें टोटल लगभग 92 वृक्षों का संरक्षण किया है अर्बन एरियाज में माइक्रोफोना मतलब जैसे तितली और जुगनू फ्लाइज यह सब पर भी काम कर रही है इनके संरक्षण के लिए मैनेजमेंट डेवलप, बर्ड्स के संरक्षण के लिए, वॉटर कंजर्वेशन, वेस्ट वाटर मैनेजमेंट पर भी काम करती है।

मच्छरों पर नियंत्रण के लिए एंटी लार्वा एवं फॉगिंग का कार्य जारी

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेषानुसार एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देषानुसार नगर निगम रायपुर क्षेत्र में नगरवासियों को मच्छरों से राहत दिलवाने मच्छरो पर कारगर नियंत्रण हेतु एंटी लार्वा ट्रीटमेंट एवं फॉगिंग का कार्य विभिन्न वार्डो एवं जोनो में निरंतर स्वास्थ्य विभाग एवं जोनो के स्वास्थ्य अमले द्वारा जारी है। आयुक्त के निर्देष पर अपर आयुक्तगणों, स्वास्थ्य अधिकारी, उपायुक्तगणों, जोन कमिष्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा मच्छरों पर कारगर नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे फॉगिंग अभियान एवं एंटी लार्वा ट्रीटमेंट कार्य का सतत निरीक्षण विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने कालीमाता वार्ड के खपरा भठ्ठी क्षेत्र में मच्छरों पर नियंत्रण हेतु चलाये गये फॉगिंग अभियान का निरीक्षण किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354